- बजट : सत्ता पक्ष और विपक्ष में गतिरोध बरकरार - 12

- केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत- 12

- बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान - 13

- इटली ने नेपाल को रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला - 14

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.46

सूर्यास्त 06.00

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी 02:26 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 174, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

परेशान नहीं कर पाएंगे रिकवरी एजेंट आरबीआई के नए सख्त नियम लागू

मुंबई, एजेंसी

बैंक के लिए कर्ज वसूली करने वाले रिकवरी एजेंट अब परेशान नहीं कर पाएंगे क्यों कि आरबीआई ने बैंक एजेंटों की नियुक्ति और उनके कामकाज के नियमन के लिए गुरुवार को नियमों का मसौदा जारी किया। इसमें एजेंट के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य करने और कर्जदारों को किए जाने वाले सभी फोन कॉल की रिकॉर्डिंग का प्रावधान है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि वसूली एजेंट द्वारा उधारकर्ता को किए गए सभी फोन कॉल को रिकॉर्ड किया जाए। इसके साथ

- कर्ज वसूली एजेंटों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य, फोन कॉल की रिकॉर्डिंग संबंधी नियमों का मसौदा जारी

ही एजेंट को कर्जदार के साथ 'सभ्य तरीके' से बातचीत करनी होगी।

नियमों के मसौदे मुताबिक, बैंक का कर्मचारी या वसूली एजेंट कर्जदार के साथ शालीनता एवं मर्यादा बनाए रखते हुए व्यवहार करेगा और कर्ज वसूली के लिए उधारकर्ता के घर जाने पर भी अपना आचरण संयमित रखेगा। आरबीआई इस पर भी विचार कर रहा है कि वसूली एजेंटों के लिए भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (आईआईबीएफ) द्वारा संचालित 'ऋण वसूली प्रशिक्षण' को अनिवार्य किया जाए। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक में एजेंटों के आचरण को नियमित करने के लिए कदम उठाने की बात कही थी। पहले ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिनमें वसूली एजेंट के खराब व्यवहार से कर्जदारों को काफी परेशानियां उठानी पड़ीं।

यदि गिरफ्तारी विधि सम्मत नहीं तो न्यायिक हिरासत भी अवैध

विधि संवाददाता, लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि अभियुक्त की गिरफ़्तारी विधि सम्मत नहीं है तो मजिस्ट्रेट द्वारा उसे न्यायिक हिरासत पर लेने का आदेश भी वैध नहीं ठहराया जा सकता। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने पॉक्सो के एक मामले में गिरफ्तार अभियुक्त की न्यायिक हिरासत को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया है तथा अभियुक्त को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने प्रतापगढ़ निवासी शिवम चौरसिया की ओर से उसके भाई द्वारा दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया है। याचिका में कहा गया था कि याची को दुराचार व पॉक्सो तथा अन्य आरोपों में अभियुक्त बनाते हुए प्रतापगढ़ के कंधई थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आरोप है कि वादी की 17 वर्षीय पुत्री को बहलफुसला कर याची/अभियुक्त ने शारीरिक संबंध बनाए तथा ब्लैकमेल

- बिना कारण बताए गिरफ़्तारी पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

किया। दलील दी गई कि 28 जनवरी 2026 को याची को थाने पर बयान देने के लिए बुलाया गया, वह वहाँ पहुंचा तो उससे अरेस्ट मेमो पर हस्ताक्षर करा लिए गए। गिरफ्तार कर अगले दिन संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से मजिस्ट्रेट ने भी बिना यह देखे कि अरेस्ट मेमो में याची के गिरफ़्तारी के किसी कारण का उल्लेख नहीं किया गया है, याची को न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया। याचिका का राज्य सरकार के अधिवक्ताओं शिवनाथ तिलहरी व अनुराग वर्मा ने विरोध करते हुए दलील दी कि गिरफ़्तारी के बाद यदि मजिस्ट्रेट ने रिमांड स्वीकार कर लिया है तो यदि गिरफ़्तारी की प्रक्रिया में कोई त्रुटि रह भी गई है तो वह विलुप्त मान ली जाएगी। हालांकि कोर्ट इस दलील दे सहमत नहीं हुई।

पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन होगा: सरकार

लखनऊ, विधि संवाददाता। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक जनहित पर जवाब देते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा। साथ ही संबंधित कानून के तहत उक्त आयोग के रिपोर्ट के आधार पर ही ओबीसी आरक्षण लागू किया जाएगा। सरकार की ओर से आए उक्त जवाब के आधार पर कोर्ट ने संबंधित याचिका को निस्तारित कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया था कि अक्टूबर 2025 में पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्यकाल पूरा हो चुका है, जिसे एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार भी दिया गया है। कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने जयश्री लक्ष्मण राव पाटील मामले में समर्पित आयोग का गठन कर, उक्त आयोग के सर्वे व रिपोर्ट के आधार पर ही स्थानीय चुनावों में आरक्षण लागू किए जाने का आदेश दिया था। दलील दी गई कि अप्रैल व जुलाई 2026 के मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं, बावजूद इसके अब तक एक समर्पित आयोग का गठन नहीं किया जा सका है।

ब्रीफ न्यूज

दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली। दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। वह 1980 और 1990 के दशक में टीवी समाचार जगत के सबसे जाने-माने चेहरों में से एक थीं और जिनकी शांत शैली आज के टेलीविजन समाचार बुलेटिन के शोरगुल से बिल्कुल अलग थी। माहेश्वरी 1976 से लेकर 2005 तक टीवी समाचारों का जाना-पहचाना चेहरा थीं। उनके साथ सलमा सुल्तान, मीनू तलवार, शम्मी नारंग, गीतांजलि अय्यर, नीति रविंद्रन और अन्य भी थीं। उनका नाम सुनते ही प्रसारण जगत और उसके श्वेत-श्याम से रंगीन प्रसारण में परिवर्तन की यादें ताजा हो जाती हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति 18 को पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा 18 फरवरी को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि लूला की राजकीय यात्रा से दोनों देशों की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। साथ ही द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि मोदी 21 फरवरी को राष्ट्रपति लूला से मिलेंगे और दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

असम राइफल्स श्वान दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को करेगा शामिल

जोरहाट। केंद्र सरकार के स्वदेशीकरण के आह्वान को मजबूती प्रदान करते हुए असम राइफल्स अपने अभियानों को अंजाम देने के लिए दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को शामिल करने की योजना बनाई है। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के तहत 'तंगखुल हुई' नस्ल के कुत्तो को श्वान दस्ते में शामिल कर लिया है।

रेरा को समाप्त कर देना चाहिए, यह दागी बिल्डरों के लिए काम कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, कहा- जिनके लिए रेरा बनाया वे पूरी तरह से निराश और हताश

- कोर्ट की सख्त टिप्पणी से रियल एस्टेट सेक्टर में मची हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सभी राज्यों के लिए रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के गठन पर पुनर्विचार करने का यह सही समय है क्योंकि यह संस्था दागी बिल्डरों को सुविधा प्रदान करने के अलावा कुछ नहीं कर रही है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि जिन लोगों के लिए रेरा बनाया गया था, वे पूरी तरह से निराश और हताश हैं।

पीठ ने जोर देकर कहा कि अगर इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। पीठ ने हिमाचल प्रदेश सरकार को रेरा के कार्यालय को अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित करने की अनुमति देते हुए ये टिप्पणियां कीं। हिमाचल प्रदेश सरकार और अन्य द्वारा दायर याचिका पर पीठ ने नोटिस जारी किया, जिसमें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जो राज्य के रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने से संबंधित था।

उच्च न्यायालय ने इससे पहले रेरा कार्यालय के स्थानांतरण से संबंधित जून 2025 की अधिसूचना पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। बाद में, 30 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में, उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश को जारी रखने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने 30 दिसंबर के उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, दागी बिल्डरों को सुविधा देने के अलावा यह संस्था (रेरा) कुछ नहीं कर रही है। बेहतर होगा कि इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए, हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है ...अब समय आ गया है कि सभी राज्य इस प्राधिकरण के गठन पर ही पुनर्विचार करें। राज्य सरकार ने अधिवक्ता सुगंधा आनंद के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी याचिका में कहा कि हिमाचल प्रदेश रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने का निर्णय शिमला शहर में भीड़भाड़ कम करने के लिए लिया गया था, और यह पूरी तरह से प्रशासनिक कारणों पर आधारित था। प्रतिवादी की ओर से पेश एक वकील ने कहा कि प्राधिकरण जिन परियोजनाओं से संबंधित मामलों को देखता है, उनमें से 90 प्रतिशत शिमला, सोलन, परवानू और सिरमौर में हैं, जो अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा कि रेरा के समक्ष लंबित शिकायतों में से लगभग 92 प्रतिशत इन्हीं जिलों से हैं।

किसी को अरावली को छूने की अनुमति नहीं देंगे

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसी को भी अरावली की पहाड़ियों को छूने की अनुमति नहीं देगा। इसी के साथ विशेषज्ञों द्वारा पर्वतमाला की परिभाषा स्पष्ट किए जाने तक हरियाणा सरकार को जंगल सफारी पर विस्तृत योजना प्रस्तुत करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अरावली पहाड़ियों से संबंधित मुख्य मामले पर विचार करते समय 'जू सफारी' के मुद्दे पर भी संज्ञान लिया जाएगा। हरियाणा का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सफारी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को 10,000 एकड़ से संशोधित करके 3,300 एकड़ से अधिक कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे केवल इतना चाहते हैं कि उन्हें डीपीआर को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के समक्ष समीक्षा के लिए प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। पीठ ने कहा, हम विशेषज्ञ नहीं हैं। अरावली की परिभाषा विशेषज्ञ तय करेंगे। सीजेआई ने कहा कि अरावली केवल हरियाणा या राजस्थान की ही नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी पर्वत शृंखला है जो कई राज्यों से होकर गुजरती है। उन्होंने हरियाणा सरकार के वकील से कहा, हम जू सफारी के मुद्दे पर मुख्य मामले के साथ ही विचार करेंगे। इस पर हरियाणा सरकार के वकील ने कहा कि मुख्य मामला बिल्कुल अलग है और जंगल सफारी का मुद्दा अलग है। पीठ ने इसपर टिप्पणी की, कभी-कभी, सीईसी अनुमति देने में बहुत चुनिंदा रवैया अपनाता है। अगर हम अनुमति देते हैं, तो वे बहुत ही आकर्षक तस्वीर पेश करेंगे कि ये पेड़, वन्यजीव और जंगल हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि विशेषज्ञ समिति की राय आने के बाद वह सफारी परियोजना पर विचार करेगी।

बिजली-कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विधानसभा में तीखी बहस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और सपा नेता शिवपाल यादव आमने-सामने

अमृत विचार: विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बिजली आपूर्ति, कानून व्यवस्था, किसान और बजट के मुद्दों पर सदन का माहौल बार-बार गरमाया। ऊर्जा मंत्री और सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के बीच तीखी बहस केंद्र में रही।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत होते ही भाजपा विधायकों ने सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। भाजपा विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में शिक्षा, कानून व्यवस्था और निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में सुविधाओं, बेहतर भवनों और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया।

सदन में सबसे तीखी बहस ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव के बीच हुई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पीएम सूर्य घर योजना सहित कई केंद्रीय योजनाओं में देश में अग्रणी है और आज प्रदेश में कहीं 24 तो कहीं 21 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब सपा कानून व्यवस्था और बिजली की बात करती है तो हंसी आती है। इस पर शिवपाल सिंह यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में भी बिजली और सड़क के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम हुआ था।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा एवं सपा विधायक शिवपाल सिंह

किसान, डीजल व अधिग्रहण पर सरकार का जवाब

किसानों की बदहाली, डीजल की कीमत और जमीन अधिग्रहण को लेकर सपा विधायक अनिल प्रधान ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि किसान कर्ज, मौसम की मार और आवारा पशुओं से परेशान हैं, वहीं खाद के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यूपी में डीजल पर वैट देश के कई राज्यों की तुलना में कम है और डीजल की कीमतें पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित करीब 20 राज्यों से कम हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सरकार लगातार योजनाओं पर काम कर रही है। भूमि अधिग्रहण पर उन्होंने कहा कि किसानों से संवाद कर बाजार दर पर मुआवजा दिया जाता है।

देशव्यापी हड़ताल का मिलाजुला असर, बैंकिंग सेवाएं सुचारू रहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच की सरकार की नीतियों के खिलाफ गुरुवार को आहूत एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का सामान्य जनजीवन पर खास असर नहीं पड़ा।

श्रमिक संगठनों ने कई राज्यों में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ जगहों पर श्रमिक हड़ताल में समर्थन दिखाने के लिए कार्यस्थल पर देर से पहुंचे। उत्तर प्रदेश ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, गोवा सहित कई राज्यों में इसका मिला-जुला असर

देखने को मिला। श्रमिक संगठनों ने दावा किया कि हड़ताल में 30 करोड़ से अधिक श्रमिकों, किसानों और अन्य वर्गों ने भाग लिया। बैंकिंग सेवाएं भी सुचारू रूप से चलती रहीं।

एक्सप्रेस-वे पर टोल दरों में कटौती, 15 से लागू

नई दिल्ली। सरकार ने चालू राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के उपयोगकर्ताओं के लिए टोल शुल्क कम करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोधन किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गुरुवार को बयान में कहा कि संशोधित नियम 15 फरवरी से लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा, इसके तहत यदि कोई राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे शुरू से अंत तक पूरी तरह चालू नहीं है, तो उसके केवल तैयार हिस्से पर सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुसार कम दर से टोल शुल्क लिया जाएगा।

114 राफेल विमानों को खरीदने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के काफी समय से लंबित प्रस्ताव को गुरुवार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने रक्षा बलों की युद्ध तत्परता बढ़ाने के लिए कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों के पूंजीगत अधिग्रहण को मंजूरी दी। राफेल विमानों की खरीद को मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से ठीक चार दिन पहले मिली। इस सौदे को हालांकि अंतिम रूप देने के लिए औपचारिक अनुबंध इस साल के अंत से पहले होने की संभावना नहीं है,। अप्रैल 2019 में, भारतीय वायुसेना ने लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से 114 बहु-भूमिका लड़ाकू विमान (एमआरएफए) की खरीद के लिए एक आरएफआई (सूचना के लिए अनुरोध), या प्रारंभिक निविदा जारी की। इस परियोजना के अन्य दावेदारों में लॉकहीड मार्टिन का एफ-21, बोइंग का एफ/ए-18 और यूरोफाइटर टाइफून शामिल थे। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 की संख्या से घटकर 31 रह गई है।

तटरक्षक बल को कानपुर एचएएल से मिलेंगे 8 डोर्नियर 228 विमान

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर यहां एचएएल के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन, कानपुर के साथ हस्ताक्षर किए गए।

लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रवर्तन निदेशालय ने 85 करोड़ के घोटाले में की कार्रवाई, सितंबर 2025 में दर्ज हुई थी राजेंद्र लोढ़ा समेत कई पर एफआईआर

अमृत विचारः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक राजेंद्र लोढ़ा को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई 85 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। पिछले वर्ष सितंबर में लंबी जांच के बाद लोढ़ा ग्रुप के पूर्व निदेशक व कई अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने प्रॉपर्टी से संबंधित जांच कर रही थी। इस दौरान राजेंद्र लोढ़ा समेत कई आरोपियों को हिरासत में लिया गया था। इसके बाद ईडी ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की है।

ईडी के मुताबिक राजेंद्र लोढ़ा पर कंपनी से जमीन अधिग्रहण के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप है। पुलिस ने इस संबंध में करीब चार दर्जन से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किये। इनमें से सात ने मजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दर्ज करा दिया है। गवाहों में राजेंद्र लोढ़ा का चालक भी शामिल हैं। उनसे बताया था कि नकदी एक आरोपी को ले जाकर दी थी। इसके अलावा फोर्ट व बोरीवली में एक करोड़ रुपये जुटाकर राजेंद्र को दिये थे। जांच में सामने आया कि कंपनी ने जमीन को कम दाम पर राजेंद्र लोढ़ा के बेटे की कंपनी को ट्रांसफर किया था। राजेंद्र के लेन-देन का रिकार्ड कंप्यूटर व मोबाइल में मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि सीसीटीवी फुटेज में राजेंद्र के भाई दीपक लोढ़ा को संदिग्ध बैग घर से बाहर ले जाते देखा गया। बैग से नकद लेनदेन और कंपनी के दस्तावेज थे। ईडी के अधिकारी उनको कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी में है।

एसआईआर | मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा- 3.26 करोड़ मतदाताओं को भेजे गए नोटिस

नो-मैपिंग के 1.04 करोड़, विसंगतियों के 2.22 करोड़ मतदाता चिह्नित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नो-मैपिंग और तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़े पैमाने पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि छह जनवरी को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची के आधार पर कुल 3 करोड़ 26 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं। इनमें से अब तक लगभग एक करोड़ 9 लाख मतदाताओं को नोटिस निर्गत किए जा चुके हैं। 10 दिन में आपत्ति देनी होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण के दौरान नो-मैपिंग से संबंधित 1 करोड़ 04 लाख और तार्किक विसंगतियों से

- दस दिन में आपत्ति का मौका 1.09 करोड़ को भेजे जा चुके हैं नोटिस

संबंधित 2 करोड़ 22 लाख मतदाताओं की पहचान की गई है। इन सभी श्रेणियों में आने वाले मतदाताओं की सूचियां संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को उपलब्ध करा दी गई हैं। साथ ही, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन सूचियों को तहसील, पंचायत भवन, वार्ड कार्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मतदाता इन सूचियों को ऑनलाइन भी देख सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की वेबसाइट के साथ-साथ जनपदवार, विधानसभा-वार और बूथ-वार जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी ये सूचियां उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि किसी भी मतदाता को जानकारी के अभाव में असुविधा न हो। रिणवा ने बताया कि सभी मतदाता सहायता केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों को कार्यदिवस में पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रों पर वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची, 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची, नो-मैपिंग एवं तार्किक विसंगतियों से संबंधित सूचियां, फार्म-6, फार्म-7, फार्म-8 तथा घोषणा-पत्र पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे। जिन मतदाताओं के नाम नो-मैपिंग अथवा तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आए हैं, वे सूची प्रदर्शित होने की तिथि से 10 दिनों के भीतर आपत्तियां व्यक्तिगत रूप से दे सकते हैं।

मंडलायुक्त, डीएम और एसडीएम करेंगे औचक निरीक्षण

सीईओ रिणवा ने शहरी क्षेत्रों में कामकाजी दंपतियों की सुविधा को देखते हुए अवकाश के दिनों में भी सुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मंडलायुक्त (रोल ऑब्जर्वर), जिला निर्वाचन अधिकारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को सुनवाई केंद्रों का औचक निरीक्षण कर समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक सुनवाई केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के दिए निर्देश

नवदीप रिणवा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनवाई से संबंधित सभी अभिलेखों और आपत्तियों का सुरक्षित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सुनवाई केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

विधानसभा में गूंजे एआई व किन्नर कल्याण के मुद्दे

बजट सत्र का चौथा दिन : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बोले, एआई का दुरुपयोग राजनीति के लिए खतरनाक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को विधानसभा में प्रश्नकाल शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। न तो किसी दल ने वॉकआउट किया और न ही कोई सदस्य वेल में आया। कार्यवाही के दौरान किन्नर समुदाय, एआई तकनीक के दुरुपयोग और औद्योगिक निवेश जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

सपा विधायक अतुल प्रधान ने नियम-300 के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एआई एक खतरनाक तकनीक बनती जा रही है और इसके जरिए किसी व्यक्ति की आवाज और चेहरा हूबहू नकल कर गलत संदेश फैलाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने अपने जिले के एसएसपी से शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सपा विधायक के आग्रह पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को मामले का संज्ञान लेने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि एआई का दुरुपयोग खासतौर पर राजनीति में सक्रिय लोगों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा- एआई पर लेंगे विधिक राय

इससे पहले सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि इस विषय पर केंद्र सरकार ने 10 फरवरी 2026 को दिशा-निर्देश जारी किए हैं और उन्हीं के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विधिक राय लेने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किन्नर समुदाय के मुद्दे पर असीम अरुण हुए तल्ख

प्रश्नकाल में सपा विधायक सचिन यादव ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय से जुड़े मुद्दे को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि किन्नर समाज के लोगों को शिक्षा, राशन कार्ड, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी समुचित रूप से नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने ट्रांसजेंडर कल्याण आयोग तो बनाया है, लेकिन उसके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पुरुष हैं, जिससे इस वर्ग को न्याय मिलना कठिन है। जवाब देते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर में यह इस तरह का पहला सवाल है। उन्होंने बताया कि थानों में इस समुदाय के लिए अलग सेल बनाई गई है, किन्नर समाज के लोग आज स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं तथा पहचान सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसजेंडर कार्ड बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधा के तहत आयुष्मान कार्ड भी उन्हें उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा ट्रांसजेंडर महोत्सव आयोजित कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कानून-व्यवस्था को लेकर सपा का परिषद से वॉकआउट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नियम 105 के तहत सपा सदस्यों ने उठाए सवाल सत्तापक्ष के जवाब से असंतुष्ट सदस्यों ने की नारेबाजी**

अमृत विचार : विधान परिषद में बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को कानून-व्यवस्था को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। सपा विधायकों ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा खतरे में है। सत्तापक्ष से मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 2016 और 2025 में अपराधिक आंकड़ों का तुलनात्मक विवरण पेश करना शुरू किया, विरोध करते हुए नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में सपा सदस्यों ने सदन से सामूहिक वॉकआउट कर दिया।

सदन में प्रश्नकाल के बाद नियम-105 अंतर्गत सपा के मुकुल यादव ने प्रदेश की गिरती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाया, सपा के अन्य सदस्यों में आशुतोष सिन्हा ने जौनपुर में दो पुलिस कर्मियों द्वारा मोबाइल चोरी की घटना समेत विभिन्न जिलों में घटित कई अपराधिक घटनाओं से प्रदेश की कानून व्यवस्था को तार-तार दिखाने का प्रयास किया। राज्य सरकार की तरफ से मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि वर्ष 2016 में प्रदेश की हालत किसी से छिपी नहीं है, योगी सरकार में आजमगढ़ से मां-बेटी रात 12 बजे भी सफर कर रही हैं। अब फावड़ा भी चोरी नहीं हो सकता है, जबकि पहले तो ट्रैक्टर उठा लेते थे। वर्ष 2017 के बाद एक भी दंगा नहीं हुआ है, सपा सदस्य किरण पाल कश्यप ने सरकार की बयानबाजी का विरोध करते हुए कहा कि दंगा कराने वाले सरकार चला रहे हैं, हम सपाई दंगा नहीं कराते हैं, नेता विरोधी दल ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के साथ घटित 55292 मामलों को लेकर सरकार जवाब नहीं दे रही है, गुमराह कर रही है और सदन छोड़ दिया।

इसके अलावा 105 अंतर्गत निर्दलीय राज बहादुर सिंह चंदेल ने संविदा शिक्षकों के खाते में सीधे मानदेय देने का मुददा उठाया, सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह के हस्तक्षेप के बाद बेसिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने आश्वासन दिया। शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने 2002 से नियुक्त विषय विशेषज्ञों को पुरानी पेंशन व्यवस्था में शामिल करने का मुद्दा उठाया, मंत्री गुलाब देवी ने आश्वासन दिया।

विधानसभा में मंत्रियों के जवाब...

2017 से पहले अपराध था उद्योग : नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के चौथे दिन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में उद्योग की परिभाषा अपहरण, गुंडा टैक्स और अपराध तक सीमित थी, जबकि आज उद्योग की पहचान निवेश, निर्यात और आर्थिक समृद्धि से होती है। विधायकों के तारांकित प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री नंदी ने कहा कि 2016-17 में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 13 .30 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 30 .25 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस प्रकार जीएसडीपी में 127 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि 2018 से अब तक चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 12 .10 लाख करोड़ रुपये की लागत से 16,478 औद्योगिक इकाइयों की ग्राउंडिंग हुई, जिनमें से 6,352 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

ओडीओपी से 3.16 लाख को रोजगार : सचान

मंत्री राकेश सचान

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू की गई 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना ने प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों और उत्पादकों को नई पहचान दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 1.31 लाख कारीगरों को नि :शुल्क प्रशिक्षण और टूल किट दी गई है। सहारनपुर में 2275 कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया और 454 लाभार्थियों को 16 .26 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी वितरित की गई। मंत्री सचान ने कहा कि वर्ष 2017-18 में प्रदेश का निर्यात 86 हजार करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 1 .86 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत योगदान ओडीओपी और हस्तशिल्प उत्पादों का है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक ओडीओपी योजना के माध्यम से 3 .16 लाख लोगों को रोजगार मिला है और इसकी सफलता को देखते हुए इसे देशभर में लागू किया गया है।

पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहेगा: कश्यप

मंत्री नरेंद्र कश्यप

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा में कहा कि योगी सरकार में पिछड़े वर्ग के एक भी पात्र छात्र-छात्रा को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 2 लाख रुपये है, जिसे सरकार निरंतर लागू रखे हुए है। वर्ष 2023-24 से अब तक एक भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहा है। मंत्री कश्यप ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में विभाग का बजट 1286 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 3500 करोड़ रुपये हो गया है। यह लगभग तीन गुना वृद्धि है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 38 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य रखा गया है और छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने में विश्वास रखती है।

विवि संशोधन विधेयक पुरस्थापित : उपाध्याय

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विधानसभा में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026 और द्वितीय संशोधन विधेयक 2026 को पुरस्थापित किया। सदन ने बहुमत से दोनों विधेयकों को पुरस्थापित करने की अनुमति प्रदान की। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इन संशोधन विधेयकों के माध्यम से विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक और शैक्षणिक ढांचे को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शैक्षणिक अनुशासन, जवाबदेही और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा।

लोकलेखा समिति के तीन प्रतिवेदन विस में पेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कैग की रिपोर्टों में ऑडिट आपत्तियों के आधार पर किए गए तैयार**

अमृत विचार: विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को सदन में लोकलेखा समिति (पीएसी) के तीन प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए। ये प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्टों में दर्ज ऑडिट आपत्तियों के आधार पर तैयार किए गए हैं। लोकलेखा समिति ने संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक धन के उपयोग की गहन समीक्षा के बाद अपनी सिफारिशें सदन के पटल पर रखीं।

सदन में प्रस्तुत पहला प्रतिवेदन कैग की उस रिपोर्ट पर आधारित है, जो 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए थी और जिसमें कृषि विभाग से जुड़ी ऑडिट आपत्तियों का उल्लेख है। समिति ने कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट उपयोग और प्रक्रियागत खामियों पर टिप्पणी करते हुए विभाग से स्पष्ट जवाबदेही तय करने की सिफारिश की है। दूसरा प्रतिवेदन 31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें पंचायती राज विभाग से संबंधित ऑडिट आपत्तियों को शामिल किया गया है। इस प्रतिवेदन में ग्राम पंचायतों से लेकर जिला स्तर तक वित्तीय प्रबंधन, कार्यों के निष्पादन और अभिलेखों के रख-रखाव में पाई गई अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाया गया है। समिति ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की है। तीसरा प्रतिवेदन 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पर आधारित है, जो सामान्य (जनरल एवं सोशल सेक्टर) से संबंधित ऑडिट आपत्तियों पर केंद्रित है।

तेल और गरम तासीर वाले पदार्थों का कम सेवन करे विपक्ष, गुस्सा नहीं आएगा : पाठक

विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री ने सपा नेताओं को लिया आड़े हाथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सदन में बोलते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विधान परिषद में गुरुवार को प्रश्नकाल में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर सपा सदस्यों को जवाब दे रहे थे। उन्होंने नेता विरोधी दल समेत अन्य सदस्यों को तेल और गरम तासीर वाली पदार्थों का कम सेवन की सलाह देते हुए कहा कि इससे गुस्सा जल्दी आता है और शरीर बीमार होता है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रकृति द्वारा शरीर को अनुमन्य भोज्य पदार्थों का ही सेवन करना चाहिए, शारीरिक श्रम जरूर करना चाहिए। कोई काम न हो तो खुद को घर के काम में व्यस्त रखकर स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गंभीर रोगों से ग्रसित रोगियों के लिए लगातार काम कर रही है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा है। हमारे पास गोरखपुर और रायबरेली में दो एम्स हैं, जो रोगियों का गुणवत्तापूर्ण इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानक विहीन चिकित्सालयों के विरुद्ध विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जाती रहती है। वर्तमान में प्रदेश में 16520 चिकित्सक तैनात हैं। नए चिकित्सकों की तैनाती भी की जा रही है।

ब्राह्मणों के सम्मान को लेकर उठाए सवाल

अमृत विचार : विधान परिषद में सपा सदस्यों ने पीडीए के साथ ही ब्राह्मण कार्ड भी खेला, प्रश्नकाल में सपा के मुकुल यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को स्नान करने से रोके जाने का मुद्दा उठाया, उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई का वाचन करते हुए कहा कि शिखा काटना ही ब्राम्हण की मृत्यु समान होता है। प्रदेश में आराजकता का माहौल है, इस पर सत्तापक्ष कहा कि 2015 में सपा सरकार ने उन पर लाठीचार्ज करवाया था।

इलाज डॉक्टरों से मिलता है इमारत से नहीं : विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा पर जमकर बरसे। सपा सरकार के कामकाज को कुकर्म बताते हुए गाय-पड़वा की एक देशी कहानी सुनाकर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि सपा ने मेट्रो ही नहीं, अस्पतालों की इमारतें बनवाईं, मगर डॉक्टर की व्यवस्था नहीं की, उनका चलाने का कोई इरादा नहीं था, सिर्फ ठेकेदारी व लूट का खेल खेला गया। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल में सपा के आशुतोष सिन्हा के कन्नौज मेडिकल कॉलेज में हृदय और कैंसर हास्पिटल में पद व उपलब्ध इलाज के मुद्दे पर जवाब दे रहे थे, उन्होंने कहा कि सिर्फ बिल्डिंग से अस्पताल नहीं चलता। बिल्डिंग बनाकर छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि अभी सहायक शिक्षकों की संख्या पर्याप्त है, चार साल की सेवाएं देने के बाद ये प्रमोशन के बाद असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर बन जाएंगे, शिक्षकों की कमी दूर हो जाएगी।

एएम ग्रुप और इन्वेस्ट यूपी के बीच एमओयू

289 एकड़ में कार्बन-फ्री डेटा सेंटर, 2030 तक एक गीगावॉट क्षमता से संचालन का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एएम ग्रुप के प्रतिनिधियों को लेटर ऑफ इंटेंट सौंपते यीडा के सीईओ। अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश को देश का अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल हुई है। राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी और एएम ग्रुप के बीच एक गीगावॉट हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूट (एचपीसी) एवं एआई हब की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने एएम ग्रुप के प्रतिनिधियों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंपा। यीडा द्वारा सेक्टर-28 में 114 एकड़ और सेक्टर-8डी में 175 एकड़, कुल 289 एकड़ भूमि के लिए एलओआई जारी किया गया है। इस भूमि पर अत्याधुनिक, वैश्विक मानकों वाला एआई एवं हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग हब विकसित किया जाएगा। परियोजना यीडा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से स्थापित की जाएगी, जिसमें लगभग 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का प्रस्ताव है।

परियोजना के तहत लगभग पांच लाख हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स से युक्त डेटा सेंटर विकसित किया जाएगा, जो 24×7 कार्बन-फ्री ऊर्जा पर आधारित होगा। इसके लिए पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पम्प्ड स्टोरेज जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा। पहले चरण का संचालन वर्ष 2028 तक शुरू करने का लक्ष्य है, जबकि वर्ष 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता प्राप्त करने की योजना है।

पर्यटन विकास पारदर्शिता के साथ होगा: जयवीर

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के चौथे दिन विधान परिषद में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेश में पर्यटन विकास को लेकर सरकार की नीति और प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों का विकास निर्धारित गाइडलाइन, बजट की उपलब्धता और निर्विवाद, निःशुल्क भूमि की शर्तों के आधार पर ही किया जाता है। मंत्री ने ललितपुर, सीतापुर, झांसी और मिर्जापुर के धार्मिक एवं आस्था केंद्रों के संबंध में बताया कि बुनियादी पर्यटक सुविधाएं- जैसे शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साइनेज ही पर्यटन विभाग के दायरे में आती हैं, जबकि जीर्णोद्धार एवं संरचनात्मक कार्य वर्तमान गाइडलाइन्स में अनुमन्य नहीं हैं।

ब्रह्मोस के संग 'हार्ड पावर' विजन का संदेश

- **मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बदली कवर इमेज**

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 'नए यूपी' की बढ़ती ताकत का संकेत दिया। बजट 2026-27 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कवर इमेज बदल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस संग अपनी फोटो लगाकर 'हार्ड पावर' विजन का संदेश दिया। सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री का यह संदेश बताता है कि लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण के जरिए उत्तर प्रदेश एक तरफ रक्षा उत्पादन का उभरता वैश्विक हब हो गया है।

श्रृंगवेरपुर को मिलेगा अयोध्या जैसा वैभव

अमृत विचार, लखनऊ : रामनगरी अयोध्या की तर्ज पर निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भव्य और आकर्षक रूप दिया जा रहा है। प्रयागराज जिले के इस ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल पर निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण तेज गति से जारी है। उप्र. संस्कृति विभाग की इस परियोजना की लागत 19.61 करोड़ रुपये है और लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना में लगभग 400 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम भी है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऑडिटोरियम में स्टेप स्लैब का काम प्रगति पर है और ब्रिकवर्क पूरा हो चुका है। साथ ही पूरे परिसर में आर्किटेक्चरल व स्ट्रक्चरल कार्य, विद्युत और आंतरिक जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

नए बिजली कनेक्शन पर वसूले गए 6016 रुपये समायोजित हों

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने नए बिजली कनेक्शनों पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर की गई 6016 प्रति उपभोक्ता की अतिरिक्त वसूली के समायोजन और अविकसित कॉलोनियों में बिजली कनेक्शन संबंधी नियमों में संशोधन की मांग उठाई है। यह प्रस्ताव परिषद के अध्यक्ष एवं सप्लाई को रिव्यू पैनल सब कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात कर दिया है। परिषद के अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि 31 दिसंबर से प्रदेश में नई कॉस्ट डाटा बुक लागू की गई है, लेकिन उससे पूर्व बिना आयोग की अनुमति के स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर प्रति उपभोक्ता 6016 की वसूली की गई।

पायलट प्रोजेक्ट | लाभार्थियों को नहीं भरना होगा फार्म, पोर्टल कर लेगा ट्रेस

फैमिली आईडी से ऑटोमेटिक बनेगी वृद्धा पेंशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **गोरखपुर, कन्नौज, हरदोई ललितपुर व गाजियाबाद में शुरू होगी व्यवस्था**

अमृत विचार : नियोजन विभाग की तरफ से चल रहा अभियान ''एक परिवार एक पहचान'' के तहत फैमिली आईडी बनवाने वाले बुजुर्ग लाभार्थियों को वृद्धा पेंशन के लिए न कोई आवेदन करना होगा, न ही कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे। बल्कि उनकी फैमिली आईडी से उम्र और आय के आधार पर ऑटोमेटिक वृद्धा पेंशन का फार्म भर जाएगा। सिर्फ लाभार्थी की सहमति लेकर उसकी बायोमेट्रिक कराकर पेंशन स्वीकृत कर दी जाएगी।

समाज कल्याण विभाग ये नई व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गोरखपुर, कन्नौज, हरदोई, ललितपुर व गाजियाबाद में शुरू करेगा। इन जिलों में एनआईसी पोर्टल विकसित कर रहा है। नये पोर्टल पर समाज कल्याण विभाग और साथ फैमिली आईडी का विवरण लिंक होगा। यदि फैमिली आईडी में 60 वर्ष से ऊपर का कोई लाभार्थी पेंशन योजना से वंचित होगा तो उसका विवरण समाज कल्याण विभाग से ट्रेस होकर ऑटोमेटिक फार्म भर जाएगा। इसके अलावा जो पहले से पेंशन पा रहे या अपात्र हैं, उन्हें लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही डुप्लीकेसी रुकेगी। इससे बिना भागदौड़ और आसानी से घर बैठे बुजुर्गों की पेंशन बनेगी। आगे अन्य योजनाओं में फैमिली आईडी से चयन होगा। अभियान के तहत केंद्र व राज्य के 32 विभागों की 98 महत्वपूर्ण योजनाएं फैमिली आईडी के डाटाबेस के साथ इंटीग्रेट हो चुकी हैं।

एक नजर में आंकड़े

- प्रदेश में पेंशनर - 65 .50 लाख
- फैमिली आईडी से सृजित 4 करोड़ परिवार
- फैमिली आईडी सृजित 15 .62 करोड़ व्यक्ति

पोर्टल आय और उम्र से करेगा ट्रेस व बायोमेट्रिक

अब आय समेत अन्य प्रमाण पत्र आधार प्रमाणिक बनते हैं। इस आधार पर नया पोर्टल फैमिली आईडी के पेंशन से वंचित लाभार्थियों की उम्र और आय ट्रेस करके उनका ऑटोमेटिक फार्म भरेगा। इसके बाद लाभार्थी की सहमति लेकर उसका बायोमेट्रिक कराया जाएगा। इससे पात्रता संबंधित पूरी जांच भी हो जाएगी। इस योजना का मकसद जरूरतमंदों का बिना दौड़भाग के ऑटोमेटिक पेंशन का फार्म भरकर लाभान्वित करना है।

भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ खेती-मज़दूरी ही नहीं, बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोज़गार के खिलाफ है। अब भाजपा के वो संगी-साथी कहां भूमिगत हो गये हैं, जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता की जगह भाजपाइयों को 'परनिर्भरता' का नारा अपना लेना चाहिए। सपा प्रमुख ने गुरुवार को कहा कि भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। इससे खेती किसानी और किसानों का बड़े पैमाने पर नुकसान होगा।

छूटे तीन करोड़ बच्चों को आज खिलाई जाएगी दवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का मॉपअप राउंड आज**

अमृत विचार: राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर प्रदेश में 6.7 करोड़ बच्चों ने पेट के कीड़ों से बचाव की दवा एल्बेंडाजाल खाई। छूट गए बच्चों के लिए शुक्रवार को मापअप राउंड चलाया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट में कीड़े रहने से बच्चे कुपोषित हो जाते हैं। इसलिए बचे सभी 1 से 19 साल आयु के बच्चे शुक्रवार को दवा का सेवन जरूर करें।

एसजीपीजीआई की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ पियाली भट्टाचार्य के अनुसार बच्चों के पेट में कीड़े होने पर वे आंतों में खून चूसते हैं। एल्बेंडाजाल सीधे कीड़े को मारने का काम करती है। दवा खाने के बाद पेट में मौजूद कीड़े मचलते हैं। इससे उल्टी, पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इन दुष्प्रभावों को घर पर रहकर की ठीक किया जा सकता है। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सतीश कुमार गौतम ने गुरुवार को बताया कि एल्बेंडाजाल सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से खिलाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसों में तीन लोग घायल

रसूलाबाद। अलग-अलग स्थानों में हुए सड़क हादसों में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पूरा कला औरैया निवासी योगेश का बेटा हर्ष 17 वर्ष व बाघपुर बैरी निवासी स्वातीपाल 22 वर्ष पत्नी अनुज तथा फतवापुर बेला निवासी संजू 20 वर्ष थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों में हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

शिवली। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बैरीसाल गांव निवासी अमित कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह बीते बुधवार को शिवली कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति से अपना बकाया पैसा लेने के लिए कोतवाली क्षेत्र के ही बखरिया गांव जा रहा था। रास्ते में सीएचसी के पास शिवली कोतवाली क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी पूती ने पुराने लेनदेन के चक्कर में रोक लिया और गाली गलौज करने लगा। विरोध किया तो उसके साथ मारपीट कर दी। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज की।

अवैध खनन करने पर तीन डंपर सीज

कानपुर देहात। जिला खनन अधिकारी ने बताया कि खनिज अनुभाग जनपद कानपुर देहात द्वारा तहसील अकबरपुर के अन्तर्गत ईंट-भट्टा फर्म द्वारा स्वीकृत मात्रा से अधिक मिट्टी की निकासी करने पर तीन डंपरों को सीज किया गया है। इसके साथ 75 हजार रुपये आरोपित कर राजकोष में जमा कराया गया।

अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा

कानपुर देहात। जन्म और मृत्यु जीवन की सत्य-अटल प्रक्रिया है, लेकिन कुछ लोग मृत्यु के बाद भी अपने विचारों के लिए याद किए जाते रहते हैं। हम उनकी यादों को हमेशा संजोकर रखेंगे। यह बात एडवोकेट मुलायम सिंह यादव, अध्यक्ष जिला बार एसोसिएशन ने जनपद न्यायालय परिसर झंडा पार्क में अधिवक्ता प्रमोद सक्सेना के आकस्मिक निधन एवं जनपद रामपुर के अधिवक्ता फारूक अहमद खान की गोली मारकर हत्या पर आयोजित शोक सभा में कही। शोक सभा में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। शोक सभा का संचालन महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर ने किया।

ससुराल जा रही महिला बाइक से गिरकर जख्मी

रसूलाबाद : गुरुवार को भाई के साथ ससुराल जा रही महिला बाइक गिर जाने से घायल हो गई। बैरी बाघपुर शिवली निवासी मोहित कुमार की बहन स्वाति पाल 22 वर्ष फूलपुर बिधूना औरैया निवासी अनुज पाल के साथ ब्याही है। गुरुवार को मोहित उसे उसकी ससुराल बाइक से भेजने जा रहा था। रसूलाबाद में पेट्रोल पंप के निकट बाइक फिसलने से उसकी बहन गिरकर घायल हो गई। उसे सीएचसी रसूलाबाद लाया गया। जहां डॉक्टर प्रणय वीर कुशवाहा ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर दशा के चलते हैं उसे हैलट कानपुर रेफर किया है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

निस्तारण के बाद जरूर लें शिकायतकर्ता का फीडबैक

आईजीआरएस, तहसील दिवस और जनप्रतिनिधियों के मामलों का हो त्वरित निस्तारण

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में डीएम ने अफसरों के साथ की बैठक। अमृत विचार

अमृत विचारः गुरुवार को देर शाम कलेक्ट्रेट में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की। बैठक में स्टांप, आबकारी, वाणिज्यकर, परिवहन, विद्युत, वन, खनिज तथा बाट-माप सहित विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा हुई। जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को राजस्व वसूली के वार्षिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति हेतु प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने को कहा।

जिलाधिकारी ने बड़े बकायेदारों के विरुद्ध तहसीलवार सघन एवं प्रभावी कार्रवाई करने तथा लंबित राजस्व वादों, स्टाम्प वादों, ऑडिट आपत्तियों एवं बेदखली वादों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली एवं वाद निस्तारण में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में एंटी भू-माफिया अभियान के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने शासन के मंशानुरूप आईजीआरएस, तहसील दिवस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तथा माननीय जनप्रतिनिधियों के संदर्भों से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के दौरान शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से संपर्क स्थापित किया जाए तथा फीडबैक प्राप्त किया जाए, जिससे निस्तारण की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को प्रत्येक कार्यदिवस प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों द्वारा आमजन से मधुर व्यवहार किया जाए तथा उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही तहसील परिसरों में साफ-सफाई, अभिलेखों और पत्रावलियों के समुचित रख-रखाव एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिग्विजय सिंह, आईजी स्टांप सहित परिवहन, विद्युत, वाणिज्यकर, आबकारी विभागों के अधिकारीगण, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

कंचौसी में शराब की दुकान पर टीम का छापा, मिलावटी शराब बरामद

संवाददाता, मंगलपुर

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

अमृत विचारः आबकारी विभाग की टीम ने कंचौसी कस्बे में कंपोजिट शॉप में छापेमारी की। बिना क्यूआर 17 बोतल अपमिश्रित शराब व 5 लीटर अवैध शराब बरामद हुई। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे प्रकरण में अनुज्ञापी की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 डेरापुर निशा सिंह ने बताया कि वह टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील थीं। इस बीच प्रवर्तन-2 कानपुर के आबकारी निरीक्षक अरुण कुमार यादव से संपर्क हुआ। इस दौरान सूचना मिली कि कंपोजिट शॉप कंचौसी पर अवैध मिलावटी व अपमिश्रित शराब बेची जा रही है। सूचना पर विश्वास कर टीम ने तत्काल दुकान पर छापेमारी की। दुकान पर पहुंचकर अधिकारियों ने अपना परिचय देते हुए लाइसेंस व अभिलेखों की जांच की। मौके पर मौजूद व्यक्तियों ने अपने नाम साहिल तोमर पुत्र मुनेश तोमर निवासी कल्याणपुर विधूना, जनपद औरैया तथा नीलेश यादव पुत्र ब्रह्मपाल सिंह यादव निवासी नगला वाले अहरवा कटरा, औरैया बताए। दोनों ने स्वयं को अधिकृत विक्रेता न बताते हुए अनुज्ञापी के बाहर होने की जानकारी दी। तलाशी के दौरान वैध स्टॉक के बीच बिना क्यूआर कोड लगी विभिन्न ब्रांड की कुल 17 बोतल अपमिश्रित शराब बरामद की गई।

इनमें मैकडॉवेल नंबर 1, रॉयल स्टैग, आइकोनिक व्हाइट, इम्पीरियल ब्लू व ब्लेंडर्स प्राइड जैसे ब्रांड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चार प्लास्टिक बोतलों में लगभग पांच लीटर अवैध अपमिश्रित शराब भी बरामद हुई। मौके से सिरिंज, ढक्कन व अन्य मिलावट संबंधी उपकरण भी जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपी साहिल तोमर ने स्वीकार किया कि अनुज्ञापी लखपत सिंह निवासी हिसांवां संदलपुर की सहमति से अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से यह कार्य किया जाता था और मुनाफे में हिस्सेदारी होती थी। बरामद माल के नमूने नियमानुसार सील की गई। कार्रवाई के दौरान दुकान पर उपलब्ध वैध स्टॉक को भी जांच के लिए सील कर एफएल-2 गोदाम में जमा कराया गया। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु थाना मंगलपुर को सुपुर्द किया गया है।

वृद्धा की संदेह जनक हालात में मौत, पुलिस करेगी जांच

रसूलाबाद : गुरुवार को समायूं निवासी एक 80 वर्षीय वृद्धा की हालत बिगड़ने पर उसके स्वजन सीएचसी रसूलाबाद लाए जहां डॉक्टर ने उसे मृत बताया। डॉक्टर ने उसके जहर खाकर मरने की सूचना मेमो से पुलिस को दी है। वृद्धा के परिजन उसके शव को अपने घर ले गए। तब पुलिस ने मौके पर नार खुर्द चौकी प्रभारी को मौके पर भेजा है।

समायूं निवासी प्रहलाद सिंह राठौर ने सीएचसी में मौजूद डॉक्टर को बताया कि बिट्टन देवी 80 पत्नी स्वर्गीय दयाराम राठौर उच्च रक्तचाप की रोगी थी। हालत बिगड़ने पर वह उन्हें यहां लाया है। मौके पर मौजूद डॉक्टर प्रणय वीर कुशवाहा ने उन्हें मृत बताया और जहर खाकर मरने की बात बताई। इस पर मृतका के स्वजन उसे तत्काल अपने घर समायूं में ले गए। तब डॉक्टर प्रणय वीर कुशवाहा ने मेमो से इसकी सूचना पुलिस को भेजी है। वृद्धा की मृत्यु पर घर में रह रहे पौत्र मनीष, ऋषभ व प्रिंस का रो रो कर बुरा हाल है। मृतका का बड़ा पुत्र रामबली मुंबई में रहता है उसे सूचना दी गई है। उनका दूसरा पुत्र राम लखन उर्फ नन्हे गत हो चुका है। उनकी विधवा पत्नी सोनी दिल्ली में काम करती है। सोनी के तीनों पुत्र मनीष, ऋषभ और प्रिंस यहीं पर थे। वह खेतों से चारा लेने गए थे। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आए युवक की मौत

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक रेलगाड़ी की चपेट में आकर अज्ञात युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और शव के शिनाख्त में जुट गई है। हादसा थाना क्षेत्र के बैजूपुरवा अंडरपास के खंबा नंबर 1059/12ए के पास रेलवे डाउन लाइन के किनारे हुआ। यहां रेलगाड़ी की चपेट में आकर 38 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। मृतक ने नीले व काले रंग की जैकेट, हॉफ नीली टीशर्ट व आर्मी कलर की लोवर पहन रखी है। दाहिने हाथ की कलाई पर काले रंग से अंग्रेजी में रपाली गुदा हुआ है।

रिक्रूट आरक्षियों के साथ एसपी ने किया संवाद

सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

पुलिस लाइन में गुरुवार को आयोजित सम्मेलन में पहुंचीं एसपी। अमृत विचार

अमृत विचारः गुरुवार को माती स्थित रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों का सम्मेलन आयोजित हुआ। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय और एएसपी राजेश पांडेय भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों की समस्याएं सुनीं और उनका मार्गदर्शन दिया।

प्रशिक्षणरत युवा आरक्षियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों को सुनना तथा प्रशिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सम्मेलन हुआ। इसमें एसपी ने व्यावहारिक चुनौतियों, अपेक्षाओं, मिल रहे मार्गदर्शन, शारीरिक प्रशिक्षण, आधुनिक पुलिसिंग तकनीकों की शिक्षा तथा सामूहिक जीवन से प्राप्त अनुभवों को सकारात्मक रूप से रेखांकित किया। साथ ही, कुछ व्यवस्थागत सुधारों पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षुओं की बातों को सुना तथा प्रत्येक समस्या एवं सुझाव पर गंभीरता से विचार किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण एवं आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए।

प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण काल में अर्जित ज्ञान, कौशल, अनुशासन तथा मूल्य उनके संपूर्ण पुलिस सेवा जीवन का मजबूत आधार बनेंगे। उन्होंने उच्चाधिकारियों के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने, कानून के प्रति अटूट निष्ठा रखने तथा जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहने की शिक्षा दी। साथ ही, प्रशिक्षण अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए कि वे रिक्रूट आरक्षियों के अनुभवों एवं सुझावों को अत्यंत गंभीरता से लें तथा प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी, अनुकूल एवं व्यावहारिक बनाने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

जन सुनवाई कर डीएम ने जारी किए निर्देश

कानपुर देहात। गुरुवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्रत्येक प्रकरण के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर प्राप्त किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।

सड़क निर्माण के साथ ही शुरू हो गई कटान, बड़े हादसे का अंदेशा

संवाददाता, मंगलपुर

सड़क किनारे हुई कटान से दुर्घटना का खतरा।

- मंगलपुर कस्बे के तिराहे से लाडपुर छिवना तक डबल लेन सड़क का निर्माण हुआ

अमृत विचारः मंगलपुर कस्बे के तिराहे से लाडपुर छिवना तक डबल लेन सड़क का निर्माण किया किया गया है। हालांकि अभी कार्य पूरा नहीं है लेकिन मंगलपुर कस्बे के मंदिर के पीछे तालाब के पास सीसी सड़क के नीचे कटान बढ़ती जा रही है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

मंगलपुर कस्बे के तिराहे से पुरानी बाजार होकर डबल लेन की सड़क का निर्माण किया गया है जिसका निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है। अभी कई जगह पर कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। वहीं अभी मंगलपुर में सड़क के किनारे नाले का भी निर्माण नहीं हो पाया है। मंगलपुर कस्बे में भगवान चतुर्भुज बाबा मंदिर के पीछे तालाब के पास पहले भी सड़क पर जल भराव होता रहा है जिसके चलते सड़क के किनारे कटान होती रही है और वहां सड़क सकरी थी। सड़क निर्माण के समय मिट्टी से भराव करने के बाद सीसी सड़क डाली गई थी अभी सड़क का पूरा निर्माण भी नहीं हो पाया है अभी मंदिर के पीछे सड़क के नीचे एक जगह पर कटान है वह कटान बढ़ती जा रही है। इस मार्ग से चार पहिया वाहन निकलते रहते हैं।

सड़क से लोडेड ट्रक आदि भी निकलते है। कहा जा रहा कि अगर किसी समय चार पहिया लोडेड वाहन किनारे आ गया तो वहां सड़क नीचे बैठ सकती है जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क कुछ समय पहले बनी है लेकिन तालाब के पास सड़क के नीचे तक कटान है अगर कभी लोड वाहन किनारे से निकला तो हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने सड़क के नीचे हो रही कटान को सही करवाने की मांग की है।

नुक्कड़ नाटक के जरिए किया गया जागरूक

कानपुर देहात। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना में जनपद के कम सीएसआर वाले विकासखण्ड अमरौधा में नुक्कड़ नाटक टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत कमालपुर,कल्ला एवं नगीना बांगर, में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद के कम बाल लिगानुपात वाले विकासखंड में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गिरते लैंगिक अनुपात में सुधार लाना, बालिकाओं की शिक्षा एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करना, कल्याणकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में सुधार, आर्थिक क्षेत्रों में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु प्रचार-प्रसार किया गया साथ ही यह भी बताया कि घटता लिंगानुपात महिलाओं के बुनियादी अधिकारों एवं संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है। नुक्कड़ नाटक मे जिला प्रोबेशन कार्यालय से महेन्द्र श्रीवास्तव ने महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

परखी व्यवस्था | भोगनीपुर कोतवाली की अमरौधा चौकी पहुंचीं एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय

एसपी ने निरीक्षण के बाद की पैदल गश्त

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

भ्रमण के दौरान श्री कालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचीं एसपी। अमृत विचार

- चौकी की आधारभूत व्यवस्थाओं रिकॉर्ड संधारण, समयबद्ध निस्तारण की जानकारी ली

अमृत विचारः एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बीती रात थाना भोगनीपुर की पुलिस चौकी अमरौधा का औचक निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही कहा कि अपराधों पर नियंत्रण के लिए मुखबिर तंत्र और मजबूत करें।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने चौकी पर तैनात कर्मियों से सीधा संवाद स्थापित किया। उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों, चुनौतियों एवं दैनिक प्रक्रियाओं की समीक्षा की। इसके साथ चौकी की आधारभूत व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड संधारण, शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण तथा सामान्य जनता के साथ संवाद व व्यवहार के तौर-तरीकों का विस्तार से अवलोकन किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने चौकी कर्मियों को निर्देशित किया कि वह कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनसामान्य की समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील व तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि पुलिस चौकी नागरिकों के प्रति सेवाभाव व सहयोग की पहली पाठशाला है। इस लिए कार्यरत कर्मियों को जनोपयोगी, पारदर्शी और सुलभ सेवा प्रदान करनी चाहिए। स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

पुलिस चौकी के मुआयने के बाद एसपी ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर क्षेत्र में पैदल गश्त कर आम जनमानस को सुरक्षा का संदेश दिया। नागरिकों की सुरक्षा एवं उनके साथ सीधे संवाद को गति देने और आगामी त्योहारों, महाशिवरात्रि व रमजान के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक कस्बा अमरौधा में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त (फुट पैट्रोलिंग) की। उन्होंने आगामी महाशिवरात्रि के दृष्टिगत कस्बा अमरौधा में स्थित श्री कालेश्वर महादेव मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। एसपी ने जनता का आह्वान किया कि वह सतर्कता बनाए रखने एवं कानून-व्यवस्था में सहयोग करें। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक के साथ-साथ प्रभारी निरीक्षक भोगनीपुर, सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

युवती ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

रसूलाबादः थाना क्षेत्र के एक गांव की एक युवती ने गांव के ही कमलेश उर्फ बिल्ले पुत्र रामआसरे और उसके चाचा पप्पू उर्फ प्रदीप के खिलाफ छेड़खानी व जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दर्ज की।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि गत आठ फरवरी को दोपहर में वह अकेले घर में स्नान कर रही थी। तभी कमलेश उर्फ बिल्ले घर में घुस आया और अपशब्दों का प्रयोग करते हुए छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि जब इस घटना की जानकारी आरोपी के चाचा पप्पू उर्फ प्रदीप को दी गई तो उन्होंने भी अपशब्दों का सहारा लेते हुए कहा कि उनका भतीजा इसी तरह परेशान करता रहेगा। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और अक्सर महिलाओं से छेड़खानी करते हैं। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदारों के अतिक्रमण के कारण अक्सर जाम के हालात

संवाददाता, मूसानगर

अमृत विचारः मूसानगर कस्बे के मेन बाजार मार्ग पर कुछ दुकानदारों द्वारा रोड तक किए अतिक्रमण के कारण अक्सर जाम लगता है। जाम के कारण दिन भर मार्ग पर वाहन रेंगते रहते है। लोगों का पैदल चलना दूभर है। राहगीर परेशान हैं। लोगों ने प्रशासन से इस तरफ जल्द ध्यान दिए जाने की मांग की है।

मेन बाजार मार्ग पर दुकानदारों के अतिक्रमण व मुगल मार्ग पर वाहनों व ठेलों ठिलियों के अराजकतापूर्ण बीच मार्ग तक खड़े रहने से मार्ग की स्थिति दयनीय बनी हुई है। लोगों का पैदल चलना दूभर है। वही नगर पंचायत द्वारा अतिक्रमण को लेकर चेतावनी के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है जब कि नगर पंचायत अधिकारी जल्द कार्रवाई का अभी भी दावा कर रहे हैं। इलाकाई लोगों ने बताया कि मूसानगर कस्बे के मुगलमार्ग गजनेर चौराहे पर डग्गामार वाहनों का जमावड़ा रहता है। वहीं मेन बाजार मार्ग मोड़ पर ठिलियों की अराजकतापूर्ण खड़े रहने से जाम लगता है। कस्बे के मेन बाजार मार्ग पर दुकानदारों के रोड तक फैले अतिक्रमण के कारण दो पहिया वाहनों का निकलना दूभर है। दुकान के बाद नाली व उसके बाद फुटपाथ तक सामान फैलाए दुकानदारों की हठधर्मिता से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र के आशाराम हरिकिशन विद्यादीन, राधेश्याम, लल्लू, कृष्ण कुमार जयकिशन मो. आरिफ जाकिर आदि ग्रामीणों ने बताया कि मेन बाजार मोड़ से मेन बाजार तक दुकानदारों ने फुटपाथ तक अवैध कब्जा कर रखा है। मार्ग तक सामान फैलाकर अतिक्रमण कर दुकानदार ग्राहकों के निकलने में समस्या पैदा कर रहे है। नाली के ऊपर स्थाई व अस्थाई कब्जा करने से रोड़ से लोगों का निकलना दूभर है।

22 फरवरी को ईको पार्क में होगा मेगा शिविर का आयोजन

कानपुर देहात। विधिक सेवा प्राधिकरण का विधिक साक्षरता मेगा शिविर 22 फरवरी को इको पार्क के सामुदायिक भवन में होगा। इसके प्रचार प्रसार हेतु कचहरी परिसर से प्रचार वाहन निकला। जनपद न्यायाधीश रविंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। उन्होंने कहा कि ईको पार्क में बने हुए सामुदायिक भवन में आयोजित होने वाले मेगा शिविर के संदर्भ में आम जनमानस को जानकारी देकर उपरोक्त मेगा शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भाग लेने के लिए जनपद के आम नागरिकों को प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद न्यायाधीश रविंद्र सिंह के अलावा अपर जिला जज प्रथम-नोडल अधिकारी, रजत सिन्हा, अपर जिला जज द्वितीय शैलेंद्र निगम, मानश्री कल्पना, अपर जिला जज-15 पास्को एक्ट सुरेंद्र सिंह, अपर जिला जज एफटीसी प्रथम हिमांशु कुमार सिंह आदि रहे।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

महायज्ञ में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

हमीरपुर। बिष्णु महायज्ञ के पांचवें दिन यज्ञ वेदी की परिक्रमा करने महिलाओं की भीड़ उमड़ी। वहीं भागवताचार्य ने माखन चोरी का वर्णन किया। महर्षि दयालदास बाबा मंदिर परिसर में यज्ञ वेदी की परिक्रमा करने महिलाएं आईं। वेदी की परिक्रमा कर प्रसाद चढ़ाकर मिन्नत आरजू की। भागवताचार्य देवी प्रत्यार्चा ने बताया कि भगवान कृष्ण बहुत चंचल स्वभाव के थे अपने मित्रों की टोली के साथ घर घर जाकर माखन चोरी कर अपने मित्रों को खिलाया करते थे। माखन दिनों दिन गायब होता देख गोपियों ने एक दिन पूरी टोली को पकड़ लिया। तभी से लोग प्रभु को माखन चोर कहकर पुकारने लगे। भागवत कथा सुनने के लिए लोगों की भीड़ एकत्र रही।

प्रशिक्षण देकर हज यात्रियों का किया गया टीकाकरण

हमीरपुर। हज 2026 यात्रा पर जाने वाले हज यात्रियों का टीकाकरण एवं प्रशिक्षण आयोजित हुआ। कस्बे के मदरसा यादगार मोहम्मदी हुसैनी में सुबह 8 से शाम 5 बजे तक जनपद के कुल 37 हज यात्रियों का टीकाकरण एवं प्रशिक्षण हुआ। जिला हज ट्रेनर हाजी जहांगीर मोहम्मद ने बताया कि टीकाकरण को लेकर सीएचसी के डाक्टरों के पैनल ने टीकाकरण किया। वहीं बांदा से आए हाजी आरिफ खान और जिला हज ट्रेनर ने प्रशिक्षण दिया। जिसमें कुल 37 में 35 हाजी उपस्थित हुए। इस दौरान मास्टर नसीम आलम, मुफ्ती सलमान मिस्बाही एवं सीएचसी अधीक्षक डॉ रजत रंजन तिवारी, डॉ अलीम खान, डॉ शानिब शाहिद उपस्थित रहे।

सास के साथ मारपीट कर बहू फरार

हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा खेड़ा गांव में एक महिला ने अपनी सास के साथ गाली गलौज कर मारपीट की और घर से जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गई। लापता हुई महिला के पति ने कोतवाली में तहरीर दी है। कस्बा खेड़ा निवासी करन ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि मंगलवार दोपहर उसकी पत्नी ने उसकी गैर मौजूदगी में मां के साथ गाली गलौज कर पिटाई कर दी। घर में रखे जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गई है। उसे सभी संभावित स्थानों पर खोजने का प्रयास किया लेकिन पता नहीं चल रहा है। इस मामले में कोतवाल ने बताया कि जांच कराई जायेगी।

हिन्दू समाज को एकजुट होकर सनातन संस्कृति बढ़ाने की आवश्यकता

मौदहा (हमीरपुर)। हिन्दू जगेगा, देश जगेगा को लेकर संघ की शताब्दी वर्ष नगर की दुर्गा बस्ती में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन बड़ी देवी मंदिर प्रांगण में हुआ। अध्यक्ष चित्रकूट के महन्त रामहृदय दास महाराज एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत प्रचारक मुकेश रहे। भजन मंडली ने आकर्षक भजन व सरस्वती विद्या मंदिर के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बड़ी संख्या में मातृशक्ति द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य वक्ता सह प्रांत प्रचारक मुकेश ने कहा कि हिन्दू समाज को एकजुट होकर सनातन संस्कृति को बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है। कहा सनातन संस्कृति ही हमारे देश की मूल संस्कृति है। संचालन स्तुति सिंह ने किया। अध्यक्ष महंत रामहृदय दास महाराज ने हिन्दू समाज को एकजुट होकर रहने का आह्वान किया। समापन भारत माता की आरती के साथ हुआ। इस मौके पर अनिल द्विवेदी, बसन्त सोनी, मेजर परशुराम श्रीवास, मातृशक्ति शकुंतला निषाद, साधना सिंह सहित हजारों लोग रहे।

किसानों को वितरित किए सोलर लाइट व येलो स्ट्रीकी ट्रैप

मौदहा (हमीरपुर)। खेती की लागत कम करने और रसायनों के घातक प्रभाव से फसलों को बचाने की दिशा में कृषि विभाग ने एक सराहनीय कदम उठाया है। गुरुवार को राजकीय कृषि बीज भंडार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को सोलर लाइट ट्रैप और येलो स्ट्रीकी ट्रैप वितरित किए गए। इन उपकरणों की मुख्य विशेषता यह है कि ये बिना किसी जहरीले कीटनाशक के इस्तेमाल के फसलों को कीटों से सुरक्षित रखते हैं। यह तकनीक न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि किसानों को रसायन मुक्त उत्पादन प्राप्त करने में भी मदद करती है। बताया खेत में लगाने से जैविक खेती करने का बढ़ावा मिलेगा।

नमस्ते इंडिया के नाम से बिकने वाला106 पैकेट नकली घी बरामद

चौबेपुर में घनश्यामपुर गांव स्थित दुकान पर बिक रहा था नकली देसी घी

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के घनश्यामपुर गांव स्थित एक दुकान में नमस्ते इंडिया के नाम से नकली देसी घी बिक्री किये जाने की शिकायत पर गुरुवार को पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने दुकान में छापेमारी की। इस दौरान दुकान से विभिन्न माप के 106 नकली देसी घी के पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने दुकानदार के विरुद्ध कॉपीराइट एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

एनआईएफ प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, कानपुर के जनरल मैनेजर मनोज कुमार सिंह ने गत दिवस पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उनकी कंपनी नमस्ते इंडिया के नाम से देसी घी, दूध व पनीर का निर्माण कर बिक्री करती है। नमस्ते इंडिया ब्रांड भारत सरकार द्वारा पंजीकृत है। मनोज कुमार के अनुसार पिछले कई दिनों से उन्हें सूचना मिल रही थी कि चौबेपुर के बंदी माता रोड घनश्यामपुर गांव स्थित सांवरिया किराना एवं जनरल स्टोर में उनकी कंपनी के नाम से नकली देसी घी की बिक्री की जा रही है। इस पर पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने गुरुवार को उक्त दुकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दुकान से 180 मिली लीटर के 88 पैकेट, 400 मिली लीटर के 3 पैकेट और 900 मिली लीटर के 15 नकली घी के पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने दुकान मालिक राजकिशोर यादव पुत्र सिद्धेश्वर निवासी अबाबकरपुर,चौबेपुर को मौके से गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि आरोपी दुकानदार के विरुद्ध कॉपीराइट एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

मौके पर मौजूद पुलिस,खाद्य विभाग की टीम व बरामद नकली देसी घी। अमृत विचार

- आरोपी दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया

दुकानदारों में रही दहशत

- **चौबेपुर।** क्षेत्र के घनश्यामपुर गांव स्थित एक किराना दुकान पर छापेमारी व नकली देसी घी के बरामद किये जाने की जानकारी होते ही इलाके के अन्य दुकानदारों में हड़कंप मच गया। इस दौरान कई दुकानदार अपने प्रतिष्ठान बन्द कर मौके से खिसक गए। पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने कस्बा स्थित एक बड़े व्यापारी की दुकान में भी जांच पड़ताल की। अचानक हुई इस कार्रवाई से यहां के अन्य दुकानदारों में दहशत व्याप्त रही।

ईश्वर के दरबार में जाति, कुल व पद का महत्व नहीं : आचार्य

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। भक्ति एक ऐसी अनुभूति है, जो मनुष्य को ईश्वर के प्रति अटूट स्नेह व श्रद्धा के साथ जोड़ती है। यही एक ऐसा मार्ग है जो मानव को आत्मिक सुख व आनंद का अनुभव कराता है। ईश्वर के दरबार में जाति, कुल और पद का नहीं,बल्कि सच्ची भक्ति का महत्व होता है। उक्त प्रवचन कस्बे में चल रही श्रीराम कथा के आठवें दिन आचार्य संतोष जी महाराज ने भक्तों को सुनाए। इस दौरान कथा व्यास ने भरत मिलाप, शबरी, हनुमान व सुग्रीव मिलन का सुंदर प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

आचार्य संतोष।

कस्बे के श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में चल रही संगीतमय श्री राम कथा में गुरुवार को आचार्य संतोष जी महाराज ने सुनाया कि राम वनवास के पश्चात राजा दशरथ अपने प्राण त्याग देते हैं। भरत को

कथा के दौरान निकाली गई प्रभु श्रीराम की झांकी। अमृत विचार

- कथा के आठवें दिन आचार्य ने सुनाया भरत मिलाप, हनुमान सुग्रीव और शबरी का प्रसंग
- रात्रि में रासलीला देखने के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़

जब यह जानकारी मिलती है ,तो वह बड़े भाई राम ,लक्ष्मण व माता सीता को वापस लाने के लिए वन की ओर निकल पड़ते हैं। वहीं शबरी के जूठे बेर स्वीकार करने का प्रसंग सुनाते हुए आचार्य ने प्रेम, समर्पण और निष्कपट भक्ति की महिमा का सुंदर वर्णन किया। बताया कि श्री राम व हनुमान जी का मिलन न केवल पवित्रता व भक्ति का प्रतीक है, बल्कि भगवान और उनके सबसे बड़े भक्त के बीच अनन्य प्रेम व विश्वास को भी दर्शाता है। आचार्य ने श्रीराम व सुग्रीव के बीच मित्रता का रोचक प्रसंग भी सुनाया। बताया कि ईश्वर के प्रति निष्ठापूर्णक समर्पित होने वाला साधक की सच्चा भक्त है। इस दौरान उन्होंने, दुनिया चले न श्री राम के बिना, राम जी चले ना हनुमान के बिना, रामा रामा रटते रटते बीती रे उमरिया, श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में,आदि भजन सुना कर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर पं राजेश त्रिपाठी, प्रमोद त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी ,ओम नारायण गुप्ता व राजू त्रिपाठी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

लोडर ने कांवड़ियों को मारी टक्कर, एक की मौत

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के बेलामार्ग स्थित विद्या भवन कॉलेज के सामने लघुशंका के लिए ट्रैक्टर से नीचे उतरे कांवड़ियों को लोडर ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन कांवड़िये घायल हुए। इसमें से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

ग्राम हरदिया, शिवली, कानपुर देहात निवासी दीवान सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि गत 5 फरवरी को उनका बेटा मुलायम सिंह गांव के विपिन, महावीर, मोनू आदि के साथ ट्रैक्टर द्वारा कांवड़ लेकर बेला मार्ग से चौबेपुर की ओर जा रहा था। तभी देर शाम करीब 7:30 चौबेपुर क्षेत्र के विद्या भवन कॉलेज के सामने ट्रैक्टर को मार्ग किनारे खड़ा कर मुलायम, महावीर व मोनू लघुशंका करने गए थे। वापसी के दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार आ रहे लोडर ने तीनों कांवड़ियों को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़ मौके से भाग निकला। सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया।

वहां से उन्हें हैलट कानपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि कल्यानपुर स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 8 फरवरी को मुलायम की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना करने वाली गाड़ी को कब्जे में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

- बेलामार्ग स्थित विद्या भवन कॉलेज के सामने हुआ हादसा
- दुर्घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़ कर हुआ फरार, दो घायल

हिन्दू समाज की एकता पर रहा जोर

संवाददाता, मन्धना

अमृत विचार। मन्धना मेला ग्राउंड में गुरुवार को भव्य हिंदू एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों क्षेत्रवासियों और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना, सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना तथा सामाजिक समरसता का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न वक्ताओं ने मंच से संबोधित करते हुए सनातन संस्कृति की महत्ता, युवाओं की भूमिका और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकता और संगठन ही राष्ट्र को मजबूत बनाता है। इसलिये हमें संगठित होकर ही रहना होगा। मुख्य वक्त डॉ. विवेक सिंह सचान ने कहा यह सम्मेलन आत्म जागृति, स्वाभिमान, एकता, परस्पर स्नेह, अनुशासन और राष्ट्र चरित्र के प्रगाढ़ संकल्प के साथ हमारे सामूहिक भविष्य की नींव रखने का एक दिव्य अवसर है। इसके पश्चात कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाल सिंह(प्रहरी), शिवमंगल सिंह(स्वयं), ओमप्रकाश विश्वकर्मा, गुरुप्रकाश तिवारी(सरस), राजेंद्र सिंह, शिवाकांत मिश्र जैसे प्रसिद्ध कवियों ने भाग लिया।

अतिथि को सम्मानित करते आयोजक। अमृत विचार

- मेला ग्राउंड में हिन्दू सम्मेलन और कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक सोच और पारस्परिक सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की गई जान, साथी घायल

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

अमृत विचार। खेत की रखवाली करने जा रहे बाइक सवार दो युवकों को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे को गंभीर हालत में कानपुर चिकित्सालय रेफर किया गया है।

थाना ललपुरा के टीकापुर डांडीपुर गांव निवासी 22 वर्षीय छोटू पुत्र कंधीलाल निषाद (30), अमित कुमार पुत्र शेरमा निषाद छानी गांव में खेत बटाई में लिए हैं। दोनों मित्र बुधवार रात करीब नौ बजे घर से खेत में फसल की जंगली जानवरों से रखवाली करने के लिए बाइक से जा रहे थे। दोनों जैसे ही छानी गांव से बजेहटा मोड़ के पास पहुंचे। तभी उसी दिशा से आ रहे ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। टक्कर से ट्रक के नीचे बाइक फंसकर कुछ दूर घिसटती चली गई। सूचना पर पहुंची पुलिस व परिजनों ने घायलों को छानी सीएचसी में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर दोनों को सदर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। हमीरपुर ले जाते समय छोटू ने रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं अमित की हालत गंभीर होने पर सदर चिकित्सालय से कानपुर के उर्सला अस्पताल भेजा गया है। मृतक अविवाहित 6 भाइयों में सबसे छोटा था जो खेती-बाड़ी का कार्य कर परिवार के भरण पोषण में मदद करता था थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि ट्रक को लाकर थाने में खड़ा कर लिया गया है मृतक के परिजनों की तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

- खेत की रखवाली करने जा रहे थे दोनों दोस्त तभी हुआ हादसा

एसडीएम के निरीक्षण में गौशाला में सब कुछ मिला चाकचौबंद

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में गुरुवार शाम 5:00 बजे उप जिलाधिकारी (एसडीएम) बिल्हौर संजीव दीक्षित द्वारा कमालपुर खोदन गौआश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में व्यवस्थाएं मुख्य रूप से दुरुस्त पाई गईं। निरीक्षण के समय गौशाला में कुल 269 गोवंश मौजूद थे। इनमें से एक गोवंश बीमार पाया गया, जिसे संबंधित चिकित्सकों द्वारा दोपहर में उपचार दिया जा चुका था।

उप जिलाधिकारी के निरीक्षण में गौशाला में भूसा, चोकर, गुड़ और नमक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध मिला। पीने के पानी के इंतजाम भी उचित पाए गए। शाम के समय हरा चारा उपलब्ध नहीं था, लेकिन अवगत कराया गया कि प्रतिदिन सुबह हरा चारा मंगवाया जाता है, जिसकी पुष्टि नियमित रूप से फोटो के माध्यम से ग्रुप पर की जाती है। चारा काटने की मशीन कार्यशील स्थिति में मिली। गौशाला में स्वच्छता संतोषजनक मिली। यहां पर तैनात 7 केयरटेकरों में से 4 केयरटेकर मौके पर उपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे।

गौशाला में चारा की गुणवत्ता देखते अधिकारी। अमृत विचार

उप जिलाधिकारी ने गौशाला की वर्तमान स्थिति को संतोषजनक बताया, लेकिन साथ ही भविष्य में व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तहसील बिल्हौर के अंतर्गत आने वाली सभी गौशालाओं का इस माह औचक निरीक्षण निरंतर जारी रहेगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी ने खेरेश्वर मंदिर का किया निरीक्षण

शिवराजपुर। शिवरात्रि पर्व को देखते हुए गुरुवार दोपहर खेरेश्वर मंदिर पहुंचे डीसीपी ने निरीक्षण किया। साथ ही वहां के पुजारी के साथ बैठकर बातचीत की शिवरात्रि के दिन होने वाली भीड़ के बारे में जायजा लिया और यातायात पर चर्चा की।

गुरुवार दोपहर बाद डीसीपी पश्चिम कासिम आबिदी खेरेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने शिवरात्रि पर्व को देखते खेरेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया और वहां के पुजारी के साथ बैठक की साथ ही निरीक्षण के दौरान वहां पहुंचे श्रद्धालुओं से वार्ता की। श्रद्धालुओं को दर्शन में कोई परेशानी न हो इसके लिए महिलाओं की अलग-व पुरुषों की अलग-अलग लाइन लगाकर दर्शन कराने के निर्देश दिए। साथ ही थाना अध्यक्ष शिवराजपुर अमित सिंह से मंदिर परिसर में भारी पुलिस बल तैनात करने के लिए कहा।

राजस्व विभाग व पुलिस ने 3 गांवों से हटवाए अवैध कब्जे

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान की कड़ी में राजस्व विभाग व पुलिस की टीम ने क्षेत्र के तीन गांवों में अभियान चलाकर सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटवाकर भूमि कब्जा मुक्त कराई। इस दौरान ग्रामीणों को दोबारा कब्जा न करने की सख्त हिदायत दी गई।

जिलाधिकारी के निर्देश पर गांव गांव सरकारी जमीनों पर हुए अवैध कब्जा को हटाया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम बिल्हौर के आदेश पर नायब तहसीलदार दिव्या भारती के नेतृत्व में राजस्व विभाग व पुलिस की टीम ने विगत तीन दिनों के दौरान क्षेत्र के बनी गांव स्थित ऊसर भूमि, ग्राम बरुआ खुर्द में रास्ते की भूमि व गंभीरपुर गांव में खलिहान की भूमि पर हुए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलवा कर ध्वस्त कराया। नायब तहसीलदार ने कब्जेदारों से दोबारा सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण व कब्जा न किये जाने की सख्त हिदायत दी, साथ ऐसा करने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही। नायब तहसीलदार ने बताया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक मुकेश दुबे, क्षेत्रीय लेखपाल स्वाती, मोहित सचान, रजनीश व पुलिस टीम मौजूद रही।

अतिक्रमण हटवातीं नायब तहसीलदार दिव्या भारती व राजस्व विभाग की टीम।

- दोबारा कब्जा न करने की दी गई सख्त हिदायत

खेल के मैदान से

बिल्हौर के बच्चों ने लहराया परचम, जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता के 'सिरमौर' बने

बिल्हौर ब्लॉक प्रथम और कल्यानपुर रहा द्वितीय

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। किदवई नगर स्थित स्व. रतन लाल स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जनपदीय बाल खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। विकासखण्ड बिल्हौर ने सर्वाधिक पदक जीतकर 'ओवरऑल चैंपियन' की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

11 फरवरी से शुरू हुई इस खेलकूद प्रतियोगिता में बिल्हौर ब्लॉक के नन्हे खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और जज्बे से सभी को प्रभावित किया। बिल्हौर ने 10 स्वर्ण पदक,14 रजत पदक और 4कांस्य पदक समेत कुल 28 पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रतियोगिता में घाटमपुर ब्लॉक ने द्वितीय और कल्याणपुर ब्लॉक ने तृतीय स्थान हासिल किया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथियों ने विजेता बच्चों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) कानपुर मण्डल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय सुनील द्विवेदी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी बिल्हौर रवि कुमार सिंह ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। बिल्हौर ब्लॉक के ओवरऑल चैंपियन बनने पर क्षेत्र के शिक्षकों में भारी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित बिल्हौर ब्लॉक के शिक्षक संकुल और अनुदेशकों ने अपनी टीम की इस ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को ट्राफी देते आयोजक। अमृत विचार

> बिल्हौर ब्लॉक की यह जीत शिक्षकों के मार्गदर्शन और बच्चों के कड़े अभ्यास का परिणाम है। ग्रामीण प्रतिभाओं ने साबित कर दिया कि यदि अवसर मिले तो वे किसी से कम नहीं हैं। -**रवि कुमार सिंह, बीईओ बिल्हौर**

ई-रिक्शा पलटने से चालक की मौत

पौथिया (हमीरपुर)। थाना ललपुरा क्षेत्र में अनियंत्रित ई-रिक्शा पलट गया, जिससे चालक की मौत हो गई। ललपुरा थाना क्षेत्र के मोराकादर गांव निवासी रामप्रकाश (55) ई-रिक्शा में पांच सवारी लेकर हमीरपुर जा रहा था तभी राठ हाईवे पर पौथिया गांव में एक बकरी के आ जाने से रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं ललपुरा निवासी महेश घायल हो गया। सूचना पर पहुंची ललपुरा पुलिस ने एम्बुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल भेजा। जहां ई-रिक्शा चालक रामप्रकाश को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। महेश अपना उपचार कराने के बाद घर चला आया। मोराकांदर प्रधान प्रतिनिधि बदलू प्रसाद ने बताया कि मृतक रामप्रकाश ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ताऊ जी श्री बेनीराम उर्फ बेनीमाधव पंत पुत्र स्व भौनदत्त उर्फ भवानी दत्त पंत, पूर्व पता 114 ए, आई आई टी कैंपस कानपुर, वर्तमान पता U-4, SBRA आई.आई.टी. कैंपस, कल्याणपुर कानपुर सन् 2004 में लापता हो गए थे, जिनका वापस होने का इंतजार हम लोग आज तक कर रहें हैं, जिस किसी को भी इनके बारे में पता चले तो कृपया निम्न पते पर अवगत करें। फोटो चस्पा है।

जिसके संदर्भ में डीएम ऑफिस से सिविल डेथ डिक्लेरेशन की कार्यवाही हेतु ये सूचना जारी की जारी है।

निवेदक
गिरीश चंद्र पंत(गिरीश पंत)
U-4, SBRA आई.आई.टी
कानपुर 208016
Mo:–8528025847
Email: gpant@iitk.ac.in

सुविचार

जो पुस्तक सबसे अधिक सोचने के लिए मजबूर करती है, वहीं तुम्हारी सबसे बड़ी सहायक है।

– पंडित जवाहर लाल नेहरू

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

कानपुर के प्रमुख समाचार

- मौसेरे साले को घर में बंधक बना बेरहमी से पीटा, मौत पर हंगामा-II
- दादा नगर चौराहे पर श्रमिकों ने रास्ता रोका, नारेबाजी-III
- एलुमनाई टॉक में बताया गया कामयाबी का फंडा-IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

151.30 लाख से होगी 9 प्रमुख सड़कों की मरम्मत

लोक निर्माण विभाग को पांच महीने में पूरा करना होगा मरम्मत और निर्माण कार्य, सड़कों की हालत बढ़ा रही कमर दर्द

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर की प्रमुख सड़कों की मरम्मत के लिए जिलाधिकारी और मंडलायुक्त की लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पिछले वर्ष दीपावली तक सड़कों की मरम्मत कराने के दावे किए जा रहे थे, लेकिन यह दावे अभी तक हकीकत में नहीं बदल सके हैं। इस दौरान शहर की कई और सड़कें भी दुर्दशा हो गईं। अब लोक निर्माण विभाग ने शहर की 9 सड़कों की मरम्मत करने का फैसला लिया है। यह काम पांच महीने में पूरा होगा।

लाटूश रोड से बांस मंडी तक सड़क पर कई जगहों पर गड्ढे है और जलभराव भी होता है। इसके अलावा सरसैया घाट से बड़ा चौराहा व मेस्टन रोड सड़क की भी हालत कुछ ठीक नहीं है। वहीं, राकेट तिराहा से माल रोड, मेघदूत होटल चौराहा से बड़ा चौराहा तक कुछ जगह गड्ढे हो गए हैं।

वहीं, पराग डेयरी से दीप तिराहे की ओर जाने वाली सड़क पर चलना काफी मुश्किल है। पराग डेयरी के सामने पाइप लाइन डालने के लिए गहरी खोदाई की गई थी, जिसकी वजह से यहां पर सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। कई बार बाइक सवार यहां पर गिरकर चोटहिल भी हो गए। सड़कों की स्थिति सही नहीं होने की वजह से प्रतिदिन हजारों लोगों को जाम की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। अब लोक निर्माण विभाग ने इन सड़कों की मरम्मत व पैचवर्क कराने की तैयारी कर ली है। विभाग ने वेबसाइट पर सड़क निर्माण के लिए पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की है। विभाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि सरसैया घाट, बड़ा चौराहा, मेस्टन रोड व लाटुश रोड से बांसमंडी तक सड़क का निर्माण 120 लाख रुपये से किया जाएगा। राकेट तिराहा से माल रोड, मेघदूत होटल चौराहा से बड़ा चौराहा तक और पराग डेयरी होते हुए बर्रा बाईपास तक सड़कों का निर्माण 131.30 लाख रुपये से किया जाएगा। वहीं, पुलों की भी मरम्मत की जाएगी। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए है। चयनीत कंपनी को निर्माण कार्य पांच माह में पूरा करना है।

पराग डेयरी से दीप चौराहे की रोड खोदाई के बाद क्षतिग्रस्त है। अमृत विचार

शहर के माल रोड चौराहे पर काफी बड़ा गड्ढा खतरा बना है। अमृत विचार

गोविंदपुरी पुल व नरेंद्र मोहन सेतु के खत्म होंगे गड्ढे

- गोविंदपुरी पुल की हालत भी इन दिनों ठीक नहीं है। पुल पर बिछी लोहे की चादर तक दिख रही है और गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में बाइक व स्कूटी सवारों को पुल से गुजरने पर काफी तेज झटका लगता है। बिछी लोहे की चादर भी आवाज कर करती है। झटका लगने पर कूल्हे, पैर व रीढ़ की हड्डी व गर्दन पर काफी पड़ता है। बार-बार गुजरने से दर्द बढ़ जाता है और फिर इलाज के लिए दौड़ना पड़ता है। वहीं, नरेंद्र मोहन सेतु का भी लोक निर्माण विभाग मरम्मत कराएगा। हालांकि इस पुल की स्थिति वर्तमान में ठीक है, लेकिन निर्माण सूची में इसे भी शामिल किया गया है।

लीकेज गैस सिलेंडर फटने से चार झुलसे

कल्याणपुर। कल्याणपुर में गुरुवार को चाय बनाते समय लीकेज सिलेंडर में आग लग गई और तेज धमाके के साथ फट गया। घटना में पड़ोसी समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। दमकल की दो गाड़ियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया।

आवास विकास तीन निवासी तपन कुमार मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी अंजना, मां माया देवी, बेटी ज्योति व विशाखा है। तपन के मुताबिक गुरुवार देर शाम पत्नी अंजना किचेन में चाय बना रही थीं। अचानक लीकेज सिलेंडर में आग लग गई। सभी लोग घर के बाहर भागे, तभी सिलेंडर धमाके के साथ फट गया। तपन, पत्नी अंजना व ज्योति चपेट में आ गए। धमाका सुनकर दौड़े पड़ोसी महेश श्रीवास्तव भी परिवार को बचाने के दौरान आग में झुलस गए। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से सभी घायलों को उर्सला के लिए रेफर कर दिया गया। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया की लीकेज सिलेंडर में आग लगने के बाद उसके फटने से हादसा होने की बात सामने आई है।

शहर में आज

- **सम्मेलन :** जीएसवीएम के सभागार में औषधि पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होंगे स्वास्थ्य मंत्री सुबह 11 बजे।
- **आगमन :** पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का सिविल लाइंस में नगर अध्यक्ष फजल महूद के आवास पर आगमन 12 बजे।
- **कार्यशाला :** भारतीय बाल रोग अकादमी द्वारा बाल रोग विभाग हैलट में एनीमिया पर कार्यशाला दोपहर 12 :30 बजे।
- **समारोह :** सिविल लाइंस स्थित मर्चेंट चेंबर सभागार में शताब्दी समारोह दोपहर दो बजे।

सिटी ब्रीफ

रात में दो डिग्री गिरेगा पारा, आएंगे बादल

कानपुर। दिन में सूरज की तपिश बढ़ने के साथ ही सर्दी भले ही गायब हो गई हो, और तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया हो, लेकिन अगली दो रातों में ठंड का असर नजर आएगा। पारा दो से तीन डिग्री तक नीचे गिर सकता है। शुक्रवार तड़के आसमान पर बादलों का डेरा जम सकता है। धूप देर से चमकेगी। पश्चिमी विक्षोभ के दस्तक देने का असर शहर में दिखाई देगा। मौसम विभाग के अनुसार सूरज तेज चमकने से दिन का तापमान बढ़ा है। लेकिन अगले दो-तीन दिनों में रात का तापमान थोड़ा नीचे जा सकता है।

आज नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। शहर के लवकुशपुरम, मोहन गेस्ट हाउस, शिवली रोड और आसपास के क्षेत्र व पीएसी के नेशनल पब्लिक स्कूल क्षेत्र में बिजली सुबह 11 बजे से शाम को पांच बजे तक नहीं आएगी। गोपाल नगर व विनायकपुर में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक, लाल फाटक व मौनी घाट में सुबह साढ़े 10 बजे से शाम को पांच बजे तक, बर्रा चार व छह में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को चार बजे तक नहीं रहेगी।

16 निजी अस्पतालों को नोटिस, 7 संचालक भागे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिठूर के राजा नर्सिंग होम में बिना अनुमति के संचालित एनआईसीयू के वार्मर मशीन में नवजात की जलकर हुई मौत के बाद अवैध रूप से संचालित निजी नर्सिंग होम व हॉस्पिटलों पर अब शामत आ गई है। स्वास्थ्य विभाग की गठित टीम ने गुरुवार को 32 निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया, जिनमे से एक हॉस्पिटल को सील कर 16 अस्पतालों को नोटिस जारी किए। जबकि सात संचालक अपने हॉस्पिटल बंद कर मौके से भाग गए।

स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग होम नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ.रमित रस्तोगी गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम और कल्यानपुर थाने की पुलिस के साथ न्यू शिवली रोड पहुंचे, यहां पर संचालित 32 निजी नर्सिंग होम व हॉस्पिटलों का निरीक्षण किया। जानकारी पर अवैध व बिना मानक संचालित किए जा रहे हॉस्पिटलों के संचालकों पर हड़कंप मच गया। सात संचालक तो अपना हॉस्पिटल तक बंद कर मौके से ही भाग गए।

डॉ.रमित रस्तोगी के मुताबिक बिना पंजीकरण, डॉक्टर व प्रशिक्षित स्टाफ के संचालित किया जा रहा रुद्र मेडिकल सेंटर को सील कर दिया है। एमपी हॉस्पिटल में बिना मानक संचालित ओटी व एचडीयू सील किया गया। कानपुर हेल्थ केयर सेंटर में भी ओटी व एचडीयू पर सील की कार्यवाही की गई। जबकि न्यू अभिनव हॉस्पिटल, महादेव हॉस्पिटल, गांधी हॉस्पिटल व माधव हॉस्पिटल में बिना मानक व अनुमति के संचालित की जा रही ओटी पर सील की कार्यवाही की गई। इसके अलावा सांवरिया नर्सिंग होम, स्टार सिटी हॉस्पिटल, न्यू मान्या हॉस्पिटल, ओसमियम हॉस्पिटल, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर व जीवास हॉस्पिटल का मुख्य गेट बंद कर स्टाफ भाग गए, जिस कारण उनके मुख्य द्वार पर नोटिस चस्पा की गई।

न्यू अभिनव हॉस्पिटल, डिवाइन मेडिकल सेंटर, किरण मेडिकल सेंटर, एएसआर हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर, वात्सल्य हॉस्पिटल व काशी हॉस्पिटल में भी कई कमियां मिलीं। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के मुताबिक 16 निजी हॉस्पिटलों को नोटिस जारी करते हुए तीन कार्य दिवस में जवाब देने के निर्देश दिए है। साथ ही हॉस्पिटल को निर्देश दिया गया कि परिसर में कोई मरीज भर्ती न किया जाए। भर्ती मरीजों को तत्काल अन्य चिकित्सालय में संदर्भित कराया जाए।

रुद्र हॉस्पिटल को सील करते एसीएमओ डॉ .रमित रस्तोगी। अमृत विचार

- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 32 अस्पतालों का निरीक्षण किया

सांसद-विधायक के घर बाहर गड्ढा

जरा ध्यान दीजिए। माननीय सांसद और विधायक जी आपके निवास के बाहर ये खुले पड़े गड्ढे राहगीरों की जिंदगी में मौत का कुआं बने हैं। कानपुर नगर के सांसद रमेश अवस्थी के निवास के बाहर स्वरुप नगर और गोविन्द नगर क्षेत्र के विधायक सुरेन्द्र मैथानी के निवास के बाहर काकादेव में नीर क्षीर चौराहे के निकट खुदी सड़क पर गड्ढे खुले पड़े हैं। इन गड्ढों के चारों ओर राहगीरों की सुरक्षा के लिए कोई भी बैरीकैडिंग भी नहीं लगाई गई। जब जनप्रतिनिधियों के घरों के बाहर की सड़कें दुर्दशाग्रस्त है, जिनको दुरुस्त करने के लिए अधिकारी संज्ञान तक नहीं ले रहे हैं और विकास कार्य को बेसहारा कर राहगीरों को मौत से जुझने के लिए छोड़ दिया। ● मनोज तिवारी

कोडीन मामले में सरगना की संपत्तियां-बैंक खाता फ्रीज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- वाराणसी कमिश्नरेट के एसीपी ने टीम के साथ शहर पहुंचकर की कार्रवाई
- बैंक खाता में जमा 37 लाख समेत 5.18 करोड़ रुपये की कुल संपत्ती फ्रीज

अमृत विचार। कोडीन कफ सीरप मामले में गुरुवार वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने शहर में दबिश दी। टीम फीलखाना में सरगना विनोद अग्रवाल के पटकापुर स्थित घर पर पहुंची। इसके बाद उसकी बिरहाना रोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक का खाता व पांच संपत्तियां फ्रीज की। फ्रीज संपत्तियों की कीमत 5.18 करोड़ रुपये है। कार्रवाई से दवा बाजार में भी खलबली मची रही।

वाराणसी कमिश्नरेट के सारनाथ एसीपी विदूष सक्सेना के नेतृत्व में पुलिसकर्मी गुरुवार को शहर पहुंचे। एसीपी ने बताया कि बीती 18 दिसंबर को सारनाथ थाने में पीडी फार्मा के निदेशक विष्णु कुमार पांडेय पर कोडीन कफ सीरप मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जिसमें विनोद अग्रवाल का नाम भी सामने आया था। उससे पहले नवंबर माह में औषधि निरीक्षक ओमपाल सिंह ने विनोद अग्रवाल के खिलाफ कलक्टरगंज थाने में मुकदमा कराया था।

एसीपी विदूष सबसे पहले ग्वालटोली के सिविल लाइंस स्थित गोपाल विहार सोसायटी पहुंचे। जहां दो आवासीय मकानों को फ्रीज किया गया। यह संपत्ती कोडीन कफ सीरप की कमाई से अर्जित की बताई गई। इसके बाद विनोद अग्रवाल का बैंक खाता फ्रीज हुआ, जिसमें 37.42 लाख रुपये थे। फिर टीम ने बिरहाना रोड में विनोद की पत्नी सविता के नाम मकान व चकेरी के दहेली सुजानपुर में बेटे शिवम के नाम पर मकान फ्रीज किया। जाजमऊ के एमराल्ड गुलिस्तां में विनोद के नाम संपत्ती फ्रीज की।

बता दें कि कोडीन कफ सीरप मामले में 50 हजार के इनामी विनोद अग्रवाल को क्राइम ब्रांच और कलक्टरगंज पुलिस ने 25 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले से गिरफ्तार किया था। विनोद ने 47 फर्मों को सीरप सप्लाई की बात कबूली थी। मामले में कुल आठ मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

मामले ये लोग हैं आरोपी

- कोडीन मामले में विनोद अग्रवाल, उनका बेटा शिवम, अनमोल गुप्ता, मंजू शर्मा, अभिषेक शर्मा व वेद प्रकाश शिवहरे, सुमित केसरवानी आरोपी हैं। मामले की जांच एसआईटी कर रही है।

कोडीन कफ सीरप मामले में विनोद अग्रवाल समेत उसके परिजनों की पांच संपत्तियों व बैंक खाते को धारा 68 एफ के तहत फ्रीज किया गया है। इन सभी संपत्तियों की बिक्री, उपयोग व हस्तांतरण पर रोक रहेगी।

–विदूष सक्सेना, एसीपी सारनाथ

ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

कानपुर। चकेरी में बुधवार रात रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से चकेरी निवासी 35 वर्षीय मजदूर महेश कुरील की मौत हो गई। पिता हरीलाल ने बताया कि उनका एकलौता बेटा काम से लौट रहा था, तभी घर के समीप चकेरी गांव क्रासिंग के पास हादसा हुआ। युवक की मौत की खबर पाकर पत्नी पिंकी व तीनों बच्चों परी, शागुन, अंशु में चींख-पुकार मच गई।

रंगदारी मामले में भूपेश और बाकी आरोपियों पर चार्जशीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 15 साल पुराने महिला होटल कारोबारी के मुकदमे में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की
- चर्चित मामले में भूपेश अवस्थी के साथ उनका बेटा और जूही के दो सगे भाई आरोपी

अमृत विचार। कर्मचारी नेता भूपेश अवस्थी के खिलाफ 15 साल पुराने मुकदमे में अग्रिम विवेचना के बाद एसीपी नौबस्ता चित्रांशु गौतम ने चार्जशीट लगा दी है। भूपेश के खिलाफ साकेत नगर निवासी महिला होटल कारोबारी ने मुकदमा कराया था। जांच में महिला कारोबारी के लगाए गए सभी आरोप सही पाए गए हैं। साथ ही कुछ और धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। वहीं, मामले में भूपेश की याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने आठ अप्रैल तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि साकेत नगर निवासी होटल कारोबारी महिला ने 31 जनवरी 2011 को जूही थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि जूही लाल कालोनी निवासी अजय निगम, उसके भाई अनुज निगम, भूपेश अवस्थी और उनके बेटे रोहित अवस्थी ने अधिवक्ता अखिलेश दुबे के इशारे पर उसने दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। धमकाया था कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो होटल संचालित नहीं करने देंगे। उनके विरोध पर आरोपित कैश लूट ले गए थे। आरोपितों ने उनके साथ मारपीट भी की, लेकिन तत्कालीन विवेचक ने पौने पांच घंटे में फाइनल रिपोर्ट लगाकर मामले को रफा-दफा कर दिया था। कोर्ट के आदेश पर मामले की अग्रिम विवेचना शुरू हुई, जिसके बाद से भूपेश और उनका बेटा भूमिगत हो गए थे। इस पर कोर्ट ने भूपेश और रोहित के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। विवेचना में पुलिस ने हथियारों से लैस होकर बलवा, जबरन वसूली, मौत का डर दिखाकर वसूली, झूठा आपराधिक आरोप लगाना, अश्लील सामग्री का प्रचार करना, आपराधिक बल प्रयोग, सामान्य इरादे और आपराधिक षड़यंत्र रचने की धाराओं में चार्जशीट दाखिल की है। विवेचना में चोट पहुंचाना, जानबूझकर अपमानित करना, आपराधिक धमकी और डकैती की धाराओं को भी बढ़ाया गया है।

विशेष खूबियां होंगी | रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए उन्नत डोर्नियर-228 विमानों का किया अनुबंध

एचएएल को आठ डॉर्नियर-228 विमानों का मिला आर्डर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली में कानपुर स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के परिवहन विमान प्रभाग के साथ भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए आठ डॉर्नियर-228 विमानों और परिचालन संबंधी उपकरणों की खरीद के लिए 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

यह अनुबंध भारतीय उत्पाद खरीद (बाय (इंडियन) श्रेणी के तहत किया गया। रक्षा मंत्रालय की ओर से अनुबंध पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। डोर्नियर 228 विमान उन्नत सेंसर और आधुनिक एवियोनिक्स से लैस हैं, जिनमें पूर्ण ग्लास कॉकपिट, एकीकृत मिशन प्रबंधन प्रणाली तथा समुद्री निगरानी और टोही अभियानों के लिए विशेष इंतजाम शामिल किए गए हैं।

इस अनुबंध से न सिर्फ एचएएल का उत्पादन तंत्र मजबूत होगा, बल्कि लघु एवं मध्यम उद्यमों के नेटवर्क को भी समर्थन मिलने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजिक होगा। एचएएल की ओर से कहा गया है कि यह अनुबंध आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के साथ भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को भी मजबूत बनाएगा।

इससे पहले पिछले माह के अंत में भारतीय तटरक्षक बल को दो डॉर्नियर- 228 विमान सौंपे गए थे। इन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के कानपुर स्थित ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन से तटरक्षक बल को दिया गया था। तटरक्षक बल ने इन विमानों का कई तरह के समुद्री अभियानों के लिए इस्तेमाल किए जाने की बात कही थी। इनमें तटीय निगरानी, प्रदूषण पर नजर, खोज और बचाव अभियान और रियल टाइम खुफिया जानकारी जुटाना शामिल था। डॉर्नियर-228 की शॉर्ट टेकऑफ और लैंडिंग क्षमता के कारण इन्हें छोटे और दूरदराज के रनवे से भी उड़ाया जा सकता है। इससे द्वीपों और आगे के इलाकों में तटरक्षक बल की पहुंच बढ़ेगी।

एचएएल कानपुर के परिवहन विमान प्रभाग ने 1983 में जर्मनी की मूल कंपनी के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत डोर्मनियर विमानों का उत्पादन शुरू किया था। अब तक यहां 124 से अधिक विमानों का निर्माण किया जा चुका है। यह विमान 19 यात्रियों या 2057 किलोग्राम तक माल ले जा सकता है। शार्ट टेक आफ एंड लैंडिंग परिचालन क्षमता वाले ये विमान छोटी तथा अविकसित हवाई पट्टियों और गर्म वातावरण में भी उतरने और उड़ान भरने में सक्षम है। डोर्नियर-228 का इस्तेमाल भारतीय वायु सेना, नौसेना और तटरक्षक बल द्वारा समुद्री गश्त और निगरानी के लिए किया जाता है। अब इसका उपयोग नागरिक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए भी हो रहा है। एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग की सहायक कंपनी एलायंस एयर ने एचएएल से अपना पहला सिविल डीओ-228 विमान खरीदा था। एचएएल अब इसका उन्नत नागरिक संस्करण "हिंदुस्तान 228" भी बना रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धि है।

हस्ताक्षर के बाद अनुबंध पत्र दिखाते रक्षा सचिव व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

- समुद्री सीमा निगरानी, खोज और बचाव अभियान के साथ खुफिया मिशन में आएगा काम

2.312

करोड़ के अनुबंध पत्र पर हुए हस्ताक्षर

सिटी ब्रीफ

बुजुर्ग की देखभाल करने वाली महिला पर चेन चोरी का आरोप

कानपुर। नवाबगंज में बेटी ने बुजुर्ग मां की देखभाल करने वाली महिला पर सोने की चेन गायब करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट कराई है। आजादनगर में रहने वाली नीरू अवस्थी ने दी तहरीर के अनुसार उनकी 83 वर्षीय वृद्ध मां सरोज दीक्षित चलने-फिरने में असमर्थ है। उनकी देखभाल के लिए इलाके की सीमा को रखा था। सीमा के न आने पर उसकी मां भी आती थी। बीती 29 जनवरी को मां के गले में दस तोले की चेन थी, जो अगली दिन गायब मिली। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच की जा रही है।

मामूली विवाद में युवक पर हेलमेट से हमला जांच में जुटी पुलिस

कानपुर। अनवरगंज में मामूली विवाद में दबंगों ने युवक को जमकर पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। अंबेडकरनगर निवासी दीपक अहिरवार ने दी तहरीर में बताया कि बीती चार फरवरी की दोपहर वह किसी काम से जा रहे थे। तभी धोबी वाली गली में बीच रास्ते खड़े अजीत अहिरवार सड़क से किनारे हटने की बात कही। यह सुन उसने गाली-गलौज की। विरोध पर अजीत ने अपने भाई मनीष व सुनील, शोभित मिश्रा, पुल्ली मिश्रा, अजय और मनीष पंडा के साथ मिलकर उसे जमकर पीटा। आरोपियों ने हेलमेट मारकर घायल कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

चोरी के इरादे से घुसे नाबालिग को पकड़ पुलिस को सौंपा

कानपुर। नौबस्ता में चोरी के इरादे से घर में घुसे बाल अपचारी को लोगों ने पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा। यशोदानगर एस-ब्लाक निवासी अमन शर्मा ने बताया कि बुधवार को वह परिवार समेत विवाह समारोह में गए थे। घर पर ताला लगा था। करीब दो बजे घर लौटे तो मेनगेट का ताला टूटा मिला। अंदर घुसने पर छानबीन की तो सीढ़ियों के पास दो नाबालिग छिपे मिले। शोर मचाने पर एक आरोपी भाग निकला, जबकि दूसरे को दबोच लिया। जिसे पुलिस के हवाले किया है। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपी किशोर को बाल सुधार गृह इटावा भेजा गया है। दूसरे की तलाश जारी है।

बाइक से गिरी महिला की अस्पताल में मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किदवईनगर में तीन दिन पहले बाइक से गिरकर घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि बाइक लहराकर निकले युवक की टक्कर से उनकी बाइक गिरी थी।

रतनपुर पनकी निवासी अमरनाथ सोनी की इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। दो बेटे सौरभ, गौरव व पत्नी रीता (53) थीं। अमरनाथ ने बताया कि मंगलवार शाम बेटा सौरभ मां के साथ किदवईनगर शादी समारोह में गया था। रात करीब 11 बजे वह बाइक से लौट रहे थे, तभी शनिदेव मंदिर के पास सामने से दो बाइक सवार युवक आए, जो लहराते हुए उनकी बाइक में कट मार दी, जिससे पत्नी व बेटा बाइक से गिर गए। गंभीर घायल पत्नी की इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटे के पैर में चोट है। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो चालक पर रिपोर्ट

- **कानपुर।** नौबस्ता में ऑटो चालक पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार नरवल के थरेपाह निवासी बलवान सिंह की बेटी 31 अक्टूबर 2025 की शाम करीब साढ़े पांच बजे ऑटो से जा रही थी। वैशाली के रोकने के बाद भी चालक ऑटो तेज रफ्तार से चला रहा था। नौबस्ता बाईपास के करीब अचानक कुत्ता सामने आने पर चालक ने ब्रेक मारा, तभी पीछे से वैन ने टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया। वैशाली घायल हो गई।

96 घंटे बाद शिवम मिश्रा गिरफ्तार, 5 घंटे में मिली बेल

सारे पैंतरे फेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कोर्ट में विवेचक को मिली फटकार रिमांड प्रार्थना पत्र भी एसीजेएम-सात कोर्ट ने की खारिज
- कोर्ट ने कहा, 10 बजे कोर्ट लाए 15 मिनट पहले नोटिस तामील इतनी तेज कानपुर पुलिस

अमृत विचार। वीआईपी रोड स्थित भैरोघाट चौराहा के पास रविवार दोपहर लैंबोर्गिनी कार हादसे में कई मोड़ आए। कार चालक को लेकर ऊहापोह रही। शिवम के बचाव में चले सारे पैंतरे फेल हो गए। आखिरकार हादसे के 96 घंटे बाद शिवम की गिरफ्तारी हुई, लेकिन पांच घंटे में उसकी बेल हो गई। रिमांड अर्जी भी कोर्ट ने खारिज कर दी। गुरुवार मेडिकल के बाद पुलिस उसे लेकर एसीजेएम-सात अमित सिंह की कोर्ट में लेकर पहुंची। उससे पहले दिल्ली से आए अधिवक्ता वहां मौजूद मिले। वहीं रामपुर में अधिवक्ता की हत्या में हड़ताल के कारण कोर्ट से आग्रक करके विशेष अनुमति ली गई।

आर्यनगर निवासी तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा का बेटा शिवम बीते रविवार हाईस्पीड लैंबोर्गिनी कार लेकर निकला था। वीआईपी रोड पर भैरोघाट चौराहा पर कार से हादसा हुआ। उसके बाद शिवम की कार चर्चा में बनी है। पुलिस ने कहा शिवम के कार चलाने के साक्ष्य हैं। जबकि कार चालक ने खुद ड्राइव करने की बात कही और कोर्ट में सरेंडर करने पहुंच गया। कार में शिवम की अचानक तबियत खराब होने की बात भी सामने आई।

रईसजादे शिवम मिश्रा को गुरुवार को कोर्ट ले जाती पुलिस। अमृत विचार

वकील बोले, ज्यादा ही पैनिक क्रिएट किया गया

- अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने बताया कि इस हादसे में ज्यादा ही पैनिक क्रिएट किया गया। शहर में रोज हादसे होते हैं, लेकिन इस तरह नहीं उछाले जाते। इस हादसे में कोई जनहानि भी नहीं हुई, उसके बाद यह हाल है। हादसे के बाद अगर शिवम को बचाने के बजाय उसे सामने ले आते तो ऐसा नहीं होता।

सबूत दे रहे गवाही, शिवम ही चला रहा था कार

- डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि हादसे के समय शिवम ही कार चला रहा था, इसके पुलिस के पर्याप्त साक्ष्य हैं। हादसे का सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, वादी के बयान, शिवम की मोबाइल लोकेशन आदि। इसके अलावा और भी साक्ष्य हैं। जिससे सिद्ध किया जा सकता है कि कार शिवम चला रहा था।

गुरुवार को पुलिस ने शिवम को गिरफ्तार किया और मेडिकल के बाद कोर्ट लेकर पहुंची तो जज ने सवाल किया कि जब सात साल से कम की सजा थी तो गिरफ्तार करके क्यों लाए। पुलिस ने जवाब दिया कि शिवम जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। फिर कोर्ट ने पूछा कि कोई पर्चा काटा, नोटिस दिया। विवेचक ने कहा कि सुबह 9.45 बजे नोटिस तामील कराया है। इस पर जज ने कहा 10 बजे कोर्ट लाए, उससे 15 मिनट पहले नोटिस तामील कराया। इतनी तेज है कानपुर पुलिस। फिर पुलिस ने जवाब दिया कि शिवम के भागने का डर था। इस पर जज ने कोर्ट में ग्वालटोली पुलिस की फटकार लगाई। इसके साथ ही शिवम को निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया।

किदवई नगर में हुई वारदात, हिसाब करने के लिए बुलाया था घर, आरोपी दंपति और नौकर फरार

मौसेरे साले को घर में बंधक बना बेरहमी से पीटा, मौत पर हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परिजनों का आरोप, पीटने के बाद गिरने का बहाना बना दी सूचना
- कैटरिंग संचालक दंपति समेत तीन के खिलाफ एफआईआर पंजीकृत

अमृत विचार। किदवईनगर में कैटरिंग संचालक ने मौसेरे भाई को घर में बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। घरवालों ने 25 कॉलें की, लेकिन बात नहीं करने दी। जब परिजन वहां पहुंचे तो युवक को बेदम मिला। उसे अस्पताल ले गए, जहां आईसीयू में भर्ती युवक की तीसरे दिन मौत हो गई। मौत पर परिजनों ने हत्या का आरोप जमकर हंगामा किया। आरोपी फरार हैं।

नजीराबाद के रामकृष्ण नगर निवासी 43 वर्षीय आलोक मिश्रा उर्फ पुत्तलू किदवईनगर में रहने वाले कैटरिंग संचालक अमित उर्फ पंकज मिश्रा के साथ काम करते थे। दोनों साले-बहनोई का रिश्ता है। आलोक की मौसी रामदेवी का पंकज दामाद है। आलोक के परिवार में पिता प्रकाश नारायण, मां ऊषा, पत्नी अनुराधा, दो बच्चे प्रगतिव शिवाय, छोटा भाई प्रांजुल और दो बहनें हैं। भाई ने बताया कि सात फरवरी को शुक्लागंज में कैटरिंग का काम करने के बाद आलोक ने पंकज से हिसाब करने को कहा था। इस पर आठ फरवरी की सुबह करीब आठ बजे आलोक हिसाब के लिए किदवईनगर डी-ब्लाक पंकज के घर गए थे, लेकिन देर रात तक नहीं लौटे। इस पर भाभी ने फोन किया तो भाई का फोन पंकज ने उठाया और कहा कि काम अधिक है। इसके बाद कई कॉल नहीं उठाई। एक बार आलोक ने फोन उठाया, लेकिन तुरंत किसी ने छीनकर बंद कर दिया। प्रांजुल के अनुसार भाई नौ फरवरी की सुबह बेटे का स्कूल में प्रवेश कराने जाना था, इसलिए उन्होंने खुद अगले दिन सुबह एक घंटे में करीब 10 कॉल की, लेकिन रिसीव नहीं हुई। कुछ देर पंकज की पत्नी पूनम ने फोन करके बताया कि आलोक गिर गए हैं और हालत गंभीर है। वे लोग पहुंचे और एंबुलेंस से निजी अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में होश में आने भाई ने भाभी से कहा कि इन लोगों ने रात भर पीटा है। मार डालना चाहते थे। इसके बाद वह बेहोश हो गए। आईसीयू में इलाज चल रहा था। गुरुवार सुबह मौत हो गई। गुस्साए परिजनों ने मारपीट, हत्या का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर अमित उर्फ पंकज मिश्रा, उसकी पत्नी पूनम और चालक राजकुमार के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर की गई है।

घटना की जानकारी देते आलोक के परिजन। अमृत विचार

आरोपी पंकज।

आलोक मिश्रा।

पुलिस ने पंचनामा में चोटों का किया जिक्र

- किदवई नगर पुलिस ने पंचनामा में आलोक के शरीर पर दिखीं चोटों का जिक्र किया है, जिसमें कमर पर दाई तरफ, सीने व पीठ पर चोटों के निशान बताए गए हैं। चेहरे की ठोढी टूटी और बाएं हाथ की कोहनी पर रगड़ के निशान मिले हैं। सिर के पीछे टांके लगने का जिक्र पंचनामा में है। इस बारे में भाई ने बताया कि सिर पर भारी वार किया गया है, जिससे हड्डी टूटी है। यह बात अस्पताल में डॉक्टर ने बताई थी।

अस्पताल में छोड़कर भागे आरोपी

- आलोक के पिता ने बताया कि पंकज, उसकी पत्नी व चालक बेटे को अस्पताल में भर्ती कराने साथ गए थे। इसके बाद जब डॉक्टरों ने जांच की बात कही तो वह घबरा गया। उसके बाद शाम तक वह साथ रहा और रिपोर्ट आने से पहले पत्नी व चालक समेत फरार हो गया। उसके किदवईनगर स्थित मकान में उसकी मां रजनी के अलावा कोई नहीं है। जबकि उसका छोटा भाई अभिषेक भी एक दिन पहले तक था।

रावतपुर के हसनपुर इलाके में पॉर्किंग में खड़ी जली कार। अमृत विचार

कार पर फोड़ा बम, फिर पेट्रोल डाल लगाई आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रावतपुर के हसनपुर इलाके में देर रात धमाका होने से हड़कंप मच गया। घर के बाहर पार्किंग में खड़ी कार से लपटे उठतीं देख लोग घरों से बाहर निकले और आग बुझाई। कार मालिक ने 112 डायल पर पुलिस को खबर दी। घर के बाहर बम फोड़ने की खबर पर डीसीपी वेस्ट फोर्स के साथ पहुंचे और जांच-पड़ताल की। मौके पर प्लास्टिक की तीन बोतलों में पेट्रोल भरा मिला है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस आरोपियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाला रही है।

हसनपुर निवासी मनमोहन यादव प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में मनमोहन के पिता हरमोहन, दो भाई भूपेंद्र व जितेंद्र और पत्नी वंदना हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार रात करीब नौ बजे वह ऑफिस से आए थे। घर के बाहर पॉर्किंग स्थान पर जहां कार खड़ी होती है, वहीं पार्क की। इसके बाद खाना खाकर सो गए। देर रात करीब 2.30 बजे जब गहरी नींद में थे, तभी घर के बाहर तेज धमाका होने से हड़कंप मच गया।

बम फटने ऐसी आवाज होने से परिवार के सभी लोग जग गए। घर के बाहर निकले तो पॉर्किंग में खड़ी उनकी कार से आग की लपटे उठ रही थीं। इसी बीच मोहल्ले के लोग भी घरों से बाहर निकल आए। पड़ोसियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद 112 डायल पर पुलिस को घटना की जानकारी दी। मनमोहन के अनुसार रावतपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। समीप ही तीन बोलतों में ज्वलनशील पदार्थ भी भरा मिला।

कार के आगे जिस चीज से भी धमाका हुआ हो, लेकिन उस जगह बोनट बैठ गया है। समाने के शीशी में छेद हो गया। आसपास कागज की पर्चियां बिखरी होने से संभावना है कि बम फोड़ा गया है। फिर पेट्रोल से आग लगाई गई है। सूचना पर सुबह डीसीपी वेस्ट कासिम आब्दी ने मौके पर पहुंचकर जांच की। फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्र कराए। मनमोहन ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगालकर आरोपियों का पता लगा रही है।

धमाके से गिरा छत का प्लास्टर।

- घर के बाहर देर रात धमाके से मचा हड़कंप, मौके पर तीन बोतलों में मिला पेट्रोल
- डीसीपी वेस्ट ने की पड़ताल, फॉरेंसिक ने जुटाए साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज खंगाले

धमाके से गिरा छत का प्लास्टर

- कार मालिक के अनुसार धमाका बहुत तेज था। उसकी तीव्रता के कारण ही बरामदे में छत का प्लास्टर टूटकर गिर गया। दीवारों पर भी मामूली दरार आई है। पूरे मकान में कंपन हुआ था। जिसका कारण वह लोग काफी डर गए थे। उन्होंने बताया कि कार के पास पड़ी कागज की पर्चियों से बारुद की गंद आ रही थी।

बाइक सवार युवकों पर संदेह जताया

- मनमोहन ने बताया कि आठ फरवरी की शाम उनके बड़े भाई जितेंद्र कार निकाल रहे थे, भी दो बाइक सवार युवक वहां से निकले। युवक कार के पीछे से बाइक निकालने लगे। इस पर भाई ने रुकने का इशारा किया। इस बात पर युवक नाराज हो गए थे और भाई से कहासुनी हुई। उन युवकों के अलावा उनकी किसी अन्य से कोई रंजिश नहीं है। मनमोहन ने उन्हीं युवकों पर वारदात करने की आशंका जताई है।

हाईवे पर हादसा, ट्रक चालक की गई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- झपकी आने से हुआ हादसा, सड़क किनारे खड़ा था खराब ट्रक
- उरई से मौरंग लादकर बहराइच जा रहा था हरदोई का चालक

अमृत विचार। सचेंडी में चालक को झपकी आने से हाईवे के किनारे खड़े खराब ट्रक में मौरंग लदा ट्रक घुस गया। हादसे में गंभीर चोट आने से केबिल में फंसे चालक की मौके पर मौत हो गई। भिड़ंत की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को जानकारी दी।

हरदोई के अरवल निवासी 38 वर्षीय ज्ञानेश कुमार ट्रक चालक थे। परिवार में पत्नी सीमा व तीन बच्चे है। बड़े भाई राजाबाबू ने बताया की ज्ञानेश दो दिन पहले हरदोई से झांसी के लिए निकले थे। पता चला कि उरई में मौरंग लादकर उन्हें बहराइच जाना था। बुधवार रात करीब दो बजे वह सचेंडी चकरपुर मंडी के पास पहुंचे थे, तभी हाईवे के किनारे खड़े ट्रक में उनकी ट्रक पीछे से घुस गई। हादसे में ज्ञानेश की मौके पर ही मौत हो गई। चालक की सीट की तरफ से भिड़ंत हुआ था, जिससे बगल वाली सीट पर बैठे क्लीनर को मामूली चोट आई है। राहगीरों ने तत्काल 112 डायल कर घटना की पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके पास मिले मोबाइल से परिजनों से खबर दी। गुरुवार सुबह परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। शव देखकर घरवालों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया की परिजनों ने तहरीर नहीं दी है।

चाइनीज मांझे से घायल सेल्समैन को 15 टांके

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रेलबाजार इलाके में फेथफुलगंज पुल के पास बाइक से जाते समय हुई घटना
- पीड़ित ने लगाया आरोप पुलिस को तहरीर देने पहुंचने पर थाने से टरकाया गया

अमृत विचार। सख्ती के बाद भी चाइनीज मांझे की बिक्री धड़ल्ले से जारी है। लापरवाही का नतीजा है कि फेथफुलगंज पुल के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आकर बाइक सवार सेल्समैन गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने घायल को केपीएम अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसके सिर पर 15 टांके लगे हैं। पीड़ित का आरोप है कि वह पुलिस को तहरीर देने पहुंचा तो सिपाही ने उन्हें टरका दिया।

रेलबाजार के खपरा मोहाल निवासी सुरेश विश्वकर्मा पोखरपुरवा स्थित एक कोल्डड्रिंक कंपनी में सेल्समैन हैं। उन्होंने बताया कि बीते मंगलवार की शाम वह बाइक से ऑफिस से घर लौट रहे थे, तभी फेथफुलगंज पुल के पास चाइनीज मंझे की चपेट में आकर घायल हो गए। चलती बाइक से गिरकर घायल हो गए। सड़क पर गिरने से पहले हेलमेट भी गिर गया। सिर पर मांझे की रगड़ से खून बहने लगा। राहगीरों की मदद से उन्हें मालरोड स्थित केपीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूचना पर परिजन पहुंचे। अस्पताल में उनके सिर पर 15 टांके लगे हैं। आरोप है कि फेथफुलगंज चौकी में वह शिकायत करने पहुंचे तो मौजूद सिपाही ने टरका दिया। घायल सुरेश के अनुसार हादसे के बाद वह बाइक के आगे ग्लास स्टैंड लगाकर चल रहे हैं। अगर सिर से पांच इंच नीचे मांझा होता तो गर्दन ही कटती। रेलबाजार थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सुरेश विश्वकर्मा।

मांझे से युवक की कट गई उंगली

- **कानपुर।** जाजमऊ के जेके कालोनी लोनी निवासी रवि चौरसिया ने बताया कि करीब चार दिन पहले वह बाइक से दोस्त नदीम के साथ सिविल लाइंस किसी काम से गए थे। रवि बाइक चला रहे थे, जबकि उनका दोस्त नदीम पीछे बैठा था। माल रोड के पास पहुंचते ही चाइनीज मांझे की चपेट में आए। वह तो बच गए, लेकिन नदीम के हाथ की उंगली कट गई थी, जिसका इलाज कराया गया।

चली जेसीबी

खाली कराई गई सरकारी भूमि पर बनेगा सिटी फॉरेस्ट, केडीए ने तैयार की योजना

कोर्ट के आदेश पर केडीए ने 80 बीघा भूमि कब्जे में ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सदर तहसील के मकसूदाबाद में 80 बीघा ऊसर और बंजर भूमि को गुरुवार को केडीए ने कोर्ट के आदेश पर कब्जे में लिया। केडीए की टीम ने भूमि को बुलडोलर से खाली कराया।केडीए ने सीमांकन कराया और अपनी भूमि होने का सूचना बोर्ड लगा दिया। इस भूमि पर केडीए सिटी फारेस्ट विकसित करेगा, जिसके 50 करोड़ का बजट भी स्वीकृत हो चुका है।

मकसूदाबाद की सरकारी भूमि पर करीब 20 वर्षों से अवैध कब्जे के साथ ही जमीन खरीदने व बेचने का खेल चल रहा था। इस खेल में कलेक्ट्रेट के बाबुओं से लेकर लेखपाल मिले थे। जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर अक्सर प्रशासन केडीए को कार्रवाई के पत्र भेज देता था। केडीए, प्रशासन की जिम्मेदारी बताकर खुद पल्ला झाड़ लेता था, लेकिन जब हाईकोर्ट के आदेश के बाद एसडीएम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की, तब कई कई दस्तावेज सामने आए। कोर्ट ने जमीन खाली करने का आदेश दिया और केडीए को हैंडओवर करने की बात कहीं। गुरुवार को केडीए ने जेसीबी चलाकर भूमि खाली कराई। साथ ही 80 अवैध कब्जाधारकों को नोटिस भी जारी किए। केडीए अधिकारियों के मुताबिक इस भूमि को फर्जी बैनामों के सहारे निजी संपत्ति दर्शाने की कोशिश की गई थी। जांच में सामने आया कि 60 से अधिक लोग खुद को जमीन का मालिक बताने लगे थे। इनमें कलक्ट्रेट और एसडीएम कोर्ट से जुड़े कुछ बाबुओं के रिश्तेदारों के नाम भी सामने आए हैं, जिसमे एसडीएम कोर्ट में तैनात एक स्टेनो की बेटी और एक सेवानिवृत्त बाबू के बेटे के नाम पर भी जमीन दर्ज होने की बात जांच में पाई गई है। इन कर्मियों की जांच के आदेश जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने दिए हैं। वहीं, एसडीएम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जिन दस्तावेजों के आधारों पर भूमि को निजी दिखाया गया, वो कूटरचित और अवैध हैं।

सरकारी भूमि को अपने कब्जे में लेने के लिए केडीए का चला बुलडोजर।

हरित क्षेत्र में तब्दील होगी ऊसर और बंजर जमीन

- एसडीएम सदर की कोर्ट ने 30 जनवरी को करीब 110 बीघा इस भूमि को दोबारा सरकार के नाम दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने पूरी जमीन केडीए को सौंपी। अब केडीए अधिकारियों के मुताबिक ऊसर और बंजर पड़ी इस भूमि को हरित क्षेत्र में तब्दील कर शहर को पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में तब्दील किया जाएगा। सिटी फारेस्ट परियोजना के तहत वृक्षारोपण, वाकिंग ट्रैक, जल संरक्षण संरचनाएं और जैव विविधता को बढ़ावा देने वाले पौधों का रोपण किया जाएगा।

कालोनी दिलाने के बहाने 3 लाख ठगे

कानपुर। जाजमऊ में कालोनी दिलाने के नाम पर पिता-पुत्र ने कई लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मानस विहार निवासी बसंत कुमार दीक्षित साइकिल पंचर बनाते हैं। उन्होंने बताया कि लाल बगिया तिवारीपुर निवासी अखिलेश कुमार और उनके बेटे राजकुमार से 2015 में मुलाकात हुई। इस दौरान आरोपियों ने उनको कांशीराम कॉलोनी सनिगवां में आसरा आवास योजना के तहत कॉलोनी दिलाने का आश्वासन दिया। उनसे पांच बार में दो लाख रुपये लिए। उनके पड़ोसी संजय पांडे से भी एक लाख रुपये लिए। फार्म भरवाने की बात पर टरकाते रहे। 2020 में जब अपने पैसे मांगे तो आरोपी ने धमकी दी।

> डायल 112 से घटना की सूचना मिली थी। मौके पर जांच-पड़ताल की गई है। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। घटना किसने और क्यों की? इसकी जानकारी की जा रही है। पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।
>
> -कासिम आब्दी, डीसीपी वेस्ट

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

आज आएंगे अखिलेश

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के आवास पर दोपहर 12 बजे पहुंचेंगे। यहां पर वह अध्यक्ष के बेटे व बहू को आशिर्वाद देंगे। इसके बाद वह कुछ प्रमुख विषयों पर चर्चा करेंगे।

महाशिवरात्रि पर बंद रहेंगी मीट की दुकानें

कानपुर। महाशिवरात्री के पर्व पर नगर निगम काफी अलर्ट हो गया है। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने शिवलाय मंदिरों पर सफाई व्यवस्था रखने के लिए निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। साथ ही एक एडवाइजरी जारी की है कि महाशिवरात्री पर रविवार को नगर की सभी गोस्त व मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

चार जगह पकड़ी चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने गुरुवार को साइकिल मार्केट व जीआईसी उपकेंद्र में हाई लाइन लॉस फीडरों पर लाइनलॉस को कम करने के लिए अभियान व शिकायतों के आधार पर चेंकिग की। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा ने बताया कि तलक महल में आमिर, किशवर जहां, अनीशा व जैनब पर बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही लोगों को बिजली चोरी न करने के लिए जागरूक भी किया गया।

विशेष संयोग में मनेगा महाशिवरात्रि पर्व, साधना के लिए उत्तम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इस बार उत्तराषाढ़ा और श्रवण नक्षत्र का विशेष संयोग
- 15 को मंदिरों में महाशिवरात्रि की तैयारियां तेजी से शुरू

अमृत विचार। महाशिवरात्रि का पर्व इस बार उत्तराषाढ़ा और श्रवण नक्षत्र के विशेष संयोग में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य इसे विशेष युग्म संयोग मान रहे हैं। शिवरात्रि पर शाम 7:48 तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र और उसके बाद श्रवण नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्धि व अन्य शुभ योग (व्यतीपात, वरियान) रहेंगे। जो पूजा-साधना के लिए उत्तम माने गए हैं। शहर में महाशिवरात्रि के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं।

पर्व पर ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 15 फरवरी को शाम में 5 बजकर 4 मिनट पर होगा। वहीं अगले दिन यानी 16 फरवरी को शाम में 5 बजकर 34 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। शास्त्रों के नियम के अनुसार महाशिवरात्रि का पर्व जब मनाया जाता है जब चतुर्दशी तिथि निशीथ काल का समय भी लग रही हो। ऐसे में 15 फरवरी को चतुर्दशी तिथि निशीथ काल के समय होने के कारण 15 फरवरी रविवार को ही महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा।

इस बार बना दुर्लभ संयोग

- महाशिवरात्रि पर सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन रहेगा। 15 फरवरी को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजकर 48 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। यह योग जीवन के सभी कार्यों में सफलता और उन्नति का संकेत देता है। इसके साथ ही व्यतीपात और वरियान योग भी बन रहे हैं। व्यतीपात योग पूरे दिन विद्यमान रहेगा, जो आध्यात्मिक साधना और मंत्र जाप के लिए अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है।

शिव पूजा का विशेष महत्व

- उत्तराषाढा और श्रवण नक्षत्र का संयोग शिव-शक्ति मिलन का प्रतीक है, जिससे सूर्य की ऊर्जा (तेज, सफलता) और चंद्रमा का फल (मानसिक शांति, शीतलता) दोनों प्राप्त होंगे और किए गए कार्यों में सिद्धि मिलेगी। इस योग में पूजा करने से जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और सफलता प्राप्त होगी। श्रवण नक्षत्र की शुरुआत 15 फरवरी को शाम 7 बजकर 48 मिनट पर होगा और 16 फरवरी की सुबह 8 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। श्रवण नक्षत्र को ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है। निशिता काल महाशिवरात्रि पूजा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण समय माना जाता है, निशिता काल मुहूर्त रात 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त दोपहर 12 बजे मिनट से 12 बजकर 45 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त और दोपहर 12 बजकर 59 मिनट से 2 बजकर 41 मिनट तक अमृतकाल रहेगा, जो पूजा और शुभ कार्यों के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है।

चार प्रहर की पूजा का अलग ही महत्व

- शास्त्रों में महाशिवरात्रि की रात के चारों प्रहर में शिव पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। प्रत्येक प्रहर की पूजा का अलग आध्यात्मिक फल होता है। चारों प्रहर की पूजा करने से धन, यश, स्थिरता, और संतान से जुड़ी बाधाओं से मुक्ति मिलने की मान्यता है।

राशि के अनुसार ऐसे करें पूजन

- **मेष:** गाय के कच्चे दूध में शहद मिलाकर अभिषेक करें।
- **वृष:** दही से अभिषेक। सफेद पुष्प, फल और वस्त्र चढ़ाएं।
- **मिथुन:** गन्ने के रस से अभिषेक करें।
- **कर्क:** दूध में शक्कर मिलाकर अभिषेक करें। सफेद वस्त्र, मदार का पुष्प चढ़ाएं।
- **सिंह:** शहद या गुड़ मिश्रित जल से अभिषेक करें।
- **कन्या:** गन्ने के रस से अभिषेक करें। भांग, धतूरा, मंदार का पत्र व पुष्प चढ़ाएं।
- **तुला:** शहद से अभिषेक करें। भाग, मंदार पुष्प चढ़ाएं।
- **वृश्चिक:** शहद युक्त तीर्थजल से अभिषेक करें।
- **धनु:** गाय के दूध में केसर मिलाकर अभिषेक करें।
- **मकर:** गंगाजल या गन्ने के रस से अभिषेक करें।
- **कुंभ:** गन्ने के रस से अभिषेक करें। दूर्वा, शमी, मंदार चढ़ाएं।
- **मीन:** केसर मिश्रित दूध से अभिषेक करें। केला और पीला पुष्प, फल व मिष्ठान चढ़ाएं।

आनंदेश्वर मंदिर में पुजारी से जानकारी लेते जिलाधिकारी। अमृत विचार

चार प्रहर का पूजा मुहूर्त

- पहला प्रहर 15 फरवरी की शाम 6 बजकर 1 मिनट से रात 9 बजकर 12 मिनट तक होगा। इसी तरह दूसरा प्रहर 15 फरवरी की रात 9 बजकर 12 मिनट से 16 फरवरी की रात 12 बजकर 22 मिनट तक होगा। उधर तीसरा प्रहर 16 फरवरी की रात 12 बजकर 22 मिनट से सुबह 3 बजकर 33 मिनट तक होगा। चौथा प्रहर 16 फरवरी को सुबह 3 बजकर 33 मिनट से 6 बजकर 44 मिनट तक रहेगा।

फूलों का श्रंगार होगा आकर्षण का केंद्र

- महाशिवरात्रि पर महादेव के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ के चलते तैयारियां शुरू हो गई हैं। इनमें खासतौर पर सुरक्षा तैयारियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। परमट स्थित आनंदेश्वर मंदिर, जागेश्वर महादेव मंदिर, वनखंडेश्वर मंदिर, नागेश्वर मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सजावट कार्य भी शुरू हो गया है। उधर स्वरूप नगर घंटाघर स्थित शिव मंदिर में होने वाली साधना सरगम नाईट के लिए भी तैयारियां अंतिम दौर में हैं। मंदिर में इस बार फूलों का विशेष शृंगार भक्तों के आकर्षण का केंद्र होगा।

डीएम ने किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाशिवरात्रि की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आनंदेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्व के दिन मंदिर आने वाले भक्तों की सुरक्षा इंतजाम को परखा। मंदिर में भक्तों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, सुरक्षा कर्मी व बैरियर संबंधी जानकारी ली। मंदिर की ओर से बरती जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी भी उन्होंने ली। इस दौरान उन्होंने पर्व पर किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने के आदेश दिए। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों से कहा है कि अन्य मंदिरों में भी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए ताकि लोगों को किसी तरह की समस्या न आए। उन्होंने जागेश्वर महादेव मंदिर, सिद्धनाथ मंदिर जाजमऊ, खेरेश्वर मंदिर व अन्य मंदिरों में भी व्यवस्था को बेहतर करने के आदेश दिए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान गर्मजोशी से अपनी आवाज उठाई गई। अमृत विचार

लाल झंडे के साथ किया गया प्रदर्शन। अमृत विचार

दादा नगर चौराहे पर श्रमिकों ने रास्ता रोका, नारेबाजी

चार लेबर कोड, मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के विरुद्ध बैंक, बीमा औप आयुध फैक्ट्रियों में भी प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्रीय श्रमिक संगठनों के साझा मंच की सरकार की कथित मजदूर, किसान विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक नीतियों के खिलाफ गुरुवार को आयोजित भारत बंद पर शहर में प्रतिरक्षा कारखानों, बैंकों तथा बीमा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन हुए। दादा नगर चौराहे पर श्रमिकों ने रास्ता रोककर नारेबाजी की।

दादा नगर चौराहे पर आयोजित सभा में पूर्व सांसद सुभाषिनी अली ने केंद्र सरकार की नीतियों पर हमला करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका से व्यापारिक समझौता कर देश की संप्रभुता को खतरे में डाला है। एटक के अध्यक्ष एवं संयोजक असित कुमार सिंह ने कहा कि जीवन-जीविका की रक्षा के लिए हम संगठित व असंगठित दोनों क्षेत्रों के मजदूरों को लामबंद कर करो या मरो की नीति पर तैयार हो रहे हैं।

वक्ताओं ने कहा कि चार नए लेबर कोड्स, निजीकरण, बढ़ती बेरोजगारी मनरेगा, बीज बिल और श्रमिक अधिकारों पर हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। ट्रेड यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि चार नए लेबर कोड मजदूरों के अधिकार छीनने का काम कर रहे हैं। इन कानूनों से यूनियन बनाने और सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार कमजोर हुआ है। हड़ताल प्रक्रिया को कठिन बना दिया गया है। इससे मालिकों को फायदा और मजदूरों को नुकसान होगा। ठेका प्रथा को बढ़ावा मिलने से स्थायी नौकरियों की संख्या घटेगी और असुरक्षा बढ़ेगी।

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस, हिंद मजदूर सभा, ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस, एआईयूटीयूसी और टीयूसीसी आदि संगठन विरोध प्रदर्शनों में शामिल रहे। एचएन तिवारी, पीएस बाजपेई, तारणि कुमार पासवान, राम सिंह, उमेश शुक्ला, गौरव दीक्षित, राजीव खरे, सुलेखा तिवारी, धर्मदेव, राणा प्रताप सिंह, आरडी गौतम, मीनाक्षी सिंह, रामप्रकाश राय, आरपी श्रीवास्तव, योगेश ठाकुर, प्रताप साहनी, रामशंकर मिश्रा, कैलाश पासवान, नवनीत कुमार, दशरथ लाल, अशोक कुमार मिश्रा, मंजेश कुमार ईमरान अहमद विनोद पांडे, महबूब आलम, अशोक तिवारी आर पी कन्नौजिया, धर्मेंद्र पासवान, जगदीश यादव, राजेश आज़ाद, इंदु वर्मा, लक्ष्मी निगम, रवि मलिक, अतर सिंह, मो खालिद अशोक सिंह, नीलम तिवारी, सीमा कटियार प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

विरोध प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की गई। अमृत विचार

- भारत बंद आह्वान का शहर के बाजारों, परिवहन सेवाओं और जनजीवन पर नहीं पड़ा असर

कानपुर डिवीजन इन्शयोरेंस इम्पलाइज एसोसिएशन ने क्षेत्रीय कार्यालय एलआईसी के बाहर प्रदर्शन किया। राजीव, अशोक तिवारी, मनोज कुमार तथा अमित मिश्रा ने प्रदर्शन की अगुवाई की। आयुध उपस्कर निर्माणी फूलबाग में किला मजदूर यूनियन और एच एंड एस फैक्ट्री इम्प्लाइज यूनियन के बैनर तले कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और एक घंटा देरी से निर्माणी में प्रवेश किया। समीर बाजपेई, ब्रजेश तिवारी, सियाराम, अनिल कुमार, नीरज सिंह, संतोष मिश्रा,राजेश कुमार, शिवम उपाध्याय, मिथिलेश प्रसाद, राकेश कुमार, दुर्गानंदन पटेल, विजय पाल, संदीप खन्ना, विनय यादव ने नेतृत्व किया।

पेंशनर्स ने भी प्रदर्शन करके पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। अपर श्रमायुक्त कार्यालय पर सेवानिवृत्त कर्मचारी एंव पेंशनर्स एसोसिएशन ने बीएल गुलाबिया के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। पनकी समाज पेंशनर्स के अध्यक्ष साहब दीन यादव, अशोक कुमार मिश्रा, साहब दीन यादव, हरिशंकर सिंह, आरपी श्रीवास्तव एडवोकेट, रविन्द्र कुमार मधुर, विजय बाल्मीकि, मन मोहन झा, राजेन्द्र कुमार द्विवेदी, चन्दहास सिंह चौहान शामिल रहे।

कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर और डॉक्टर के खिलाफ होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एक्सपायरी दवा से इलाज करने पर मरीज की मौत का आरोप
- सीजेएम कोर्ट में पीड़ित परिवार ने दायर किया था परिवाद

अमृत विचार। हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी) डायरेक्टर राकेश वर्मा और डॉक्टर के ऊपर एक्सपायरी डेट की दवा से इलाज करने का आरोप लगा है। मामले में सीजेएम कोर्ट ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

गुमटी क्षेत्र निवासी अंजू शुक्ला ने सीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल करते हुए कहा कि 13 अगस्त, 2025 को उनके पति राजेंद्र कुमार शुक्ला को सीने में दर्द हुआ जिसके बाद उनको कार्डियोलॉजी में भर्ती कराना पड़ा। वहां पर कई तरह की जांच की गई और उसके बाद बायपास सर्जरी कराने को कहा गया। अंजू शुक्ला का आरोप है कि संस्थान के डायरेक्टर और डॉक्टर्स ने उनके पति का ऑपरेशन किया और उस दौरान उनको ऐसी दवाइयां दी गई जो एक्सपायर हो चुकी थीं। एक्सपायर दवा की वजह से उनके पति को ब्रेन स्ट्रोक हो गया जिसके बाद कार्डियोलॉजी द्वारा उनको डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद वह अपने पति को लेकर शहर के शर्मा नर्सिंग होम गईं लेकिन जब वहां डॉक्टर ने जवाब दे दिया। इसके उपरांत वह पति को लेकर रीजेंसी अस्पताल गईं जहां 12 सितंबर, 2025 को उनके पति की मौत हो गई।

अंजू शुक्ला का आरोप है कि इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की जांच के लिए जनसुनवाई पोर्टल पर अर्जी भेजी लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली। डीएम और मंडलायुक्त ने पूरे मामले में जांच बैठाई लेकिन आज तक उसमें कोई रिपोर्ट नहीं आई। उन्होंने मुकदमा दर्ज करने के लिए पुलिस आयुक्त के यहां प्रार्थनापत्र दिया लेकिन वहां से भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। अंजू शुक्ला ने कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर राकेश कुमार वर्मा, डॉक्टर संदीप गौतम, डॉक्टर श्रीराज, डॉ आशीष मनोहर, नर्स मुस्कान और डायरेक्टर के पीए अरविंद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए सीजीएम सूरज मिश्रा की कोर्ट में अर्जी दाखिल की। पीड़िता की अर्जी पर कोर्ट ने आदेश किया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में पूरे प्रकरण की जांच अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ एवं परिवार कल्याण, कानपुर मंडल की अध्यक्षता में कराने का आदेश दिया। सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट ने आदेश किया कि अपर निदेशक डॉक्टर्स का पैनल गठित कर दिनांक 7 मार्च, 2025 तक अपनी जांच आख्या कोर्ट में प्रस्तुत करें।

फार्मास्युटिकल साइंसेज इनोवेशन की भूमिका अहम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय सम्मेलन

अमृत विचार। विकसित भारत के लिए औषधीय विज्ञान में नई शुरुआत विषय पर शुक्रवार यानी आज जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा। यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप होगा। प्रधानमंत्री ने इसे विशेष रूप से रेखांकित किया है कि किस प्रकार अनुसंधान एवं नवाचार को समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। इसमे देश के साथ ही विदेश के भी विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे।

गुजरात समिट के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कुछ दिनों पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिकों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर वैश्विक स्वास्थ्य एवं अनुसंधान सहयोग पर विशेष बल दिया। इसलिए विकसित भारत के लिए औषधीय विज्ञान में नए क्षितिज विषय पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में आज राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ.अजय कुमार शर्मा ने बताया कि ट्रांसलेशनल रिसर्च लैबोरेटरी की खोजों को असल दुनिया के हेल्थकेयर सॉल्यूशन से जोड़ता है। विकसित भारत के विजन में फार्मास्युटिकल साइंसेज इनोवेशन को सस्ती, आसान और असरदार थेरेपी में बदलने में अहम भूमिका निभाते हैं। सम्मेलन में उभरते ट्रेंड्स, इंटरडिसिप्लिनरी तरीकों और पॉलिसी पर आधारित इनोवेशन पर चर्चा की जाएगी। साथ ही एकेडेमिक्स, रिसर्चर्स, साइंटिस्ट्स और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को ट्रांसलेशनल फार्मास्युटिकल रिसर्च में तरक्की और भविष्य पर चर्चा होगी। सम्मेलन में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की एजुकेशन रेगुलेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दीपेंद्र सिंह, यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन से डॉ. निखिल कुमार, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की एक्जीक्यूटिव कमेटी से डॉ. विभू साहनी, जॉइंट डायरेक्टर डॉ. सचिन कुमार समेत विशिष्ट वक्ता शामिल होंगे। भारतीय फार्माकोपिया आयोग से डॉ.शशी भूषण, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान से डॉ.मनीष चौरसिया, केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान से डॉ. एनपी यादव, भीमराव केंद्रीय विवि से डॉ.गौरव कैंथवास भी आएंगे।

म्योर मिल नहीं, न्यू सिटी में बनाएं भवन

कानपुर। परेड स्थित म्योर मिल की जमीन पर मंडलीय कार्यालय खोलने की योजना परवान चढ़ने से पहले अब केडीए ने मंडलीय कार्यालय अपनी विकसित होने जा रही न्यू कानपुर सिटी में स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। केडीए न्यू कानपुर सिटी योजना लांच करने की तैयारी में जुटा है, और इलाके में सड़क, सीवर तथा अन्य अवस्थापना सुविधाएं जुटाने पर बड़ी रकम खर्च करने जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया की जा रही है।

योगी सरकार ने मंडल मुख्यालय वाले जिले में मंडलीय कार्यालय को मंजूरी दी है। करीब तीन सौ करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मंडलीय कार्यालय में 43 विभागों के मंडलीय कार्यालय एक ही परिसर में स्थापित किए जाएंगे। इससे जनता को एक ही स्थान पर सभी सरकारी सेवाएं उपलब्ध होंगी। इससे विभागों के बीच समन्वय बेहतर होगा और सरकारी कार्यों की गति में भी तेजी आएगी। मंडलीय कार्यालय परियोजना के लिए म्योर मिल परिसर शहर के बीचोंबीच होने के कारण प्रशासनिक दृष्टि से उपयुक्त माना गया था। यहां पर आधुनिक भवनों, मीटिंग हाल, पार्किंग, नागरिक सुविधा केंद्र और डिजिटाइज्ड रिकार्ड सिस्टम की व्यवस्था करने का प्रस्ताव है।

एयरपोर्ट में पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज का स्वागत करते भाजपा नेता। अमृत विचार

राहुल गांधी लोकतंत्र के लिए खतरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज ने कांग्रेस नेता पर साधा निशाना

अमृत विचार। राहुल गांधी देश के लिए बोझ हैं और लोकतंत्र के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। संसदीय प्रणाली की मर्यादा का पालन करने के बजाय राहुल गांधी संसद में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं। ये बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा में 99 सीटें आने के बाद राहुल गांधी को गलतफहमी है कि वे देश में कुछ भी बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अनर्गल बयानबाजी कर देश को गुमराह कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के हित में हुआ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने एक मजबूत और संतुलित डील की है। कुछ लोग इस समझौते को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। बंगाल की राजनीति पर कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा बहुमत से जीत दर्ज करेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी हार का आभास हो गया है, इसलिए वे चुनाव आयोग जैसे मुद्दों को जानबूझकर उठाकर माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं।

बैठक में चर्चा — शारदा योजना तहत विद्यालयों से जोड़े जाएंगे आउट ऑफ स्कूल बच्चे

अब नहीं रुकेगी प्रवासी श्रमिकों के नौनिहालों की पढ़ाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर में अन्य जिले व प्रदेश से आने वाले श्रमिकों के बच्चे अब शिक्षा से वंचित नहीं रह सकेंगे। उनको शारदा योजना के तहत (स्कूल हर दिन आए) शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा उनकी बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी ठोस निर्णय लिए जा सकेंगे। इसके संबंध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने की बैठक की। कहा कि ईंट व भट्ठों पर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं होने दी जाएगी।

बैठक करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकांश श्रमिक उड़ीसा, बिहार समेत अन्य प्रदेशों से नवंबर-दिसंबर में जिले में आते हैं और कुछ माह कार्य करने के बाद वापस लौट जाते हैं। इस कारण उनके बच्चों की शिक्षा निरंतर नहीं रह पाती। ऐसे सभी बच्चों का चिन्हीकरण कर उन्हें शारदा योजना तहत विद्यालयों से जोड़ा जाए। नामांकन से पहले बच्चों को ब्रिज कोर्स कराया जाएगा और इसके बाद आयु संगत कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवासन की स्थिति में बच्चों को टीसी, अंकपत्र व अन्य आवश्यक अभिलेख समय से उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वह अपने गृह जनपद में भी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें। जिलाधिकारी ने बीएसए को निर्देश दिया कि सभी चिन्हित बच्चों का निकटवर्ती परिषदीय विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित किया जाए और उनका आधार पंजीकरण भी कराया जाए। वहीं, उन्होंने ईंट-भट्ठा स्थलों पर श्रमिकों और उनके बच्चों के लिए क्रेच, खेल क्षेत्र, स्वच्छ पेयजल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी भी दशा में श्रम न कराया जाए और श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल ने बताया कि बिल्ड एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर (बीओसीडब्ल्यू) के अंतर्गत जिले में 10,032 श्रमिक पंजीकृत हैं। उन्होंने भट्ठा मालिकों से सभी श्रमिकों का अनिवार्य पंजीकरण कराने का आग्रह किया, जिससे उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान ईंट-भट्ठा एसोसिएशन से गोपी श्रीवास्तव, सुभाष महाना, राकेश वर्मा, जागृति बाल विकास समिति की विजया रामचंद्रन व अधिकारी रहे।

सिटी ब्रीफ

कर्मचारियों ने दिया धरना

कानपुर। आयकर कर्मचारी महासंघ एवं आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ की ओर से गुरुवार को धरना देकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कर्मचारी अपनी मांगों से संबंधित नारे भी लगा रहे थे। बीस सूत्रीय मांगों पर कर्मचारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगे जल्द ही नहीं पूरी की जाती है तो बड़े प्रदर्शन को बाध्य होंगे। आयकर भवन सिविल लाइंस में आयोजित धरने में वक्ताओं ने कहा कि हर हाल में सरकार को मांगों का निदान करना होगा। इस दौरान राघवेन्द्र सिंह, सुनील कुमार, एसके वर्मा, शरद प्रकाश अग्रवाल, शांति भूषण मिश्रा, शिवेन्दु श्रीवास्तव, पंकज यादव, अमित आनंद पाण्डेय सहित अन्य मौजूद रहे।

एरोमा उद्योग पर दी जागरूकता

कानपुर। विस्तार इकाई सुगन्ध एवं सुरस विकास केन्द्र ने डॉ अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फ़ॉर दिवांगजन अवधपुरी में एरोमा एवं इससे संबंधित उद्योग पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में संकाय के डीन डॉ ओमहरी ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान सीएसजेएमयू के इन्क्यूबेशन सेंटर के इन्क्यूबेशन प्रबंधक अनिल त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को नवाचार व स्टार्टअप के बारे में बतलाया। विस्तार इकाई, सुगन्ध एवं सुरस विकास केन्द्र, कानपुर के प्रभारी डॉ भक्ति विजय शुक्ला ने सुगन्ध व सुगंधित तेलों के बारे में तथा इससे संबंधित उद्योगों के बारे में चर्चा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से की।

गोद में शिशु संग भागवत कथा

कानपुर। बर्रा जरौली फेस-1 क्षेत्र में चल रहे आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आयोजन के पंचम दिवस पर कृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कथा व्यास पं. विवेक मिश्रा एवं आचार्य पं. विनोद शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप और लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान क्षेत्र निवासी शुभम शुक्ला के पुत्र ओम को कृष्ण रूप में सजाकर मंच के समीप लाया गया। व्यास पं. विवेक मिश्रा ने शिशु को गोद में लेकर कुछ समय तक कथा प्रवचन जारी रखा, जिससे पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। आयोजन के यजमान प्रशांत मिश्रा (परीक्षित) ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों का प्रसार करना है। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अब पॉलीटेक्निक करने के बाद मिलेगी सीधे नौकरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- संस्थान में छात्रों के लिए खुलेंगे एक्सीलेंस सेंटर, टाटा कंपनी के साथ एमओयू
- बजट में 72 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी, इस साल खुलेंगे 45 नए एक्सीलेंस सेंटर

अमृत विचार। प्रदेश की योगी सरकार की कौशल संवर्धन पहल से पॉलिटेक्निक छात्र-छात्राएं अब पढ़ाई पूरी होते ही कंपनी में काम शुरू करने लायक बनेंगे, उन्हें डिप्लोमा के बाद अलग से किसी ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होगी।

सरकार ने इसके लिए पॉलीटेक्निक संस्थानों में टाटा एक्सीलेंस सेंटर खोलने का फैसला लिया है। बजट प्रावधान के अनुसार पॉलीटेक्निक छात्रों के लिए इस साल 45 नए टाटा एक्सीलेंस सेंटर खोले जाएंगे। इससे हर जिले में अच्छी स्किल ट्रेनिंग उपलब्ध होगी। इस कदम का मकसद बच्चों को डिग्री के साथ नौकरी लायक तकनीकी स्किल प्रदान करना है। वर्तमान में प्रदेश के पॉलिटेक्निक संस्थानों में 45 टाटा एक्सीलेंस सेंटर चल रहे हैं, अब 45 नए सेंटर और खुलेंगे। योजना के मुताबिक कुल 121 सेंटर खोलने का लक्ष्य है।

क्यों खास है यह पहल: छात्रों को असली मशीनों पर प्रैक्टिस कराकर किताब से ज्यादा हाथों-हाथ काम सिखाया जाएगा। वर्तमान में सबसे ज्यादा डिमांड वाली स्किल्स जैसे एआई, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, फैक्ट्री टेक्नोलॉजी पर जोर रहेगा। छात्र-छात्राएं पढ़ाई पूरी होते ही कंपनी में काम शुरू करने लायक बनेंगे, अलग से ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होगी।

सेंटर क्या सिखाएंगे

- टाटा एक्सीलेंस सेंटर में पढ़ाई का तरीका अलग होगा। यहां बच्चों को सिर्फ क्लास में बैठाकर पढ़ाया नहीं जाएगा, बल्कि स्किल डेवलपमेंट के तहत सीधे काम सिखाया जाएगा। छात्रों को उन्नत मशीनों और उपकरणों पर काम करना सिखाया जाएगा, ताकि उन्हें इंडस्ट्री में जाकर किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

शहर को मिलेगा फायदा रुकेगा छात्रों का पलायन

- शहर में बड़ी संख्या में छोटी-बड़ी फैक्ट्रियां और प्रतिष्ठान हैं। योगी सरकार की इस पहल से स्थानीय युवाओं को सही स्किल मिल गई, तो उन्हें नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद जैसे औद्योगिक शहरों के अलावा गुजरात जैसे बाहरी राज्य जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे छात्रों का पलायन रुकेगा। लोकल लेवल पर जॉब के मौके बढ़ेंगे।

स्मार्ट क्लास और नई लैब

- एक्सीलेंस सेंटर्स में पढ़ाई का तरीका नया और आधुनिक होगा। इनमें स्मार्ट क्लासरूम, नई लैब और डिजिटल ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया जाएगा।

> सरकार की मंशा है कि पॉलिटेक्निक की पढ़ाई पूरी होते ही छात्र सीधे नौकरी के लायक बन जाएं। एक्सीलेंस सेंटर्स छात्रों को नई स्किल्स देंगे, उन्हें उद्योग की जरूरत के मुताबिक तैयार करेंगे और रोजगार के नए रास्ते खोलेंगे।
>
> – अजीज अहमद, निदेशक, प्राविधिक शिक्षा निदेशालय।

आईआईटी में एआई का दिया जाएगा प्रशिक्षण

कानपुर। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश की योगी सरकार ने बजट में 49 आईटीआई में एआई लैब की स्थापना के लिए 8.82 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। शहर स्थित आईटीआई में आधुनिक कंप्यूटर लैब की सुविधा पहले से ही उपलब्ध है। यहां कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट की पढ़ाई भी कराई जाती है। शहर स्थित भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) का प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। यहां की आधुनिक प्रयोगशालाएं डिजिटल टेक्नोलॉजी और सूचना प्रौद्योगिकी) पर आधारित हैं।

फिल्म फेस्टिवल के बारे में जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

शहर के युवाओं को मिलेगा फिल्मी कॅरियर मंच

कानपुर। शहर के युवाओं को फिल्म जगत में कॅरियर बनाने के लिए नोएडा या महानगरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। चित्रा फिल्म्स एंड ए एस मूवीज प्रोडक्शन ने कानपुर फिल्म फेस्टिवल की घोषणा की। आयोजकों ने बताया कि अप्रैल में इस फेस्टिवल में प्रदेश भर के फिल्म निर्माता अपनी लघु फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और फीचर फिल्म प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 3 मार्च है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं की फिल्मों को मंच दिया जाएगा, जिससे स्थानीय कलाकारों, लेखकों, निर्देशकों और तकनीशियनों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। भविष्य में कानपुर में फिल्म स्कूल खोलने की योजना भी साझा की, जहां अभिनय, फिल्म निर्माण, एडिटिंग, संगीत और प्रोडक्शन से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर सुरेश कुमार सचान, सुरेश राघव, अजित मिश्रा, सागर रंजन, नीरज शुक्ला, अरविंद अग्निहोत्री और राहुल सिंह आदि रहे।

एलुमनाई टॉक में बताया गया कामयाबी का फंडा

विश्वविद्यालय में पूर्व छात्रों ने साझा किए अपने खास अनुभव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यक्रम में डॉ. अवध दुबे को सम्मानित करते सिधांशु राय। अमृत विचार

अमृत विचार। सीएसजेएम विश्वविद्यालय में गुरुवार को पूर्व छात्रों ने युवाओं से अनुभव बांटे। इस दौरान विशेष टॉक शो के जरिए युवाओं को सफलता के मंत्र दिए गए। दूसरे आयोजन में एलुमनाई ने अपनी कला का प्रदर्शन कर युवाओं को महत्वपूर्ण टिप्स दिए।

स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) में 'एलुमनाई टॉक : रोडमैप फॉर सक्सेस' आयोजित हुई। एलुमनाई एसोसिएशन के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एएस प्रसाद, एसबीएम निदेशक प्रो. सुधांशु पाण्डया, निदेशक एलुमनाई डॉ सिधांशु राय व निदेशक कैंपस एलुमनाई डॉ. विवेक सचान ने कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्य वक्ता एवं विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र डॉ. एएस प्रसाद ने 'सफलता के रोडमैप' विषय पर विचार साझा किए। कहा कि सफलता आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। दूसरों से तुलना न करें। उन्होंने सफलता के मूल गुणों जैसे कृतज्ञता, सहानुभूति और समाज को वापस देने की भावना पर विशेष बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमताओं को पहचानने और उन्हें विकसित करने के लिए प्रेरित किया। एसबीएम निदेशक प्रो. सुधांशु पाण्डया ने कहा कि ऐसे टॉक विद्यार्थियों को व्यावहारिक मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने करियर पथ को अधिक स्पष्टता से निर्धारित कर पाते हैं। कार्यक्रम में टाई यूपी अध्यक्ष डॉ. राव विक्रम सिंह, डॉ. अलका शर्मा, डॉ. अर्पणा कटियार, डॉ. वारशी सिंह, डॉ. चारु खान सहित प्रबंधन संकाय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वॉटर कलर डेमोस्ट्रेशन

- इंस्टीट्यूट ऑफ़ फाइन आर्ट्स की ओर से स्वतंत्र चित्रकार शशांक शुक्ला ने वॉटर कलर डेमोस्ट्रेशन किया। उन्होंने वॉटर कलर की क्रिया-विधि एवं कार्य-पद्धति को प्रारंभिक स्तर से उच्च स्तर तक विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष एक आकर्षक लैंडस्केप चित्र का सृजन करते हुए रंग-संयोजन, ब्रश तकनीक, प्रकाश-छाया प्रभाव, संरचना की बारीकियों को व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। अमृत विचार

विद्या के आंगन में खूब चमके नन्हे सितारे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कैण्डी फ्लास प्रीस्कूल ने प्लेग्रुप के बच्चों के लिए 'फर्स्ट स्टेप स्टेज एक्टिविटी' का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद अध्यापिकाओं द्वारा बनाये गये रंग-बिरंगे कागजों की पोशाक पहन कर ''प्ले ग्रुप'के छात्रों ने विभिन्न बाल गीतों पर प्रस्तुति दी। इसी तरह 'स्टोरी लैण्ड' और 'एनिमल किंगडम' थीम पर फैशन शो भी बच्चों की ओर से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने 'नॉडी, सिंड्रेला, रॉबिनहुड, पोर्क्यूपाइन, फ्लेमिंगों इत्यादि का रूप धारण कर सभी दर्शकों की प्रशंसा प्राप्त की। समारोह में एक के बाद एक विभिन्न प्रस्तुतियों ने स्वराज इण्डिया प्रेक्षागार में उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों के शानदार प्रदर्शन से प्रभावित होकर विद्यालय की निदेशिका प्रेरणा मुसद्दी ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास की वृद्धि होती है तथा उनके मन में मंच के प्रति झिझक भी समाप्त हो जाती है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आशीष कुमार पुत्र शंकर लाल (ASHISH kumar S/O SHANKAR LAL) दर्ज है। जो कि सही है। जब कि ड्राइविंग लाइसेंस में ASHIS KUMAR S/O SHANKAR LAL गलत दर्ज हो गया। इसलिए आधार कार्ड के आधार पर मेरा सही नाम ASHISH kumar S/O SHANKAR LAL ही है। **आशीष कुमार पुत्र शंकर लाल निवासी– सुनवरसा, तहसील मैथा, जनपद– कानपुर देहात**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन–1985 अनुक्रमांक–1199022 का प्रमाण–पत्र वास्तव में खो गया है। MOHAMMAD SAIF (मोहम्मद सैफ़) पुत्र AFZAL AHMAD (अफजाल अहमद), निवासी–म0नं0–107/44, बाइसी की मस्जिद, लखनऊ, उ0प्र0–226001

सूचना

मेरा नाम राज कुमार श्रीवास्तव था जिसे बदल के मैंने राज कुमार रखा है अत: मुझे राज कुमार के नाम से जाना और पहचाना जाए। **राज कुमार पुत्र कृष्ण मोहन, निवासी– ग्राम अंधियारी तहसील मनकापुर पोस्ट अंधियारी, अंधियारी गोंडा उत्तर प्रदेश–** 271302

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम CHANDRA PRAKASH GUPTA था से बदलकर CHANDRA PRAKASH रख लिया है। अब मुझे CHANDRA PRAKASH के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-VISHVA NATH GUPTA, ADD-94/109, NEAR SAI BABA MANDIR NAVAIYA GANESHGANJ PARK AMINABAD DIST-LUCKNOW-226018 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम TABREZ AHMAD KHAN था से बदलकर TABREZ AHMED KHAN रख लिया है। अब मुझे TABREZ AHMED KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHABBIR AHMED KHAN ADD-314, SITALAPUR MANKAURA NUNGO SHITLAPUR DIST-BALRAMPUR-271208(U.P.)

Public Notice

Delisha Anwar daughter of Lt. Sabir Anwar Siddiqui is now to be known as Dalisha Anwar Siddiqui as her name has been corrected in the school records as it was a manual error done by her parents.

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SHAHAVAN से बदलकर SAHBAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। FATHER NAME -IRFAN ADD-VILLAGE SARKATIYA POST AND PS-RUDAULI DIST-AYODHYA-224120 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MITHILESH KUMAR SHARMA था से बदलकर MITHILESH SHARMA रख लिया है। अब मुझे MITHILESH SHARMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJESH SHARMA ADD-76 BADHAI TOLA PO-MATHIA-BUZURG DIST-KUSHINAGAR-274802 (U.P.)

सूचना

पहले मेरा नाम RAKESH KUMAR था अब मैने बदलकर अपना नाम RAKESH KUMAR JAISWAL रख लिया है भविष्य में मुझे RAKESH KUMAR JAISWAL के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- ISHWAR CHANDRA JAISWAL R/O- WARD N0 7 BILTHARA ROAD, PO- BILTHARA ROAD, DISTT- BALLIA UTTAR PRADESH- 221715

सूचना

मैं **पिन्की गुप्ता पत्नी ललित कुमार गुप्ता निवासिनी 5/417, विकास नगर, लखनऊ, उ0प्र0,** सर्वसाधारण को विदित करना है कि पिन्की सिंह, श्री ललित कुमार गुप्ता की पत्नी हैं। इनके नाम में पिन्की सिंह के स्थान पर पिन्की गुप्ता जाना जाए।

सूचना

मैं सचिन यादव घोषित करता हूँ कि मेरी द्वितीय वर्ष की अंक तालिका 5 फरवरी को जिसका रोल नं 210721 है। यह (बीबीएयू) बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ की है और गुम हो गयी है। यदि किसी को मिलती है, तो कृपया निम्नलिखित पते पर सूचित करने का कष्ट करें : सचिन यादव 7985877251 आप बीबीएयू के परीक्षा विभाग को भी सूचित करा सकते हैं।

मेले में 38 युवा हुए शॉर्टलिस्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

युवाओं का साक्षात्कार लेते कंपनी के प्रतिनिधि। अमृत विचार

अमृत विचार। दिव्यांगजन रोजगार अभियान के तहत गुरुवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाण्डुनगर में दिव्यांग रोजगार मेला आयोजित हुआ। रोजगार मेले में 59 युवाओं ने साक्षात्कार दिया। रोजगार मेले में सोशल रिसर्च फाउंडेशन, जमेटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एस वर्ल्ड, डॉ. रेड्डी फाउंडेशन ग्रुप सहित अन्य 6 निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार लिया।

इसके अलावा एजु स्किल्स सल्यूशन की ओर से ऑनलाइन इंटरव्यू आयोजित किए गए। जिसमें 29 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कंपनी द्वारा लिया गया। प्रारंभिक चयन प्रक्रिया के बाद 38 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। बचे अभ्यर्थियों के परिणाम की प्रतीक्षा की जा रही है। रोजगार मेले में प्रमुख रूप से संयुक निदेशक आरके मौर्य, नोडल प्रधानाचार्य हरीश कुमार मिश्रा, प्लेसमेंट अप्रेंटिस सेल प्रभारी रिज़वान अहमद, विवेक कुमार शुक्ला व अमित दीक्षित मौजूद रहे।

नशामुक्ति पदयात्रा 14 को निकलेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा कानपुर ने के केंद्रीय प्रवक्ता रमेश चन्द्र मिश्रा ने बताया कि भगवती मानव कल्याण संगठन का गठन धर्मसम्राट युगचेतनापुरूष शक्तिपुत्र महाराज ने धर्म, राष्ट्र व मानवता की सेवा के लिए किया है। 14 फरवरी को नशामुक्त परिवार खुशहाल भारत अभियान के तहत संगठन विशाल नशामुक्त जनजागरण पदयात्रा का आयोजन कर रहा है। पदयात्रा रामलीला मैदान गोविंद नगर से शुरू होकर चावला चौराहा, पापुलर चौराहा, बारादेवी चौराहा, साइड नंबर एक होकर मार्बल मार्केट, किदवई नगर चौराहा होते हुए किदवई नगर स्थित आयुर्वेदिक मैदान में सम्पन्न होगी। यात्रा में केंद्रीय अध्यक्ष पूजा शुक्ला, महासचिव अजय अवस्थी व सिद्धाश्रम चेतना आरूणी शामिल होंगे। वार्ता में प्रांतीय निरीक्षक राजा अवस्थी, रामेंद्र तोमर, जिलाध्यक्ष अनूप बाजपेयी, जिलाध्यक्ष चन्द्रेश सिंह, महिला जिलाध्यक्ष सीमा उत्तम आदि रहे।

रुक्मिणी विवाह की झांकी ने मन मोहा

कानपुर। श्री सालासर बालाजी महिला मंडल व श्री सांवरिया महिला मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस कथाव्यास भागवत भाष्कर श्रीकृष्णचंद्र शास्त्री ने कहा कि जहां सभी रस एकीभूत हो जाएं उसे रास कहते हैं। जब श्री कृष्ण ने अपनी बांसुरी निनाद किया तब सभी गोपियां अपने घर के सारे काम काज छोड़ कर श्रीकृष्ण के पास चली आईं उसे महारस कहते हैं। उन्होंने कहा ये गोपियां साधारण नहीं हैं। ये वेद की ऋचायें हैं, साधन सिद्धा, स्वयं सिद्धा, गंधर्व कन्या, मत्स्य कन्या आदि लाखों गोपियां भागवान श्री कृष्ण की बांसुरी सुन कर आईं। फिर भगवान ने सभी गोपियों के साथ रास विहार किया। आगे कथा कंस मर्दन की कथा के साथ उद्धव गोपी संवाद का विस्तार से वर्णन किया। रुक्मिणी विवाह बड़े धूमधाम से मनाया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

शैक्षणिक भ्रमण | सीएसजेएमयू के छात्रों ने समझी विधानसभा की कार्यप्रणाली, विधानसभा अध्यक्ष ने किया संवाद

स्वस्थ पत्रकारिता ही लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से बातचीत करते छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों ने गुरुवार को विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विधानसभा का कामकाज समझा। युवाओ ने भ्रमण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष से भी बातचीत की, जिसमें उन्होंने कार्यवाही से संबंधित बारीकियां जानी।

विधानसभा पहुंच सभी छात्रों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान छात्रों ने विधानसभा के सेंट्रल हॉल, दर्शक दीर्घा, मीडिया गैलरी और समिति कक्ष का अवलोकन किया। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे के नेतृत्व में विधानसभा के अधिकारियों की ओर से छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार विधेयक प्रस्तुत किए जाते हैं, उन पर चर्चाएं होती है। इसके साथ ही प्रश्नकाल, शून्यकाल और सदन की कार्यवाही के नियमों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। विधानसभा भ्रमण कार्यक्रम के तहत पहुंचे पत्रकारिता के छात्रों को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पत्रकारिता की जिम्मेदारियों एवं कर्तव्यों के बारे में भी बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी भूमिका समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण है। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी छात्रों से बातचीत करते हुए कहा कि पत्रकार का दायित्व केवल समाचार प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि सत्य, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज की आवाज बनना है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पत्रकारिता ही स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला होती है। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आज के डिजिटल युग में सूचनाओं की गति तेज है, ऐसे में पत्रकारों को और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। बिना तथ्यों की पुष्टि के समाचार प्रसारित करना समाज को भ्रमित कर सकता है, इसलिए सत्यापन और नैतिक मूल्यों का पालन अनिवार्य है। भ्रमण में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ दिवाकर अवस्थी कहा कि पत्रकारिता पाठ्यक्रम के तहत संसदीय पत्रकारिता के व्यवहारिक पहलुओं को समझने एवं सीखने के उद्देश्य से यह शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान सहायक आचार्य डॉ हरिओम कुमार, सह आचार्य डॉ योगेंद्र पांडेय, विधानसभा अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार श्रीधर अग्निहोत्री, आशीष शर्मा व पत्रकारिता के 21 छात्र उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, जनपद-कन्नौज

पत्रांक– 1060/ न0पा0प0, गुर0गंज / (2025–26) दिनांक: 12/2/26

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज कन्नौज द्वारा वेबसाइट डेवलपमेंट करने वाली समस्त भिज्ञ एजेंसियों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि सफाई व्यवस्था को सुदृढ बनाए जाने हेतु नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज कन्नौज अंतर्गत पालिका में साफ्टवेयर एवं उसका सब्सक्रिप्शन तैयार किए जाने का कार्य कराया जाना है। जिसकी निविदा समाचार में प्रकाशन की तिथि से लेकर दिनांक 25 फरवरी 2026 अपराह्न 2: 00 बजे तक नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज में सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त निविदाओं दिनांक 25 फरवरी 2026 अपराह्न 3: 00 बजे इच्छुक उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र इस कार्यालय से दिनांक 24 फरवरी 2026 अपरान्ह 5: 00 बजे तक नगर पालिका के निर्माण पटल से प्राप्त की जा सकती है। निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी में निहित है। अवकाश होने की स्थिति में उक्त निविदाओं की कार्रवाई अगले कार्य दिवस पर पूर्ण की जाएगी। निविदा के संबंध में नियम व शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में संबंधित निर्माण पटल से प्राप्त की जा सकती है। कार्य का विवरण निम्नवत है।

क्र0सं0	कार्य का नाम	ईएमडी धनराशि	निविदा शुल्क
1	डोर टू डोर कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन, प्रोसेसिंग फैसिलिटी के मोनिटरिंग कार्य हेतु स्कोप के अनुसार RFID टैग की आपूर्ति एवं इंस्टालेशन, मोबाइल ऐप एवं वेब–डैशबोर्ड डेवलपमेंट, सर्वर होस्टिंग एवं डेटा सिक्योरिटी, यूजर ट्रेनिंग (वेस्ट कलेक्टर, सुपरवाइजर), AMC, टेक्निकल सपोर्ट, रिपोर्टिंग एवं कस्टम एनालिटिक्स का कार्य	Rs 50,000.00	Rs- 500.00

(अनिल कुमार)
अधिशासी अधिकारी

(मुन्नीदेवी)
अध्यक्ष

न्यूज ब्रीफ

शौच के लिए गए अधेड़ की छत से गिरकर मौत

उन्नाव, अमृत विचार। उल्टी व दस्त से ग्रसित अधेड़ की शौचालय जाते समय पैर फिसलने से छत से गिरकर मौत हो गई। पुरवा कोतवाली के अंगनुआ खेड़ा गांव निवासी महावीर (58) खेती करता था। भाई मन्नू लाल ने बताया कि बीते बुधवार को महावीर का स्वास्थ्य खराब था। उल्टी व दस्त आने से वह भोर पहर छत पर बने शौचालय में शौच के लिए गया था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह छत से नीचे गिर कर गंभीर घायल हो गया। परिजन उसे गंभीर हालत में शहर के एक निजी अस्पताल लाए जहां से देर शाम उसे डॉक्टर ने हैलट भेज दिया। परिजन उसे लेकर जा रहे थे तभी शुक्लागंज के पास उसकी मौत हो गई। इस पर शव लेकर परिजन घर लौट गए। पति की मौत की खबर से पत्नी बसंती बेहाल हो गई। उसके दो बच्चों में बेटा योगेश पैर से दिव्यांग है। बेटी रानी की शादी हो गई है। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि भाई के प्रार्थना पत्र पर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों ने छत से गिरने की बात बताई है।

मिट्टी खनन में ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, केस दर्ज

बांगरमऊ, अमृत विचार। ग्राम कलवारी में पुलिस ने छापेमारी कर अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली। जबकि ट्रैक्टर चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर भाग गया। थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि जब्त की गई ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाने लाया गया है। ट्रैक्टर मालिक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार चालक की तलाश जारी है। बिना अनुमति के मिट्टी का खनन करने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बैंक हड़ताल से 200 करोड़ का लेनदेन ठप

श्रम कानूनों के खिलाफ कर्मचारियों ने की नारेबाजी, आरपार की लड़ाई की दी चेतावनी

संवाददाता, उन्नाव

बैंक के बाहर नारेबाजी करते बैंक कर्मी। अमृत विचार

अमृत वचिार। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन और बैंक एम्प्लॉई फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त आह्वान पर गुरुवार को बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह चरमरा गईं। यूपी बैंक एम्प्लॉईस यूनियन के बैनर तले जिले के बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने पंजाब नेशनल बैंक, हाकिम टोला शाखा पर एकत्रित होकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन की अध्यक्षता कर रहे सत्यजीत सिंह ने कहा कि सरकार की नीतियां मजदूर विरोधी हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हम तब तक लड़ेंगे जब तक जीत हासिल न कर लें। यूएफबीयू के जिला संयोजक दीपक तिवारी ने नए श्रम कानूनों पर कहा कि ये कानून मजदूरों के हित में नहीं बल्कि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाए गए हैं। उन्होंने मांग की कि तथाकथित सरलीकरण के नाम पर किए गए इन बदलावों को सरकार तुरंत वापस ले। यूपी बैंक एम्प्लॉईस यूनियन के जिला मंत्री दीपक कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन के कारण जिले में बैंकिंग कामकाज पूरी तरह ठप रहा, जिससे लगभग 200 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन प्रभावित हुआ है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के दावों को भी सरकार का महज एक छलावा करार दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर नारेबाजी की और सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन में पंकज कुमार, बीडी सिंह, श्वेता सिंह, बुधवीर सिंह, नैंसी सोनी, ओमजी, नीरज, गणेश गुप्ता, अमित कुमार, दिनेश कुमार गौतम, विकास पटेल, कार्तिकेय, अजय प्रताप, रितेश गुप्ता, सुनील, विनीत, जितेंद्र समेत अन्य बैंक कर्मी शामिल रहे।

2 तहसीलों के 33 परीक्षा केंद्रों की उत्तर पुस्तिकाएं बांटी गईं

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- 18 फरवरी से शुरू होंगी 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित होंगी। इसके लिए गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज से दो तहसीलों के 33 परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापकों को उत्तर पुस्तिकाएं वितरित की गईं।

प्रधानाचार्य परमात्मा शरण ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या कम प्राप्त होने के कारण फिलहाल हाईस्कूल में चार दिन तथा इंटरमीडिएट में तीन दिन की परीक्षा के लिए छात्र संख्या के अनुपात में कॉपियां उपलब्ध कराई गई हैं। शेष उत्तर पुस्तिकाएं बाद में उपलब्ध कराई जाएंगी। केंद्र व्यवस्थापकों के प्रतिनिधियों ने दो चरणों में वितरण पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे आने-जाने का अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा, क्योंकि कॉपियां लाने के लिए अलग वाहन की व्यवस्था करनी पड़ती है। प्रधानाचार्य ने बताया कि शुक्रवार को हसनगंज, सफीपुर व बांगरमऊ तहसील के केंद्रों तथा शनिवार को सदर तहसील के परीक्षा केंद्रों को उत्तर पुस्तिकाएं वितरित की जाएंगी।

अनियंत्रित ई-रिक्शा खाई में पलटने से चालक की मौत

मृतक संतोष का फाइल फोटो।

बांगरमऊ, अमृत विचार। बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के संडीला मार्ग पर गुरुवार सुबह एक अनियंत्रित ई-रिक्शा सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरा, जिसके नीचे दबने से चालक संतोष कुमार पाल (35) की मौत हो गई। इस हादसे ने तीन बच्चों के सिर से माता-पिता दोनों का साया छीन लिया है।

ग्राम शादीपुर निवासी संतोष कुमार पाल गुरुवार सुबह करीब 7 बजे एक कीर्तन मंडली को छोड़कर वापस लौट रहा था। बेहटा गांव के पास अचानक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गया। संतोष रिक्शे के नीचे दबकर करीब दो घंटे तक तड़पता रहा, बेहटा मुजावर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। संतोष की मौत के बाद अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। संतोष की पत्नी रीना का करीब 6 साल पहले निधन हो गया था। उसका 12 वर्षीय बेटा अभिषेक उसके साथ रहता था। अन्य दो बच्चे विवेक (14) और वंदना (8) ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

चयनित एआरपी 3 दिन में कार्य भार ग्रहण करें

उन्नाव, अमृत विचार। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पांडेय ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिन शिक्षकों का चयन एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) पद पर हुआ है, वे अपने विद्यालय से कार्यमुक्त होकर तीन दिन के भीतर संबंधित बीआरसी में कार्यभार ग्रहण करें। निर्धारित समय में कार्यभार न लेने पर उनका चयन निरस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सामाजिक विषय में आलोक कुमार कुशवाहा का चयन ब्लॉक बांगरमऊ तथा शिखा सिंह का चयन ब्लॉक औरास में हुआ है। गणित विषय में मनीष मिश्रा (औरास) चयनित हुए हैं। विज्ञान विषय में ज्योति (सुमेरपुर) एवं अन्नपूर्णा दीक्षित (असोहा) का चयन हुआ है। वहीं हिंदी विषय में धर्मेंद्र यादव (नवाबगंज), प्रमोद कुमार सिंह (हसनगंज) तथा राममिलन (औरास) को संबंधित बीआरसी में कार्यभार ग्रहण करना है।

सड़क हादसों में वृद्ध सहित तीन लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अलग-अलग क्षेत्रों में तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। वहीं अन्य सड़क हादसों में कावड़ियों सहित अन्य लोग गंभीर घायल हो गए है। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

पुरवा कोतवाली क्षेत्र के तुसरौर गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद (70) पुत्र रामेश्वर मिश्रा गुरुवार सुबह करीब पांच बजे शौच क्रिया के लिए सड़क पार कर रहे थे। तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। खेत में पानी लगा रहे गांव के युवक मुकेश ने बताया कि हादसे के बाद जब कोई पहुंचता तभी पीछे से आया अज्ञात वाहन ने शव को रौंदते हुए करीब 2 किमी आगे बिल्लेश्वर मंदिर तक घसीटता ले गया। इससे शव क्षत-विक्षत हो गया। हादसे की खबर मिलते पत्नी बिटना, बेटे रामकिशोर, श्याम किशोर बेहाल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुरवा कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि बेटे की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोडर की टक्कर से रायबरेली के युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार। रायबरेली के रमुआपुर दुबाई गांव के मजरा ठाकुरपुर सचिन मिश्रा (32) पुत्र विनोद कुमार बुधवार को बिहार कस्बा में एक शादी में शामिल होने आया था। जहां से देर रात लौटने समय बिहार थानाक्षेत्र के उन्नाव-लालगंज हाइवे पर आकमपुर के पास लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे पीएचसी सुमेरपुर पहुंचाया। जहां डॉक्टर सुनील कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे मां साधना बेहाल हो गई। सचिन तीन भाई व तीन बहनों में बड़ा था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। भाई की मौत की खबर मिलते वह घर के निकले है। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार 3 घायल

औरास, उन्नाव। औरास थाना क्षेत्र में गुरुवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक वृद्ध की हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। मुसलावा गांव निवासी राज (17) पुत्र ब्रजकिशोर, रामजीवन (65) पुत्र बद्री तथा कासिमपुर थाना क्षेत्र के रामपुर भटौली निवासी आशीष (22) पुत्र दीपू एक ही बाइक से भटौली गांव जा रहे थे। औरास-कबरोई मार्ग पर धानमऊ गांव के पास पहुंचते ही किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। रामजीवन को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

अनियंत्रित लोडर पेड़ से टकराया 5 कांवड़िए गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ, अमृत विचार। बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत संडीला मार्ग पर बुधवार देर रात लोडर चालक को अचानक झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में खड़े पेड़ से जा टकराया। हादसे में लोडर पर सवार पांच कांवड़िए गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

कन्नौज के थाना गुरसहायगंज क्षेत्र से करीब डेढ़ दर्जन कांवड़ियों का एक जत्था बाराबंकी स्थित बाबा लोधेश्वर महादेव धाम जल चढ़ाने गया था। बुधवार देर रात सभी कांवड़िए लोडर में सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनका वाहन बांगरमऊ-संडीला मार्ग पर स्थित माखन खेड़ा गांव के पास पहुंचा, चालक को नींद की झपकी आ गई और तेज रफ्तार लोडर सीधे पेड़ से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोडर के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों में कौशल (31), उपेंद्र (30), कल्लू (38) निवासी हजरतपुर, कन्नौज, नीतीश (25) निवासी खुदलापुर, कन्नौज, मनोज (चालक) निवासी सादुल्लापुर, बाराबंकी शामिल हैं। सभी घायलों को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दे दी है।

सोशल मीडिया पर गांजा बेचने का वीडियो वायरल, जांच शुरू

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। गुरुवार को सोशल मीडिया पर गांजा बेचने का एक वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया। करीब 44 सेकेंड के इस वीडियो में एक युवक झोले में कथित रूप से गांजा रखे दिखाई दे रहा है। इसी दौरान तीन अन्य युवक वहां पहुंचते हैं और विरोध करते हुए उसका वीडियो बनाने लगते हैं। वीडियो में युवक कहते सुनाई दे रहे हैं कि खुलेआम गांजा बेचा जा रहा है। वे झोला दिखाने और पुड़िया निकालने की बात कहते हुए पुलिस से शिकायत करने की बात भी कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि वीडियो कब और कहां का है, इसकी पुष्टि की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि वॉयरल वीडियो की पुष्टि आपका अमृत विचार अखबार नहीं करता है।

भविष्य संवारने की उम्र में टोल प्लाजा पर बूट पॉलिश कर लोगों के जूते चमका रहे बच्चे

नवाबगंज, अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो दावों और हकीकत के बीच की खाई को बयां कर रही है। यहां नवाबगंज टोल प्लाजा के पास दो मासूम बच्चे अपने कंधों पर भारी बैग लटकाए राहगीरों के जूते पॉलिश करते नजर आए।

जिस उम्र में इन हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए थे, उनमें आज गरीबी ने पॉलिश की डिबिया और ब्रश थमा दिया है। करीब 10 से 12 साल के ये दो बच्चे धूप और धूल के बीच पूरे दिन ग्राहकों का इंतजार करते हैं। एक बच्चा बड़ी कुशलता से जूते चमकाता है, तो दूसरा आने-जाने वाले लोगों से काम के लिए गुजारिश करता है। जब

टोल पर पालिस का बैग लिए बच्चे।

किसी राहगीर ने उनसे स्कूल जाने के बारे में पूछा, तो उनके पास कोई जवाब नहीं था सिर्फ एक फीकी मुस्कान और झुकी हुई नजरें थीं, जो उनकी बेबसी को बयां कर रही थीं। प्रदेश सरकार और केंद्र की 'सर्व शिक्षा अभियान' जैसी योजनाएं हर बच्चे को स्कूल पहुंचाने का दम भरती हैं। लेकिन टोल प्लाजा जैसे व्यस्त और संवेदनशील स्थान पर इन बच्चों का खुलेआम बाल श्रम करना प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आर्थिक तंगी ने इन परिवारों को इतना लाचार कर दिया है कि वे बच्चों के भविष्य की बलि देने को मजबूर हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि जब तक प्रशासन इन बच्चों को चिह्नित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से नहीं जोड़ता, तब तक बाल संरक्षण की बातें केवल कागजी ही रहेंगी।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति फेज-5' के अंतर्गत 'सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश' अभियान के तहत गुरुवार को नगर क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक किया गया। एंटी रोमियो महिला पुलिस दल ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़ी सरकारी सेवाओं की जानकारी दी। गंगाघाट कोतवाली की महिला सिपाही श्रद्धा सिंह, मधु यादव और पूजा पाल ने गंगाघाट रेलवे स्टेशन, मरहला चौराहा तथा नगर की विभिन्न बैंकों में महिलाओं से संवाद स्थापित किया। इस दौरान महिलाओं ने नशेबाजी से बचाव आदि के बारे में भी जानकारी दी।

पौधरोपण करते बीएसए एवं अन्य। अमृत विचार

प्राइमरी विद्यालय में हुआ पौधरोपण

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देशानुसार जनपद के परिषदीय विद्यालयों में सहजन की फली को मध्याह्न भोजन में शामिल करने तथा प्रत्येक विद्यालय परिसर में सहजन का पौधा लगाने की पहल शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पाण्डेय ने नगर क्षेत्र के पुलिस लाइन स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहजन का पौधरोपण किया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय संजय यादव भी उपस्थित रहे। बीएसए ने बच्चों को सहजन के पौष्टिक गुणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कैल्शियम, आयरन तथा विटामिन ए, सी और ई से भरपूर होता है। इसके नियमित सेवन से बच्चों की हड्डियां मजबूत होंगी, पाचन तंत्र बेहतर होगा और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होगी।

युवक ने लगाई फांसी अस्पताल में भर्ती

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की बालूघाट चौकी अंतर्गत श्रीनगर इलाके में बुधवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। समय रहते परिजनों की नजर पड़ने से उसकी जान बच गई। गंभीर हालत में युवक को कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। श्रीनगर निवासी मयंक तिवारी (22) पुत्र अजय तिवारी ने रात करीब साढ़े नौ बजे अपने कमरे में फांसी लगा ली। उस समय घर पर उसकी मां और बहन मौजूद थीं। कुछ आहट होने पर परिजनों ने कमरे में देखा तो युवक फंदे पर लटका मिला। उसे तत्काल फंदे से उतारकर राजधानी मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल ले गए।

शिक्षकों को चयन वेतनमान स्वीकृत किए जाने की मांग

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल खंड शिक्षा अधिकारी हिलौली सुरेश कुमार से मिला। इस दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए विकासखंड के उन सभी शिक्षकों को चयन वेतनमान स्वीकृत करने की मांग की गई, जिनकी सेवाएं 10 वर्ष पूर्ण कर चुकी हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बीएसए द्वारा मांगी गई जिज्ञासाओं को पूर्ण कर शीघ्र प्रेषित किया जाए, ताकि पात्र शिक्षकों को समय से चयन वेतनमान का लाभ मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी न होने की स्थिति में संगठन को आगे की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में नीरज कश्यप, दीपक सिंह व सौरभ गुप्ता सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देते जिला उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह व अन्य।

जॉब फेयर में कंपनियों की गैर-मौजूदगी पर भड़के दिव्यांग

उन्नाव, अमृत विचार। आईटीआई परिसर में दिव्यांगों को रोजगार देने के नाम पर आयोजित किया गया जॉब फेयर विवादों के घेरे में आ गया है। प्रशासन ने मेले में 16 प्रतिष्ठित कंपनियों के शामिल होने का दावा किया था, लेकिन हकीकत में केवल 2 कंपनियां ही पहुंचीं। इस कुप्रबंधन से नाराज दिव्यांगों ने जमकर हंगामा किया और सरकार पर गुमराह करने का आरोप लगाया। दिव्यांग महागठबंधन के प्रदेश प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने विकलांग वर्ग को सिर्फ मजाक बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दूर-दराज से आए दिव्यांगों को केवल परेशान किया गया।

पोनी रोड तिराहे पर जाम में फंसे वाहन सवार। अमृत विचार

अवैध टेंपो स्टैंड से लगा भीषण जाम

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। पोनी रोड तिराहे पर अवैध टेंपो स्टैंड लगातार जाम का कारण बन रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड व पुलिसकर्मी अक्सर प्वाइंट छोड़कर गायब हो जाते हैं, जिसके बाद ऑटो और ई-रिक्शा चालक मनमानी ढंग से वाहन खड़े कर देते हैं। परिणामस्वरूप क्षेत्र में बार-बार भीषण जाम की स्थिति बन जाती है। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे पोनी रोड तिराहे पर आड़े-तिरछे खड़े ऑटो और ई-रिक्शों के कारण पोनी रोड तिराहे से लेकर टाकीज के सामने तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसी दौरान एक लोडर के पोनी रोड की ओर मुड़ने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। लोडर के हटते ही वाहनों का दबाव बालूघाट मोड़ पर पहुंच गया, जहां फिर जाम लग गया।

आयोजन

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हुआ मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

वर्तमान में लोग अनिद्रा की समस्या से पीड़ित

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में जानकारी देती विशेषज्ञ। अमृत विचार

अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य विभाग उन्नाव से आई विशेषज्ञ टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी दी।

कार्यक्रम में मनोविज्ञान काउंसलर सरस्वती रानी, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशा गौतम तथा कम्युनिटी नर्स विजय कुमार उपस्थित रहे। काउंसलर ने बताया कि प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह के गुरुवार को यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि मानसिक रोगों से ग्रसित मरीजों को समय पर परामर्श और उपचार मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं। पर्याप्त नींद न लेने से इसका सीधा प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है, जिससे व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डायबिटीज और हृदय रोग की तरह स्कीजोफ्रेनिया भी एक शारीरिक रोग है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक और काल्पनिक अनुभवों में अंतर करने में कठिनाई होती है। भूत-प्रेत का साया महसूस होना, नौकरी जाने का डर, लगातार उदासी, किसी काम में मन न लगना, वजन में बदलाव, आत्महत्या के विचार, यौन इच्छा में कमी और एक ही विचार का बार-बार आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे मरीजों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसका उपचार संभव है।

गंगाघाट कोतवाली में हुई पीस कमेटी की बैठक

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। आगामी महाशिवरात्रि, रमजान माह एवं होली पर्व के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को गंगाघाट कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार ने की। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी तथा क्षेत्राधिकारी नगर बिनी सिंह मौजूद रहीं। बैठक में धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों, विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजकों एवं डिजिटल वालंटियर्स से त्योहारों को भाईचारे, सौहार्द एवं समन्वय के साथ मनाने की अपील की गई।

सच्ची श्रद्धा, निष्काम भक्ति से ही होती है आध्यात्मिक शांति व मोक्ष की प्राप्ति

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

कथा व्यास को प्रतीक चिन्ह देते पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि।

अमृत विचार। कंचन नगर स्थित मां वैष्णो जूनियर हाईस्कूल परिसर में श्री ममतामयी मंडल परिवार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति का वातावरण चरम पर रहा।

कथा व्यास श्री वल्लभचरणाश्रित केशव देव भक्तमाली ने सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए कृष्ण-सुदामा की निस्वार्थ मित्रता और अनन्य भक्ति का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। व्यास जी ने श्रीमद्भागवत महात्म्य के माध्यम से सात दिनों की कथा का सार प्रस्तुत करते हुए जीवन में भक्ति, समर्पण और सत्कर्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम भक्ति से ही मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम में विधि-विधान से व्यास पूजन एवं आरती की गई। श्रद्धालुओं ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा समापन पर श्री शुकदेव जी द्वारा राजा परीक्षित को मोक्ष प्रदान करने का प्रसंग सुनाया गया, जिसके बाद उनकी भावपूर्ण विदाई का वर्णन हुआ। अंत में भगवान के साथ फूलों की दिव्य होली खेली गई और आनंद उत्सव मनाया गया। पूरा परिसर भक्ति रस में डूबा नजर आया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

प्रेम का उपहार दिया नहीं जा सकता, यह स्वीकार किए जाने की प्रतीक्षा करता है।
–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

महत्वाकांक्षी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार का तकरीबन सवा नौ लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट संकेत देता है कि सरकार राज्य को 'ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' के लक्ष्य पर अग्रसर है। बजट में बुनियादी ढांचे, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक निवेश पर विशेष जोर है। एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर और औद्योगिक पार्क जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त प्रावधान प्रशंसनीय हैं। इससे निवेश आकर्षित होगा और दीर्घकाल में रोजगार सृजन की संभावना बढ़ेगी। पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं क्षेत्रीय असमानता कम करेंगी।

सरकार ने कौशल विकास, स्टार्टअप और स्वरोजगार योजनाओं के लिए बजट बढ़ाया है, हालांकि प्रत्यक्ष सरकारी नौकरियों की बड़ी घोषणाएं सीमित हैं। रोजगार सृजन का भरोसा मुख्यतः निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार पर आधारित है। चुनावी वर्ष की आहट को देखते हुए युवाओं के लिए लक्ष्य आधारित कार्यक्रम स्वागत योग्य हैं, लेकिन उनकी ठोस समय सीमा और निगरानी तंत्र भी स्पष्ट होना चाहिए। सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा पर खर्च बढ़ाने से मानव संसाधन विकास को बल मिलेगा। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी पार्क और अनुसंधान केंद्रों के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि राज्य तकनीक आधारित विकास मॉडल अपनाना चाहता है। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन या स्थायीकरण संबंधी कोई स्पष्ट राहत न मिलना असंतोष का कारण बन सकता है। यह वर्ग लंबे समय से नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग कर रहा है। कृषि बजट में सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, फसल बीमा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की घोषणाओं से उत्पादकता और लागत संतुलन में मदद मिल सकती है, किसानों को तकनीक आधारित सेवाओं और कृषि स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिलना दीर्घकालीन सुधार का संकेत है, पर एमएसपी, गन्ना भुगतान या कृषि ऋण राहत जैसे मुद्दों पर कोई बड़ा और नया एलान भी अपेक्षित था। विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन योजनाएं जारी हैं, परंतु वृद्धावस्था पेंशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी न होना महंगाई के परिप्रेक्ष्य में निराशाजनक माना जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तारित हुआ है, पर राशि में बड़े इजाफे की उम्मीद पूरी नहीं हुई। 8वें वेतनमान की घोषणा न होना यह दर्शाता है कि सरकार वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहती है। वेतन व्यय पहले ही बजट का बड़ा हिस्सा लेता है, संभव है कि इस पर निर्णय केंद्र के संकेतों के बाद लिया जाए। इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश परियोजनाओं में पिछली घोषणाओं का बड़ा हिस्सा लागू हुआ है, फिर भी कई सामाजिक योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन अभी मूल्यांकन मांगता है। संभव है कि वर्ष के मध्य में अनुपूरक बजट आए, जिसमें छूटे क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए जाएं।

इस बजट में आम नागरिक को बेहतर सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार अवसर के रूप में अप्रत्यक्ष लाभ की उम्मीद है। मध्यम वर्ग को बुनियादी सेवाओं के विस्तार से फायदा होगा, पर तात्कालिक आर्थिक राहत सीमित दिखती है।

प्रसंगवश

रेडियो के वो सुहाने दिन बस यादें रह जाती हैं

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रयाग पांडे
वरिष्ठ पत्रकार, नैनीताल

1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद् जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हर्ट्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा, लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूर संचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद् रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हर्ट्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुंचाने में सफ़लता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया।

प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया।

शुरुआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया। 1920 मे वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया।

1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉपरेशन वजूद में आई। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। 1957 में आकाशवाणी।

लोकसभा अध्यक्ष पर अविश्वास प्रस्ताव व विपक्ष की राजनीति

विवेक सक्सेना
अयोध्या

वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव केंद्र सरकार के लिए न सही, पर देश की राजनीति के लिए भी चिंताजनक है। तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर इंडिया गठबंधन के करीब 120 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर वाले इस प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा होने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद 94C के तहत अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस 10 फरवरी को सौंपा गया था। विपक्षी दलों ने बिरला पर सदन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए यह प्रस्ताव पेश किया है। विपक्ष ने अध्यक्ष पर लोकसभा में कुछ अप्रत्याशित कार्रवाई करने की बात करते हुए कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ झूठे दावे करने का भी आरोप लगाया है।

तृणमूल ने बिरला को दो दिनों की मोहलत देने की पैरोकारी करते हुए हस्ताक्षर से परहेज किया। राहुल गांधी के भी हस्ताक्षर नहीं हैं, हालांकि इस संदर्भ में तर्क दिया गया कि लोकसभा में नेता विपक्ष का संवैधानिक पद है और इसलिए संसदीय गरिमा-मर्यादा का ध्यान रखते हुए स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। सपा के कई सांसदों के तो हस्ताक्षर हैं, जिसमें डिंपल यादव भी शामिल हैं, लेकिन अखिलेश यादव ने हस्ताक्षर से परहेज किया है। स्पीकर बिरला ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव नोटिस को आगे की प्रक्रिया के लिए लोकसभा सचिवालय को भेज दिया है। इस बीच बिरला ने फैसला किया है कि महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया खत्म होने तक सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। विपक्षी दलों के इस नोटिस के साथ ही लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने देने के विवाद ने सियासी संग्राम का नया रूख अख्तियार कर लिया है।

भारत में गठबंधन राजनीति की प्रकृति को देखते हुए, स्वतंत्रता के बाद से समय-समय पर अविश्वास प्रस्ताव आते रहे हैं। अविश्वास प्रस्ताव एक राजनीतिक संकट का संकेत होता है, हालांकि ये प्रस्ताव राजनीतिक चर्चा को जटिल बनाते हैं और विपक्ष को अपनी असहमति दर्ज कराने का अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन क्या ये प्रस्ताव संकट के समाधान में सहायक होते हैं? जवाहरलाल नेहरू को अविश्वास प्रस्ताव का सामना 1963 में करना पड़ा, जो 1962 के भारत-चीन संघर्ष के बाद की स्थिति थी। इंदिरा गांधी के खिलाफ 1973 में अविश्वास प्रस्ताव पेश हुआ था। इंदिरा गांधी को 1966 से 1977 के बीच अपने कार्यकाल में 12 अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। राजनीति के आरोपों से घिरे मोरारजी देसाई के खिलाफ 1979 में संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।

तीन साल के अंतराल के बाद जब इंदिरा गांधी 1980 में सत्ता में लौटीं, तो उन्हें तीन और अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, हालांकि राव मामूली अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब रहे। 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई, तो उन्हें लोकसभा का विश्वास खोने के कारण 13 दिनों के भीतर ही इस्तीफा देना पड़ा। वाजपेयी को अगस्त 2003 में जॉर्ज फर्नांडीस को रक्षा मंत्री नियुक्त करने के लिए एक और अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा।

लोकसभा में दो फरवरी से ही व्यवधान देखा जा रहा है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अध्यक्ष द्वारा पूर्व सेवा प्रमुख एमएम नरवाने की किताब के अंश पर आधारित एक लेख को पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, जिसमें भारत-चीन संघर्ष का जिक्र था। चार फरवरी को विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब नहीं दे सके और प्रधानमंत्री के भाषण के बिना ही पांच फरवरी को धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। ये अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाया जा रहा है कि उन्होंने राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया।

वैसे तो विपक्षी सांसदों की शिकायतों पर सत्ता पक्ष के नेता अपना जवाब देते रहे हैं, पर अब उन्हें ज्यादा गंभीरता से इस प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा। अब सत्ता पक्ष या लोकसभा सचिवालय को भी आंकड़ों के आधार पर बताना होगा कि संसद सत्र में विपक्षी दलों के सांसदों को कितना वक्त बोलने के लिए दिया गया है? विपक्षी दलों के सदस्यों को क्या बोलने से रोका गया है? सत्ता पक्ष की खामियों को उठाना विपक्षी सांसदों का काम है, पर इसको दर्ज कराते समय उससे जुड़े प्रामाणिक तथ्य रखना भी उनकी जिम्मेदारी है, हालांकि संविधान का अनुच्छेद 96 अध्यक्ष को सदन में अपना बचाव करने का अवसर देता है। सदन में अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किए जाने पर अध्यक्ष अपना मत डाल सकते हैं, लेकिन बराबर होने की स्थिति में मत नहीं डाल सकते।

संख्या बल में सरकार आगे है और ओम बिरला के पद पर किसी तरह का खतरा फिलहाल नहीं है, लेकिन इसकी वजह से संसद में कड़वाहट और टकराव कहीं अधिक तीखा होगा। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ सकता है, फिलहाल कहना कठिन है कि इस अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र होगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले विपक्ष ने राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की थी। संख्या बल धनखड़ के पक्ष में था, लेकिन अंततः वह इतने कमजोर हो गए कि इस्तीफा देना पड़ा।

धनखड़ की तुलना में ओम बिरला को सदन चलाने का ज्यादा अनुभव है। देश में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बलराम जाखड़ सर्वाधिक नौ वर्ष से ज्यादा समय तक पद पर रहे और उनके बाद ओम बिरला का ही स्थान है। पूर्व में तीन लोकसभा अध्यक्षों जीवी मावलंकर, हुकुम सिंह और बलराम जाखड़ के खिलाफ विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है, मगर तीनों ही बार यह खारिज हो गया था। दुर्भाग्य है कि आज की राजनीति में यह निरंतर घट रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव देश की राजनीति के लिए चिंताजनक है। करीब 120 सांसदों के हस्ताक्षर वाले प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा की संभावना है।

आमने

जब 'आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना' के तहत जनता को हर तरह का मुफ्त इलाज मिल रहा है, तो इस कानून की अलग से कोई जरूरत ही नहीं है। पिछली कांग्रेस सरकार चुनावी फायदे के लिए आचार संहिता से ठीक पहले राइट टु हेल्थ बिल लाई थी।

–गजेंद्र सिंह खींवसर
स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान

सामने

विधानसभा में चिकित्सा मंत्री का 'राइट टू हेल्थ' पर बयान निंदनीय है। हमारी सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थकेयर योजनाएं जैसे चिरंजीवी योजना एवं निरोगी राजस्थान योजना लागू होने के बावजूद राइट टू हेल्थ की परिकल्पना की, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीज इलाज से वंचित न रहे।

–अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

धमकी से लेकर घुटने टेकने तक पाक का ड्रामा

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

पाकिस्तान बीते कई दिनों से कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप का आगामी 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। फिर उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट संघ (आईसीसी) के दबाव के आगे घुटने टेक दिए। अब उसने कहा है कि वह भारत के खिलाफ मैच खेलेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उससे जुड़े हलकों ने इस मामले पर जिस तरह से शर्तों और दबाव की भाषा अपनाई है, वह न सिर्फ खेल की मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि अंततः उसकी विश्वसनीयता को भी कमजोर करती है। आईसीसी द्वारा पाकिस्तान की किसी भी शर्त को न मानना इस बात का संकेत है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्थाएं अब बंदर भभकी और राजनीतिक दबाव की रणनीति से प्रभावित नहीं होने वालीं।

पाकिस्तान लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 'विशेष रियायत' की अपेक्षा करता रहा है। कभी सुरक्षा का हवाला, कभी मेज़बानी के अधिकार, तो कभी बहिष्कार की धमकी। इस बार भी कहानी कुछ अलग नहीं थी। भारत के साथ मुकाबले को लेकर पाकिस्तान ने परोक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की कि अगर उसकी शर्तें नहीं मानी गईं, तो वह टूर्नामेंट या मैच से हट सकता है, लेकिन यह धमकी पहले से ही खोखली थी। वैश्विक क्रिकेट को पता है कि भारत–पाक मुकाबला आर्थिक, दर्शक संख्या और प्रसारण तीनों दृष्टि से टूर्नामेंट की रीढ़ होता है और इससे पीछे हटना पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होता।

आईसीसी का रुख इस बार स्पष्ट और स्वागतयोग्य रहा। उसने न तो अतिरिक्त शर्तों को स्वीकार किया और न ही किसी तरह का दबाव झेला। यह संदेश साफ है, क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय नियमों और तय ढांचे के अनुसार चलेगा, न कि किसी एक देश की अस्थिर राजनीति या घरेलू दबावों के हिसाब से। कोलंबो जैसे तटस्थ स्थल पर मैच कराने का निर्णय पहले से निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुरूप था और इसमें किसी तरह का पक्षपात नहीं था। इसके बावजूद पाकिस्तान का शोर-शराबा यह दर्शाता रहा कि वहां खेल प्रशासन अभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया और तात्कालिक राजनीति से बाहर नहीं निकल पाया है।

ऐसी बयानबाजी से न तो सम्मान मिलता है और न ही सहानुभूति। उल्टा, यह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। खेल कूटनीति में दृढ़ता का मतलब यह नहीं कि हर बात पर अल्टीमेटम दिया जाए; दृढ़ता का अर्थ है नियमों के भीतर रहकर अपने हितों की रक्षा करना। भारत ने पूरे घटनाक्रम में अपेक्षाकृत संयम दिखाया। न उकसावे का जवाब दिया, न सार्वजनिक बयानबाजी में उलझा। यह परिपक्वता इस बात को रेखांकित करती है कि मजबूत पक्ष अक्सर शोर नहीं करता, वह व्यवस्था पर भरोसा करता है। आईसीसी का फैसला उसी भरोसे की पुष्टि है। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट अब किसी एक बोर्ड की धमकियों से नहीं चलती, बल्कि सामूहिक नियमों और पारदर्शिता से संचालित होती है।

पाकिस्तान को आत्ममंथन की जरूरत है। क्या बार-बार विवाद खड़ा कर वह सचमुच अपने खिलाड़ियों और प्रशंसकों का भला कर रहा है? क्या हर बड़े मंच पर नकारात्मक सुर्खियां बटोरना, उसकी क्रिकेट विरासत के अनुरूप है? खेल का मैदान प्रतिस्पर्धा के लिए होता है, बयानबाजी और धमकियों के लिए नहीं। अगर पाकिस्तान वास्तव में सम्मान और स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी रणनीति बदलनी होगी। धमकी की जगह प्रदर्शन और राजनीति की जगह खेल भावना को प्राथमिकता देनी होगी।

कोलंबो में होने वाला यह मैच खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का अवसर है। दर्शक क्रिकेट देखना चाहते हैं। आईसीसी ने सही संदेश दिया है कि नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी बोर्ड उनसे ऊपर नहीं। उम्मीद यही है कि पाकिस्तान इस अनुभव से सबक लेगा और भविष्य में ऐसी बंदर भभकी से परहेज करेगा। आखिरकार, क्रिकेट की जीत इसी में है कि खेल खेला जाए, धमकियां नहीं।

सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और आम क्रिकेट प्रशंसकों का हुआ। उन्हें एक बार फिर अपने बोर्ड की नाकामी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का खामियाज़ा भुगतना पड़ा। क्रिकेटरों को मैदान पर अपनी मेहनत से पहचान बनानी चाहिए, न कि बोर्ड की बयानबाज़ी से। अगर पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट का भला चाहता है, तो उसे मेच्योर होना होगा। धमकियों से न सम्मान मिलता है, न सहानुभूति। सम्मान मिलता है प्रदर्शन से, अनुशासन से और नियमों के पालन से। बार-बार पीड़ित बनने की कोशिश करना अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर काम नहीं आने वाला। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की हालत उस बच्चे जैसी हो चुकी है जो हर बात पर ज़मीन पर लोटता है, लेकिन जब मां ध्यान नहीं देती तो खुद ही चुप हो जाता है।

पाकिस्तान कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप के मैच का बहिष्कार करेगी। अब उसने आईसीसी के आगे घुटने टेक दिए हैं।

सोशल फोरम

कहानी रोम के राजा की

कलम रंगदार
ब्लॉगर

न्यूमा पोंपिलियस जब राजा बना, तो रोम के लोग हैरान थे। यह कैसा राजा था, जो तलवार नहीं उठाता? रोमुलस के जमाने में हर विवाद का फैसला खून से होता था, लेकिन न्यूमा के राज में हर फैसले के लिए 'बातचीत' और 'धर्म' का सहारा लिया जाने लगा। न्यूमा ने सबसे पहले रोम के लोगों को एक नई दिशा दी। उसने कहा, 'हम सिर्फ लड़ने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। हमें देवताओं को खुश रखना होगा।' उसने रोम में धर्म की नींव रखी। उसने पुजारियों का एक समूह बनाया जिसे 'पोंटिफेक्स' (Pontifex) कहा जाता था। इनका काम था देवताओं और इंसानों के बीच पुल का काम करना। आज भी 'पोंटिफ' शब्द का इस्तेमाल कैथोलिक चर्च के प्रमुख (पोप) के लिए किया जाता है, जिसकी जड़ें यहीं से जुड़ी हैं।

न्यूमा ने रोम के लिए एक और खास चीज बनाई- 'वेस्टल वर्जिन्स' (Vestal Virgins)। ये कुंआरी लड़कियां थीं, जो देवी 'वेस्टा' (Vesta) के मंदिर में पवित्र आग की रक्षा करती थीं। रोमनों का मानना था कि जब तक यह आग जलती रहेगी, रोम सुरक्षित रहेगा। अगर आग बुझ गई, तो रोम का विनाश तय है। इन लड़कियों को समाज में बहुत ऊंचा दर्जा मिलता था, लेकिन उनकी जिंदगी बहुत सख्त नियमों से बंधी थी। अगर उनसे कोई गलती हो जाती, तो सजा मौत से भी बदतर होती थी। उन्हें जिंदा दफना दिया जाता था, लेकिन न्यूमा का सबसे बड़ा योगदान कुछ और था। उस समय रोम का कैलेंडर बहुत अजीब था। साल में सिर्फ 10 महीने होते थे और सर्दियां कैलेंडर से गायब थीं। खेती-बाड़ी का कोई हिसाब नहीं था। न्यूमा ने देखा कि यह व्यवस्था ठीक नहीं है। उसने चांद की चाल को देखा और हिसाब लगाया। उसने साल में दो नए महीने जोड़े- 'जेनुअरियस' (Januarius) और 'फेब्रूअरियस' (Februarius)। जी हां, जनवरी और फरवरी।

जेनुअरियस, जो 'जेनस' देवता के नाम पर था- दो चेहरों वाले देवता, जो एक साथ पीछे (अतीत) और आगे (भविष्य) देख सकते थे और फेब्रूअरियस, जो शुद्धिकरण का महीना था। न्यूमा ने साल को 355 दिनों का बना दिया (जो बाद में और सुधरा)। उसने दिनों को 'फास्टि' (Fasti-काम करने के दिन) और 'नेफास्टि' (Nefasti-छुट्टी/धार्मिक दिन) में बांटा। आज हम जो छुट्टी मनाते हैं, उसकी शुरुआत कहीं न कहीं न्यूमा की इसी सोच से हुई थी। न्यूमा ने रोम की सीमाओं को भी बदला, लेकिन युद्ध से नहीं। उसने खेतों की सीमाओं पर 'टर्मिनस' देवता की मूर्तियां लगवा दीं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बेवजह के विवादों से प्रचार पातीं फिल्में

फिल्मों को एक सुनियोजित रणनीति के तहत विवादों में परोसना और फिर उस पर वितंडा खड़ा करके प्रचार पाना, अब कोई नयी बात नहीं रह गई है। दरअसल फिल्मकारों ने आस्था, भावना और मूल्यों के खिलाफ फिल्में बनाकर बेशुमार धन इकठ्ठा करने का एक चलन बना लिया है। भले ही इससे किसी जाति, धर्म आस्था और भावना को चोट क्यों न पहुंचती हो। ऐसी ही एक फिल्म 'घूसखोर पंडत' भी रुपहले पर्दे पर आने को तैयार है, जिसके टाइटल को लेकर वितंडा उठ खड़ा हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस फिल्म के टाइटल को लेकर विरोध-प्रदर्शन जारी है।

खुद फिल्म निर्माता संघ (एफएमसी) ने इस फिल्म को लेकर निर्माता नीरज पांडेय को नोटिस जारी किया है और कहा है कि फिल्म निर्माता ने नियमों के अनुसार शीर्षक के लिए अनिवार्य अनुमति प्राप्त नहीं की है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि फिल्म निर्माता ने जानबूझकर फिल्म को विवादों की परिधि में लाकर प्रचार पाने के लिए यह सारा उपक्रम किया था। अब जब विवाद चरम पर पहुंच गया है और फिल्म भी खूब प्रचार पा ली है, तो फिल्म निर्माता नीरज पांडेय और अभिनेता मनोज वाजपेई द्वारा सफाई दी जा रही है कि उनका मकसद किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। वे अब विवादित प्रचार सामग्री को हटाने की भी दुहाई दे रहे हैं। सच तो यह है कि फिल्म निर्माता ने अपनी फिल्म को विवादों के जरिए जितना प्रचार पाना चाहा था, उतना पा लिया। उनका मकसद पूरा हुआ। अब सवाल यह है कि क्या ऐसे फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी, जो धन कमाने के निमित्त इस किस्म का घिनौने हथकंडा अपनाते हैं। कहना मुश्किल है, इसलिए कि इस तरह के हथकंडे बार-बार अपनाए जा रहे हैं।

अरविंद जयतिलक
लेखक

अभी गत वर्ष पहले अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'उड़ता पंजाब' विवादों के केंद्र में रहा। इस फिल्म का कथानक पंजाब में नशाखोरी के इर्द-गिर्द गढ़ा-बुना गया था। इसके कुछ दृश्यों और डॉयलाग को लेकर बवाल मचा। बेशक एक फिल्मकार को अधिकार है कि वह फिल्मों का निर्माण करे, लेकिन उसका उत्तरदायित्व भी है कि वह धर्म, संस्कृति और इतिहास को पढ़े-समझे और उसकी वास्तविकताओं एवं भावनाओं का ख्याल रखकर फिल्मों का निर्माण करे। उसे ध्यान रखना चाहिए कि फिल्मों के जरिए समाज के नैसर्गिक स्वभाव और आस्था पर बुरा असर न पड़े।

फिल्मकारों ने यह धारणा पाल रखी है कि फिल्मों पर जितना अधिक बवाल होगा उनकी कमाई में उतना ही इजाफा होगा। बेशक एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज में कहने-सुनने, लिखने-पढ़ने और दिखने-दिखाने की आजादी होनी चाहिए। विशेष रूप से कला के क्षेत्र में तो और भी अधिक, क्योंकि समाज में जो कुछ भी घटित होता है, उसे कला के जरिए पर्दे पर उकेरा जाता है, लेकिन कला और अभिव्यक्ति की आड़ लेकर अरबों कमाने की लालच में धर्म और आस्था पर प्रहार कहां तक उचित है?

एक वक्त था जब फिल्मों का कथानक समाज और राष्ट्र के जीवन में चेतना का संचार करता था। युवाओं को प्रेरणा देता था। आजादी की लड़ाई को धार देने से लेकर समाज के गुणसूत्र को बदलने-रचने में फिल्मों की अहम भूमिका रही है। आज भी कुछ फिल्में सामाजिक व राष्ट्रीय सरोकारों को उकेरती दिख जाती हैं, लेकिन अधिकांश फिल्में वास्तविकताओं से दूर अतिरंजित और फूहड़पन से लैस होती हैं। अगर किसी फिल्म के शीर्षक, कथानक या डॉयलाग से समाज का कोई वर्ग आहत होता है, तो सेंसर बोर्ड की जिम्मेदारी है कि वह इसे पास न करे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खोज

ऐसे हुआ मोबाइल का आविष्कार

1970 के दशक में अमेरिका की प्रतिष्ठित शोध संस्था बेल लैब्स में एक ऐसी अवधारणा पर प्रयोग शुरू हुए, जिसने भविष्य की संचार दुनिया की दिशा ही बदल दी। शोधकर्ताओं का विचार था कि पूरे देश को षट्भुजाकार (हेक्सागोनल) सेल के एक विशाल नेटवर्क से ढक दिया जाए। प्रत्येक सेल में एक बेस स्टेशन होगा, जो रेडियो आवृत्तियों के माध्यम से मोबाइल फोन से संदेश भेजेगा और प्राप्त करेगा। तकनीकी चतुराई यह थी कि दो आसन्न सेल अलग-अलग आवृत्तियों पर काम करें, ताकि सिग्नल हस्तक्षेप की समस्या न आए।

ये बेस स्टेशन रेडियो सिग्नलों को मुख्य दूरसंचार नेटवर्क से जोड़ते थे और जैसे ही कोई उपयोगकर्ता एक सेल से दूसरे सेल में प्रवेश करता, उसका फोन स्वत: ही फ्रीक्वेंसी बदल लेता। इस निर्बाध हैंडऑफ की कल्पना उस समय क्रांतिकारी थी। 1970 के दशक के अंत तक बेल लैब्स का एडवांस्ड मोबाइल फोन सिस्टम (एएमपीएस) छोटे पैमाने पर सफलतापूर्वक चालू हो चुका था, जिसने व्यावहारिक सेलुलर नेटवर्क का रास्ता खोल दिया। इसी दौर में मोटोरोला में कार्यरत इंजीनियर मार्टिन कूपर एक अलग ही सपने को साकार करने में जुटे थे। वे टीवी सीरीज स्टार ट्रेक के कम्युनिकेटर से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने एक ऐसा पोर्टेबल फोन बनाने का लक्ष्य तय कर लिया, जिसे हाथ में लेकर कहीं भी बात की जा सके। कूपर की टीम ने पहला हैंडहेल्ड मोबाइल फोन विकसित किया, जो बेल के एएमपीएस नेटवर्क से कनेक्ट हो सकता था।

1984 में मोटोरोला ने इस सपने को 'डायनाटैक' के रूप में बाजार में उतारा। एक किलोग्राम से अधिक वजन वाले इस फोन को प्यार से 'द ब्रिक' कहा गया। कीमत आज के हिसाब से लगभग 10,000 डॉलर थी, इसलिए यह आम लोगों की पहुंच से बाहर रहा, लेकिन अमीर फाइनेंसरों और उद्यमियों के बीच यह जल्द ही स्टेटस सिंबल बन गया। 1987 की फिल्म वॉल स्ट्रीट ने डायनाटैक को धन और लालच के प्रतीक के रूप में अमर कर दिया, जब माइकल डगलस द्वारा निभाया गया गॉर्डन गेको समुद्र तट पर टहलते हुए इसी फोन पर बात करता नजर आया। यहीं से मोबाइल फोन सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि आधुनिक शक्ति और महत्वाकांक्षा का प्रतीक भी बन गया।

वैज्ञानिक के बारे में

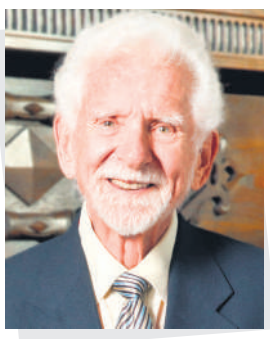

मार्टिन कूपर को भले ही दुनिया मोबाइल फोन के जनक के रूप में जानती हो, लेकिन उनकी निजी जिंदगी उतनी ही संतुलित, प्रेरक और मानवीय रही है। उनका जन्म 26 दिसंबर 1928 को अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ। एक यहूदी प्रवासी परिवार में पले-बढ़े कूपर ने बचपन से ही पढ़ाई और तकनीक में गहरी रुचि दिखाई। उनकी निजी जिंदगी में सबसे अहम भूमिका उनकी पत्नी आर्लीन हैरिस की रही। आर्लीन स्वयं भी एक प्रतिष्ठित इंजीनियर और उद्यमी हैं और उन्हें वायरलेस टेलीफोन सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। मार्टिन कूपर का निजी जीवन दिखावे से दूर रहा। वे कभी भी केवल प्रसिद्धि या धन के पीछे नहीं भागे। उनका मानना था कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य को स्वतंत्र बनाना है, न कि उसे मशीनों पर निर्भर करना। यही सोच उनकी जीवनशैली में भी झलकती है, सादा जीवन, गहरी सोच और भविष्य को लेकर आशावादी दृष्टिकोण।

अंतरिक्ष में वायरस और बैक्टीरिया की जंग

एक नए अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी पर रहने वाले बैक्टीरिया-संक्रमित करने वाले वायरस अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की लगभग वजन-रहित 'माइक्रोग्रैविटी' स्थिति में भी अपने ई. कोलाई होस्ट को संक्रमित करने में सफल रहे, लेकिन वायरस-बैक्टीरिया की आपसी लड़ाई पृथ्वी से काफी अलग थी। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन के फिलहस और उनके साथियों के नतीजे बीती 13 जनवरी, 2026 को ओपन-एक्सेस जर्नल 'एलओएस बायोलॉजी' में प्रकाशित हुए। एक प्रयोग के दौरान जब वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया को संक्रमित करने वाले वायरस को अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर भेजा, तो ये सूक्ष्म जीव पृथ्वी पर जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा नहीं किया।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

माइक्रोग्रैविटी (कम गुरुत्वाकर्षण) में संक्रमण तो हुआ, लेकिन समय के साथ वायरस और बैक्टीरिया दोनों ही अलग-अलग तरीके से विकसित हुए। जेनेटिक बदलाव आए, जिनसे वायरस बैक्टीरिया से चिपकने का तरीका बदल गया और बैक्टीरिया ने खुद को बचाने के नए हथियार विकसित कर लिए। ये खोज फेज थेरेपी (वायरस से बैक्टीरिया को मारने की तकनीक) को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, खासकर दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के खिलाफ।

नए रहस्य ये बदलाव पृथ्वी से अलग 'ट्रेजेक्टरी' (राह) पर होते हैं यानी स्पेस माइक्रोबियल इकोसिस्टम को नए तरीके से आकार देता है। उदाहरण के लिए स्पेस के फेज पृथ्वी पर दवा-प्रतिरोधी ई. कोलाई (जो यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन पैदा करते हैं) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी साबित हुए। इससे पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया-फेज की को-इवोल्यूशन (सह-विकास) को रीशेप करती है, जो सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन के बुनियादी सिद्धांतों को चुनौती देती है। यह रिसर्च पहली बार आईएसएस पर फेज-बैक्टीरिया की लंबी अवधि की डायनामिक्स को ट्रैक करती है, जो पहले की जमीन आधारित सिमुलेशंस से आगे जाती है।

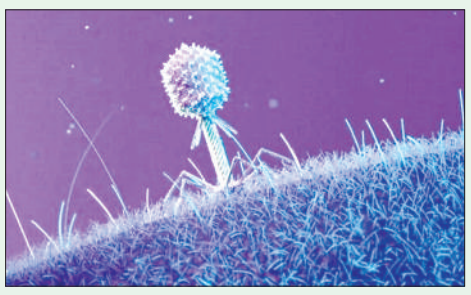

एक पृथ्वी, तो दूसरा अंतरिक्ष में

फेज यानी वो वायरस जो बैक्टीरिया को संक्रमित करते हैं और उनके होस्ट के बीच की लड़ाई सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिकी (माइक्रोबियल इकोसिस्टम) में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे अक्सर एक 'एवोल्यूशनरी आर्म्स रेस' (विकास की हथियार दौड़) कहा जाता है, जहां बैक्टीरिया वायरस से बचने के लिए डिफेंस सिस्टम बनाते हैं और वायरस उन डिफेंस को तोड़ने के नए तरीके ईजाद करते हैं। पृथ्वी पर इस लड़ाई का अध्ययन हो चुका है, लेकिन माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और वायरस-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को बदल देती है, जिससे सामान्य इंटरैक्शन बिगड़ जाते हैं, अब पता चला है। फिर भी माइक्रोग्रैविटी में फेज-बैक्टीरिया की डायनॉमिक्स पर बहुत कम अध्ययन हुए हैं। इस कमी को दूर करने के लिए हस और उनके साथियों ने दो सेट बैक्टीरियल ई. कोलाई सैंपल्स लिए, जिनमें टी-7 नाम का फेज संक्रमित किया गया, एक सेट पृथ्वी पर रखा और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर।

■ **संक्रमण की गति में बदलाव-** शुरुआत में संक्रमण धीमा हुआ, क्योंकि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और फेज-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण की कमी से बैक्टीरिया की कोशिकाएं अलग-अलग तरीके से इकट्ठा होती हैं, जिससे फेज का लगाव (अटैचमेंट) मुश्किल हो जाता है।

■ **आनुवंशिक उत्परिवर्तन-** अंतरिक्ष के फेज में ऐसे उत्परिवर्तन यानी म्यूटेशन्स जमा हुए, जो उनकी संक्रमण क्षमता या बैक्टीरियल संग्राहक यानी रिसेप्टर्स से चिपकने की ताकत बढ़ाते हैं। वहीं, बैक्टीरिया ने बचाव और अंतरिक्ष में जीवित रहने के नए आनुवंशिक बदलाव विकसित किए। डीप म्यूटेशनल स्कैनिंग तकनीक से पता चला कि फेज का रिसेप्टर बाइंडिंग प्रोटीन (आरबीपी) स्पेस में अलग तरीके से बदलता है।

■ **अंतरिक्ष अन्वेक्षण में उपयोगिता-** अंतरिक्ष अन्वेक्षण में सूक्ष्मजीव एक बड़ी चुनौती हैं, क्योंकि वे अंतरिक्ष यान (स्पेसक्राफ्ट) को दूषित कर सकते हैं और क्रू की सेहत को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च इन रहस्यों से कई फायदे दे सकती हैं।

■ **क्रू हेल्थ प्रोटेक्शन-** लॉन्ग-टर्म मिशन्स (जैसे मंगल यात्रा) में माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया को ज्यादा विरुलेंट (खतरनाक) बना सकती है, लेकिन फेज उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। अध्ययन दिखाता है कि स्पेस में फेज बैक्टीरिया के साथ अनुकूलित होकर नए बचाव तरीके ईजाद करते हैं, जो स्पेस में माइक्रोबियल कंट्रोल के लिए नए टूल्स दे सकता है।

■ **ग्रहीय सुरक्षा-** स्पेस में सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन को समझने से हम अन्य ग्रहों (जैसे मंगल) पर पृथ्वी के जीवों को फैलने से रोक सकते हैं। फेज रिसर्च से पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया के जीनोम में बदलाव लाती है, जो स्पेसक्राफ्ट स्टरलाइजेशन के नए तरीके सुझा सकती है। भविष्य में यह ज्ञान हमारी ग्रहीय सुरक्षा (प्लैनेटरी प्रोटेक्शन) के काम आएगा।

■ **भविष्य के मिशन -** नासा और ईएसए जैसे संगठन अंतरिक्ष में माइक्रोबायोलॉजी को समझने के लिए आईएसएस का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह रिसर्च अर्टेमिस या मंगल मिशन्स में क्रू को बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाने के लिए फेज-आधारित थेरेपी विकसित करने में मदद करेगी। कुल मिलाकर, ये रहस्य अंतरिक्ष अन्वेक्षण को सुरक्षित और टिकाऊ बनाते हैं, क्योंकि सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में अप्रत्याशित तरीके से व्यवहार करते हैं।

■ **मानव स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता-** पृथ्वी पर, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक वैश्विक संकट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2050 तक इससे 10 मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह शोध मानव स्वास्थ्य में क्रांति ला सकता है।

आइए जानते हैं

बेहतर फेज थेरेपी

स्पेस में हुए म्यूटेशन्स से फेज को इंजीनियर करके दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया (जैसे एमडीआर ई. कोलाई) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि अंतरिक्ष के फेज यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) पैदा करने वाले स्ट्रेन्स को बेहतर तरीके से मारते हैं। इससे फेज थेरेपी को क्लिनिकल स्तर पर मजबूत किया जा सकता है, जो एंटीबायोटिक्स का विकल्प है।

नई अंतर्दृष्टि

माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) और फेज की इवोल्यूशन को अलग तरीके से प्रभावित करती है, जो पृथ्वी पर संक्रमणों के मॉडल्स को सुधार सकती है।

व्यापक प्रभाव

यह रिसर्च जैव चिकित्सा उन्नति को बढ़ावा देगी, जैसे कैंसर थेरेपी या वैक्सीन विकास में फेज का इस्तेमाल। शोधकर्ताओं का कहना है कि अंतरिक्ष-प्रेरित बदलावों से पृथ्वी पर 'फार सुपीरियर एक्टिविटी' वाले फेज बनाए जा सकते हैं। इससे अस्पतालों में सुपरबग्स से लड़ना आसान हो सकता है।

मरीन लाइफ

सी पेन: समुद्र की गहराइयों में खड़ी एक जीवित कलम

सी पेन (Sea Pen) एक अत्यंत रोचक और कम चर्चित समुद्री जीव है, जो देखने में जितना साधारण लगता है, व्यवहार में उतना ही अनोखा है। यह जीव आमतौर पर एक ही स्थान पर स्थिर रहता है और बहुत अधिक हिलता-डुलता नहीं है। अपनी संरचना और जैविक बनावट के कारण यह समुद्री एनीमोन्स और कोरल से काफी मिलता-जुलता है। एनीमोन्स वही जीव हैं, जिनका नाम फिल्म फाइंडिंग नीमो में नीमो ठीक से नहीं बोल पाता था। सी पेन का नाम उसके आकार से ही पड़ा है। यह बिल्कुल उस पारंपरिक कलम की तरह दिखता है, जिससे कभी लोग लिखते थे। नीचे एक मोटा आधार और ऊपर पंखनुमा फैलाव। वास्तव में सी पेन कोई एकल जीव नहीं होता, बल्कि यह सैकड़ों-हजारों सूक्ष्म जीवों (पॉलीप्स) की एक कॉलोनी होती है, जो मिलकर एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। इसका निचला हिस्सा समुद्र की नरम मिट्टी में धंसा रहता है, जिससे इसे स्थिरता मिलती है। सी पेन दुनियाभर के उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण जलक्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये आमतौर पर समुद्र की गहराइयों में रहते हैं, जहां रोशनी कम और तापमान स्थिर होता है। हालांकि ये पूरी तरह समुद्र तल से चिपके नहीं रहते। जरूरत पड़ने पर ये अपना स्थान बदल सकते हैं और उन क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं, जहां जलधाराएं तेज होती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि तेज धारा के साथ प्लवक, जो इनका मुख्य और पसंदीदा भोजन है। सीधे इनके पास पहुंच जाता है।

सी पेन की एक और खास विशेषता इसकी जैवदीप्ति है। कुछ प्रजातियां खतरे की स्थिति में हल्की रोशनी उत्पन्न करती हैं, जो समुद्र की अंधेरी गहराइयों में किसी जादुई दृश्य जैसा प्रतीत होती है। यह रोशनी शिकारियों को भ्रमित करने या डराने के काम आती है। कुल मिलाकर, सी पेन समुद्री दुनिया का एक शांत-स्थिर, लेकिन बेहद रहस्यमय जीव है, जो यह साबित करता है कि समुद्र की गहराइयों में आज भी प्रकृति के अनगिनत चमत्कार छिपे हुए हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

लेजर, पानी और भौतिकी का जादू

यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन लेजर किरण वास्तव में पानी की धारा के भीतर 'फंस' सकती है। यह कोई जादू नहीं, बल्कि भौतिकी की एक प्रसिद्ध और रोचक घटना है, जिसे पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection) कहा जाता है। यही सिद्धांत आज फाइबर ऑप्टिक्स और हाई-स्पीड इंटरनेट की नींव भी है। इस घटना को समझाने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक सरल, लेकिन प्रभावशाली प्रयोग किया। उन्होंने साफ पानी से भरे एक टैंक के एक सिरे पर लेजर लगाया। टैंक के दूसरे सिरे पर एक छोटा सा छेद बनाया गया, जिससे पानी बाहर निकलकर बाल्टी में गिर रहा था। जब लेजर किरण को बहती हुई पानी की धारा पर डाला गया, तो आश्चर्यजनक रूप से रोशनी पानी के बाहर नहीं फैली, बल्कि धारा के साथ-साथ मुड़ती चली गई।

असल में, पानी और हवा के बीच अपवर्तनांक (Refractive Index) का अंतर इस प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। पानी में मौजूद भारी कण लेजर की गति को धीमा कर देते हैं। जब लेजर किरण एक विशेष कोण पर पानी और हवा की सीमा से टकराती है, तो वह बाहर निकलने के बजाय बार-बार अंदर ही परावर्तित होती रहती है। इसी कारण लेजर किरण पानी की धारा के भीतर "कैद" हो जाती है। इस प्रयोग के दौरान बहता हुआ पानी लाल रंग के चमकदार झरने जैसा दिखाई देता है, क्योंकि लेजर की लाल रोशनी पूरी धारा में फैल जाती है। खास बात यह है कि जब पानी का प्रवाह धीरे-धीरे कम किया गया, तब भी लेजर किरण धारा के भीतर बनी रही। जैसे ही पानी पूरी तरह बंद हुआ, लेजर किरण भी अचानक गायब हो गई। यह प्रयोग न केवल देखने में बेहद आकर्षक है, बल्कि हमें यह भी समझाता है कि आधुनिक संचार तकनीक, जैसे ऑप्टिकल फाइबर असल में प्रकाश को 'फंसाकर' ही सूचना को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंचाती है।

महासागरों की रहस्यमयी दुनिया

भूमंडल के 70 प्रतिशत भाग पर जलमंडल और 30 प्रतिशत भाग पर स्थल है। संपूर्ण भूमंडल का क्षेत्रफल 51.6 करोड़ वर्ग किमी है। इसमें 36.17 करोड़ वर्ग किमी पर जल और 14.89 करोड़ वर्ग किमी पर स्थल का विस्तार पाया जाता है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया पृथ्वी से काफी बड़ी है। जलमंडल के अंतर्गत महासागर, सागर, खाड़ियां आदि सम्मिलित हैं। महासागरों में इतनी विशाल जलराशि है कि यदि इसे धरातल पर समतल रूप में फैला दिया जाए, तो पूरी पृथ्वी पर 4.8 किमी गहरा सागर लहराने लगेगा। महासागरों की तली धरातल की भांति ऊंची-नीची है। महासागर इतने गहरे हैं कि उसमें हिमालय जैसे अनेक विशाल पर्वत समा सकते हैं। धरती की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट की ऊंचाई 8850 मीटर है, जबकि प्रशांत महासागर के मेरियाना गर्त की गहराई 11776 मीटर है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया आज भी मानव के लिए एक अनबूझ पहेली बनी हुई है।

समुद्र केवल जलराशि के ही विशाल स्रोत नहीं, बल्कि यह खनिज सम्पदा, नमक, रत्न, मूंगा, मोती, मछलियां, शंख, घोंघा, सीप के भी विशाल भंडार हैं और मानव के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। यह जैविक संपदा के भी भंडार हैं। हमारे महासागरों और सागरों में मौजूद अपार जल संपदा के कारण ही पृथ्वी को 'वाटर प्लेनैट' भी कहा जाता है। जल के कारण ही पृथ्वी पर जीवन है। समुद्रों की महत्ता को बताने और उसके संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समुद्र के जल का बढ़ता तापमान पृथ्वी और मानवता के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आज पृथ्वी ही नहीं समुद्र के लिए भी सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक वेस्ट है। प्लास्टिक वेस्ट और समुद्र में हो रहे अंधाधुंध परमाणु विस्फोटों के कारण समुद्र का पानी उबल रहा है। इस वजह से तल में मौजूद समुद्री वनस्पतियां तेजी से खत्म होती जा रही हैं। यू.के. सरकार द्वारा हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली वेबसाइट 'इको वॉच' के अनुसार समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वर्ष 10 लाख से ज्यादा पक्षी एवं एक लाख से ज्यादा समुद्री जीवों की मौत हो रही है। पानी का तापमान बढ़ने से समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिसके भयानक समुद्री तूफान आने की आशंका बनी हुई है।

वैज्ञानिकों के अनुसार हम सब श्वांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं, उसकी दस फीसदी मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म बैक्टीरिया

ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं, जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। वैज्ञानिकों को अध्ययन में पता चला है कि समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये बैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। इससे समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है और पशु-पक्षियों समेत इंसानों के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'वर्ल्ड वाइड फंड' द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण दोगुना हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्र में 1950 से 2016 के बीच 66 वर्षों में जितना प्लास्टिक जमा हुआ है इतना केवल आगामी 10 सालों में जमा हो जाएगा। इससे महासागरों में प्लास्टिक कचरा 30 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। समुद्र में 2030 तक प्लास्टिक दहन पर कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन तिगुना हो जाएगा, जो हृदय संबंधी बीमारियों को तेजी से बढ़ाएगा। हर साल उत्पादित होने वाले कुल प्लास्टिक में से महज 20 फीसदी ही रिसाइकल हो पाता है। 39 फीसदी जमीन के अंदर दबाकर नष्ट किया जाता है और 15 फीसदी जला दिया जाता है। प्लास्टिक के जलने से उत्सर्जित होने वाली कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 2030 तक तीन गुनी हो जाएगी, जिससे हृदय रोग के मामले में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

डब्ल्यू डब्ल्यू एफ का लक्ष्य 2030 तक स्ट्रा और पॉलिथीन बैग जैसी सिर्फ एक बार प्रयोग की जा सकने वाली प्लास्टिक की वस्तुओं को इस्तेमाल से हटाने का है। वैज्ञानिकों के अनुसार एक बार यूज होने वाली प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक है। प्लास्टिक कचरे में सबसे ज्यादा मात्रा सिंगल यूज प्लास्टिक की होती है। हर साल तकरीबन 10.4 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में मिल जाता है। 2050 तक समुद्र में मछली से ज्यादा प्लास्टिक के टुकड़े होने का अनुमान है। प्लास्टिक के मलवे से समुद्री जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कछुओं की दम घुटने से मौत हो रही है और व्हेल इसके जहर का शिकार हो रही है। प्रशांत महासागर में 'दा ग्रेट पैसिफिक गार्बेज बैच' समुद्र में कचरे का सबसे बड़ा ठिकाना है। यहां पर 80 हजार टन से ज्यादा प्लास्टिक जमा हो गया है। इस प्रकार प्लास्टिक वेस्ट समुद्र और समुद्री जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है। समुद्र के जल का तापमान निरंतर बढ़ रहा है, जिससे समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं। समुद्री तूफानों के आने की आशंका बनी रहती है।

समुद्र मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। विश्व के लगभग एक तिहाई लोगों का मुख्य भोजन समुद्री मछलियां हैं। जापान, नार्वे, फिनलैंड, आयरलैंड तथा भारत के समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर ही निर्भर हैं। विश्व का 80 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्ग से ही होता है। समुद्र, पृथ्वी पर होने वाली वर्षा का स्रोत है। समुद्र के जल से ही वाष्प बनती है, जिससे पृथ्वी पर वर्षा होती है। इस प्रकार समुद्र पृथ्वी पर जीवन का आधार है। समुद्र के जल में बढ़ता प्रदूषण पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है। प्लास्टिक वेस्ट को समुद्र में जाने से रोककर ही हम समुद्र और पृथ्वी के अस्तित्व को बनाए रख सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,674.92	25,807.20
गिरावट	558.72	146.65
प्रतिशत में	0.66	0.57

सोना 1,60,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

आरसीएफ फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र के लिए 865 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) महाराष्ट्र में फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र लगाने के लिए 865 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। गुरुवार को एक नियामकीय सूचना में, कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल (बोर्ड) ने महाराष्ट्र के अलीबाग में थाई यूनिट में 300 टन प्रति दिन की प्रस्तावित क्षमता वाला एक नया फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस संयंत्र को लगाने के लिए कुल 865.25 करोड़ का निवेश ज़रूरी है और इसे ऋण और इक्विटी के जरिये पूरा किया जाएगा। आरसीएफ देश की सबसे बड़ी उर्वरक बनाने वाली कंपनियों में से एक है।

सेल का दो करोड़ टन बिक्री का लक्ष्य

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री दर्ज करने का लक्ष्य रखा है। 2024-25 में यह 1.79 करोड़ टन रही थी। कंपनी भविष्य के विस्तार की तैयारी के तहत ऋण घटाने, लागत नियंत्रण और परिचालन दक्षता बढ़ाने पर जोर दे रही है। सेल के निदेशक (वित्त) डॉ. एके पंडा ने बताया कि अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 5,000 करोड़ का ऋण चुकाया है। 31 दिसंबर 2025 तक कुल ऋण 24,852 करोड़ था जिसमें जनवरी 2026 में 2,000 करोड़ की और कमी आई। परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन आदि से वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है और विकास निवेशों के लिए अवसर बने हैं।

एचयूएल का लाभ दोगुना होकर 6,603 करोड़

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का एकीकृत लाभ सालाना आधार पर दोगुना होकर 6,603 करोड़ तक पहुंच गया। एचयूएल ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने आइसक्रीम व्यवसाय को क्वालिटी वॉल्स को बेच दिया था जिससे उसके लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन से तिमाही के दौरान 576 करोड़ रुपये के असाधारण मद (हानि) दर्ज किए।

अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत : सीतारमण

उच्च सदन में बोलीं- दस साल में किए आर्थिक सुधारों से मध्य वर्ग का हुआ विस्तार

- वित्त मंत्री ने वृद्धि में योगदान देने वालों का मजाक उड़ाने का विपक्ष पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पर चर्चा का जवाब देतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि व्यक्तिगत आयकर संग्रह बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि देश में मध्य वर्ग को दबाया जा रहा है। उन्होंने 2026-27 के केंद्रीय बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश में मध्य वर्ग को दबाने का कोई सबूत नहीं है, बल्कि उनके आगे बढ़ने के सबूत जरूर हैं। सीतारमण ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले उनके बयान को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि वह देश की जनता का मजाक उड़ा रहे हैं, जो वास्तव में भारत के वृद्धि में अपना योगदान दे रही है।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि मध्य वर्ग, अमीर और गरीब वर्गों के बीच फंसा हुआ है। इस पर सीतारमण ने कहा कि ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि व्यक्तिगत आयकर का संग्रह कॉरपोरेट कर से अधिक है। वास्तव में दस साल में किए गए आर्थिक सुधारों से ऐतिहासिक रूप से मध्य वर्ग का विस्तार हुआ है। इसके पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। व्यक्तिगत आयकर का अधिक संग्रह का मतलब यह नहीं है कि मध्य वर्ग को दबाया जा रहा है। आज कर योग्य आय वाले लोगों की संख्या अधिक है। अब संगठित क्षेत्र में अधिक आय दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था अब केवल कुछ गिने-चुने वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें भागीदारी बढ़ी है। मध्य वर्ग का दायरा बढ़ रहा है। 2013-14 और 2024-25 के बीच, करदाताओं की संख्या, यानी रिटर्न दाखिल करने वाले या टीडीएस कटवाने वालों की संख्या, 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है। 11 वर्षों में करदाताओं की संख्या दोगुनी हो गई है। यह संचयी रूप से सालाना 7.9 प्रतिशत की वृद्धि है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह इस देश में मध्य वर्ग का सबसे बड़ा संरचनात्मक विस्तार है। इसलिए, अगर कर का दायरा बढ़ रहा है तो दबाव नहीं हो सकता। लोग कर देने के लिए आगे आ रहे हैं और वे इसलिए आगे नहीं आ रहे हैं क्योंकि हम दरें बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विस्तार के बावजूद, आयकर सीमा सभी के लिए 12 लाख रुपये और वेतनभोगी वर्ग के लिए 12.75 लाख रुपये तक बढ़ायी गई है। अगर 12.75 लाख रुपये कमाने वाले वेतनभोगी वर्ग को कर नहीं देना पड़ता, तो फिर दबाने वाली बात कहां है? दूसरा, मानक कटौती भी बढ़ाई गई है। नई कर व्यवस्था ने कर रिटर्न भरने और जांच-पड़ताल को सरल बना दिया है। जीएसटी सुधारों और दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने से भी घरेलू खर्च कम हुए हैं।

भारत-अमेरिका समझौता : देश को परिधान उद्योग में बांग्लादेश के बराबर मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योग मंत्री गोयल बोले- इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा
- बांग्लादेश वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगेगा जब वे अमेरिकी कपास और कृत्रिम रेशों से बने हों

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी धागा और कपास से बने परिधान पर वही रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जो बांग्लादेश को वर्तमान में मिल रहा है। अमेरिका, बांग्लादेश की वस्तुओं पर जवाबी शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा, लेकिन वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगेगा जब वे अमेरिकी कपास और कृत्रिम रेशों से बने हों। वर्तमान में बांग्लादेशी परिधानों पर 31% शुल्क लगता है (12% तरजीही राष्ट्र शुल्क और 19% जवाबी शुल्क) और यदि उनमें अमेरिकी रेशों का उपयोग किया जाता है, तो शुल्क घटकर 12% हो जाता है।

गोयल ने कहा, बांग्लादेश को जो मिला है, वही भारत को भी अंतिम समझौते में मिलने वाला है। अगर कोई भारतीय कंपनी अमेरिका से धागा और कपास खरीदकर परिधान बनाती है और उन्हें अमेरिका को निर्यात करती है, तो उन परिधानों को भी बांग्लादेशी कंपनियों की तरह अमेरिका में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। गोयल ने कहा कि यह बात अमेरिका-बांग्लादेश समझौते में लिखी है और हमारे समझौते में भी होगी। इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मंत्री ने बताया कि अमेरिका में कपास का उत्पादन सीमित है। उसका निर्यात केवल 50 लाख अमेरिकी डॉलर है, जबकि भारत का लक्ष्य 50 अरब डॉलर है। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा तैयार कर ली है। इसे मार्च में लागू किए जाने की संभावना है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता पूरी तरह से आत्मसमर्पण है, जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई है और किसानों के हितों से समझौता किया गया है।

घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर मिलेगा व्यापक बाजार

मेडटेक, इनोवेशन और स्टार्टअप कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि भारत के अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर व्यापक बाजार पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भारतीय चिकित्सा उपकरणों को शुल्क में छूट भी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि हम नौ एफटीए के माध्यम से विकसित बाजारों के लिए द्वार खोल रहे हैं, जिनमें 38 ऐसे देश शामिल हैं जहां की आबादी समृद्ध है और प्रति व्यक्ति आय अधिक है। गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) देश में चिकित्सा उपकरण इकाइयों के लिए 50 से 100 एकड़ भूमि आरक्षित करने पर विचार कर सकता है।

इंटेल पर 27.38 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीएमपी के संबंध में अलग वारंटी नीति पर सीसीआई ने की अमेरिकी कंपनी पर कार्रवाई

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने डेस्कटॉप कंप्यूटर के लिए बॉक्स्ड माइक्रो प्रोसेसर (बीएमपी) के संबंध में भारत के लिए एक अलग वारंटी नीति अपनाने को लेकर अमेरिकी कंपनी इंटेल कॉर्प पर 27.38 करोड़ का जुर्माना लगाया है। इंटेल अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर कंपनी है, जो कंप्यूटर प्रोसेसर और चिप विनिर्माण के लिए जानी जाती है।

आयोग ने गुरुवार को कहा कि इंटेल ने भारत में बीएमपी के बाजार में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग किया है। प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में पाया गया कि भारत के लिए इंटेल की अलग वारंटी नीति चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में लागू उसकी वारंटी नीतियों की तुलना में भेदभावपूर्ण थी। सीसीआई के अनुसार, अमेरिकी कंपनी की इस नीति ने उपभोक्ताओं और समानांतर आयातकों के विकल्प सीमित करने का काम किया, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। समानांतर आयात का मतलब ऐसे वैध उत्पादों के आयात से है, जो किसी कंपनी के आधिकारिक वितरण चैनल के बाहर से खरीदे जाते हैं।

आयोग ने कहा कि डेस्कटॉप कंप्यूटर के बीएमपी पर वारंटी संबंधी इंटेल की यह नीति आठ वर्षों तक लागू रही। इसको ध्यान में रखते हुए नियामक ने इंटेल के औसत प्रासंगिक कारोबार के आठ 8% के बराबर जुर्माना तय किया। 1 अप्रैल, 2024 से नीति वापस लेने को ध्यान में रखते हुए आयोग ने जुर्माने को घटाकर 27.38 करोड़ रुपये कर दिया।

डिजिटल भुगतान का प्रसार पहली छमाही में भी रहा जारी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने का सिलसिला अप्रैल-सितंबर, 2025 के दौरान भी जारी रहा। आरबीआई ने कहा कि उसका डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) सितंबर, 2025 में 516.76 पर पहुंच गया, जो सितंबर, 2024 में 465.33 और मार्च, 2025 में 493.22 पर था।

देशभर में डिजिटल भुगतान के प्रसार और दायरे को मापने वाला यह सूचकांक जनवरी, 2021 से प्रकाशित किया जा रहा है और मार्च, 2018 को आधार वर्ष मानता है। आरबीआई ने कहा कि सूचकांक में वृद्धि का मुख्य कारण भुगतान प्रदर्शन और भुगतान सक्षम कारकों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी है।

आरबीआई-डीपीआई पांच प्रमुख मानकों पर आधारित है। इसमें भुगतान सक्षम कारक (25 प्रतिशत भार), मांग पक्ष का भुगतान ढांचा (10 प्रतिशत), आपूर्ति पक्ष का भुगतान ढांचा (15 प्रतिशत), भुगतान प्रदर्शन (45 प्रतिशत) और उपभोक्ता केंद्रीकरण (पांच प्रतिशत) शामिल हैं। इन सभी मानकों के कई उप-मानक और मापनीय संकेतक रखे गए हैं, जिनके आधार पर समय-समय पर डिजिटल भुगतान की प्रगति का आकलन किया जाता है।

केसीसी का दायरा बढ़ाने को मसौदा संशोधन जारी

मुंबई। आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन और एकीकरण के लिए बृहस्पतिवार को मसौदा जारी किया जिसका उद्देश्य कवरेज का विस्तार, परिचालन प्रक्रियाओं का सरलीकरण और कृषि क्षेत्र की उभरती जरूरतों का ध्यान रखना है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विनियमित संस्थाएं, आम लोग और अन्य हितधारक छह मार्च, 2026 तक मसौदे पर टिप्पणियां और सुझाव दे सकते हैं। आरबीआई ने केसीसी ऋण की स्वीकृति और पुनर्भुगतान कार्यक्रम में एकरूपता लाने के लिए फसल सत्रों की अवधि को मानकीकृत करने का प्रस्ताव भी रखा है। इसके तहत कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों को 12 माह के चक्र और लंबी अवधि वाली फसलों को 18 माह के चक्र के रूप में परिभाषित किया गया है। लंबी अवधि की फसलों के चक्र के अनुरूप ऋण अवधि तय करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की कुल अवधि छह वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है।

राष्ट्रीय

बजट : पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार

सत्ता ने किया अर्थव्यवस्था मजबूत होने का दावा, विपक्ष बोला- कोई उपलब्धि नहीं

- राज्यसभा में चर्चा के दौरान भाजपा ने कहा- सरकार का केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी के विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए राज्यसभा में सत्ता पक्ष ने कहा कि भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना बताता है कि सरकार ने कितना काम किया है। वहीं विपक्ष ने दावा किया कि उपलब्धियों के नाम पर सरकार के खाते में कुछ भी नहीं है।

राज्यसभा में बजट पर हो रहीं चर्चा में भाजपा के मदन राठौर ने कहा कि यह पूर्ण बजट है और इसमें पिछले साल तक हुए सरकार के कामकाज को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रावधान किए गए हैं। केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए बल्कि उसके सकारात्मक पक्षों को भी देखना चाहिए। अगर कांग्रेस के कार्यकाल से तुलना की जाए तो यह बजट हर मायने में बेहतर है। कांग्रेस के जीसी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार का ध्यान विज्ञापनों पर है, वह पुरानी योजनाओं को समाप्त कर रही है और कई का नाम बदल रही है। उपलब्धियों के नाम पर उसके खाते में कुछ भी नहीं है।

भाजपा के शंभुशरण पटेल ने कहा कि यह बजट 140 करोड़ देशवासियों के सपने साकार करने वाला बजट है। मयंक नायक ने कहा कि हर मद में बजट बढ़ाया गया और कोई भी वर्ग उपेक्षा का दावा नहीं कर सकता। भाजपा के केसरीदेव सिंह झाला ने कहा कि प्रदूषण की समस्या के हल को बजट में 20 हजार करोड़ तय करना बेहतर कदम है। भाजपा के अमरपाल मौर्य ने कहा कि यह बजट देश के दीर्घकालिक निर्माण की नींव रखता है। सीमा द्विवेदी ने हर जिले में महिला छात्रावास खोलने की सरकार की घोषणा को सराहनीय बताया। राजीव भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षा के बजट में 14.2 फीसदी की वृद्धि की गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी ने कहा कि सरकार खुद बताए कि उसने आम आदमी के लिए इस बजट में क्या दिया है। शिवसेना (उबाठा) की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बजट से 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग बजट में अपने लिए कुछ सुविधा की उम्मीद लगाए हुए थे लेकिन वह लोग निराश हो गए।

मप्रः सिंगरौली में दो लोगों की दी गई बलि आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में अंधविश्वास से जुड़े मानव बलि के मामले में गुरुवार को तड़के दो लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर लोहरा गांव के बेरिहवा टोल में 21 वर्षीय युवक को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि आरोपी ने फूलकुमारी सिंह गोंड और कमल नारायण सिंह गोंड को घर बुलाकर धारदार हथियार से उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। जब दो ग्रामीणों सुमित्रा सिंह और राम भजन सिंह ने हस्तक्षेप की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें घायल कर दिया। यह घटना सुबह चार से पांच बजे के बीच हुई और यह पूर्व नियोजित थी। हत्याओं को आरोपी के घर के बाहर आंगन में चबूतरे के पास अंजाम दिया गया। पुलिस को घटनास्थल से धार्मिक अनुष्ठानों की सामग्री मिली, जिससे संदेह है कि यह अपराध अंधविश्वास और जादू-टोना के कारण हुआ होगा।

निशिकांत ने की राहुल गांधी के खिलाफ दिए नोटिस पर सदन में चर्चा की मांग

- भाजपा सांसद बोले- कांग्रेस नेता की सदस्यता रद्द होनी चाहिए, वह कभी चुनाव नहीं लड़ पाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया और कांग्रेस नेता के खिलाफ दिये गए विशिष्ट नोटिस पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। शून्य काल के दौरान, भाजपा सांसद ने राहुल पर सोरोस फाउंडेशन और फोर्ड फाउंडेशन के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करते हैं। भाजपा सदस्य ने दावा किया कि राहुल गांधी केवल देशद्रोहियों से मिलने वियतनाम, कंबोडिया, बहरीन और थाईलैंड जाते हैं।

कांग्रेस को राहुल को समझाना चाहिए कि वह नियमों का उल्लंघन कर नहीं बोल सकते : रीजीजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस के सांसदों से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को यह समझाने के लिए कहा कि यदि वह सदन में नियमों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए बोलते हैं तो उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया जा सकता है। सदन को गुमराह करने और बेबुनियाद बयान देने के लिए राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस देने की घोषणा के एक दिन बाद रीजीजू ने यह बात कही।

मुझ पर मुकदमा हो या विशेषाधिकार हनन किसानों के लिए लड़ूंगा : राहुल

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर देश और किसानों को अमेरिका के हाथों बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार उनके खिलाफ चाहे मुकदमा दर्ज करवाए या विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाए, वह किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने एक्स और व्हाटसएप चैनल पर वीडियो जारी करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा समझौता जो किसानों की रोज़ी-रोटी छीने या खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान-विरोधी है। किसान-विरोधी सरकार को अन्नदाताओं के हितों से समझौता नहीं करने देंगे। मोदी ने अन्नदाताओं को, उनके खून-पसीने को ट्रंप के हाथों बेच दिया है।

माल्या जब तक भारत नहीं लौटता, नहीं होगी सुनवाई

मुंबई, एजेंसी

- बंबई उच्च न्यायालय ने एफईओ के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर की टिप्पणी

बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अपने इस रुख को दोहराया कि वह भगोड़े कारोबारी विजय माल्या द्वारा दायर याचिका पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक वह भारत वापस नहीं लौट आता। अदालत ने यह टिप्पणी माल्या की उस याचिका पर दी जिसमें उसने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत लौटेंगे या नहीं। माल्या को वापस लौटना होगा... अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। माल्या 2016 से ब्रिटेन में है। उसने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं, जिनमें से एक में उसने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के आदेश को चुनौती दी है जबकि दूसरी याचिका में उसने 2018 के अधिनियम की संवैधानिकता पर सवाल उठाया है। शराब कारोबारी माल्या (70) भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों में कई मुकदमों का सामना कर रहा है।

आर्थिक वृद्धि में पशु चिकित्सकों की भूमिका अहम : भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में पशु चिकित्सकों की अहम भूमिका है और उन्होंने उनसे पारंपरिक जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर अपना नजरिया व्यापक करने की अपील की।

भागवत ने सह-अस्तित्व की भावना पर कहा कि मनुष्यों, जानवरों और प्रकृति के बीच बेहतर सामंजस्य होना चाहिए और समाज को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए कि संतुलित सह-अस्तित्व कैसे तय किया जाए। भागवत इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस और पशु एवं मत्स्य पालन विज्ञान विवि के संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में हिंसा नियंत्रण में आई

- उच्चतम न्यायालय को केंद्र बताया- भीड़ को उकसाने वाले मुख्य शख्स हैं सोनम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले साल 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में भीड़ को उकसाने वाले मुख्य शख्स थे। केंद्र से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ को बताया कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और हिंसा नियंत्रण में आ गयी।

नटराज ने पीठ को बताया कि वह हिंसा को मुख्य रूप से उकसाने वाले थे। इस हिंसा में चार लोग मारे गए थे और 60 लोग घायल हुए थे। हिरासत आदेश में स्पष्ट संबंध दिखता है, इसमें स्पष्ट रूप से सोची-समझी रणनीति का इस्तेमाल किया गया है।उनकी गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और हिंसा नियंत्रण में आ गई। इसलिए यह साबित हो गया कि गिरफ्तारी का आदेश सटीक था जो उस स्थिति में उचित था। विधि अधिकारी ने कहा कि वांगचुक की हिरासत के लिए इन सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक पालन किया गया है। न्यायालय ने अब इस मामले की सुनवाई के लिए 16 फरवरी की तारीख तय की है।

ऐसे शीर्षक से किसी वर्ग को अपमानित नहीं किया जा सकता

फिल्म घूसखोर पंडत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने घूसखोर पंडत शीर्षक पर अप्रसन्नता जताते हुए फिल्म निर्माता नीरज पांडे से गुरुवार को कहा कि आप इस तरह के शीर्षक का इस्तेमाल करके समाज के किसी वर्ग का अपमान नहीं कर सकते। न्यायालय ने ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने संबंधी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने फिल्म के खिलाफ दायर याचिका पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और पांडे को नोटिस जारी किये। पीठ ने कहा, इस तरह के शीर्षक का इस्तेमाल करके आप समाज के एक वर्ग को अपमानित क्यों कर रहे हैं? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अलग बात है, लेकिन यह किसी को भी अपमानित करने का अधिकार नहीं देती। यह नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के विरुद्ध है। जब तक आप हमें बदला हुआ शीर्षक नहीं बताते, हम आपको फिल्म रिलीज करने की अनुमति नहीं देंगे। हमने सोचा था कि फिल्म निर्माता, पत्रकार आदि जिम्मेदार लोग होते हैं। याचिका में आरोप लगाया गया कि फिल्म का शीर्षक और कथानक प्रथम दृष्टया आपत्तिजनक हैं और ये ब्राह्मण समुदाय को अपमानजनक तरीके से चित्रित करते हैं। जनहित याचिका में पंडत शब्द के घूसखोर शब्द के साथ इस्तेमाल पर आपत्ति जताई गई है।

नीट की छात्रा की मौत के मामले को सीबीआई ने संभाला

नई दिल्ली। पटना में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले की जांच सीबीआई ने स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में ले ली है।

जहानाबाद निवासी छात्रा 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित महिला छात्रावास में बेहोश मिली थी। बाद में वह कोमा में चली गई और पांच दिन बाद निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद मचे हंगामे से बिहार सरकार ने 31 जनवरी को मामला सीबीआई को सौंप दिया। परिजनों ने पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। पीड़िता के परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने चुनाव में मदद के लिए उपहार में दिए नेपाल को 270 वाहन

काठमांडू। भारत सरकार ने बृहस्पतिवार को नेपाल को चुनाव से संबंधित सहायता की तीसरी खेप के तौर पर 270 वाहन सौंपे। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने गृह मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में यह तीसरी खेप नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश अर्याल को सौंपी। भारतीय दूतावास ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इसमें 270 वाहन शामिल है, जिनमें 50 ट्रक नेपाल सेना के लिए हैं। साथ ही पांच मार्च को होने वाले चुनाव की तैयारियों के लिए नेपाल की मांग के अनुरूप अन्य सामग्री भी सौंपी गई है। भारत सरकार चुनाव में सहायता के लिए पहली दो खेप जनवरी में नेपाल को सौंप चुकी है, जिसमें 310 से अधिक वाहन और अन्य सामग्री शामिल थी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आने वाले दिनों में कुछ अतिरिक्त सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

व्हाट्सएप का आरोप, रूस ने की एप को ठप करने की कोशिश

मास्को। रूस ने देश में व्हाट्सएप पर पूरी तरह से रोक लगाने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह इंटरनेट पर नियंत्रण कड़ा करने के सरकार का नया प्रयास है। व्हाट्सएप के एक प्रवक्ता ने बुधवार देर रात बताया कि रूसी अधिकारियों की यह कार्रवाई 'उपयोगकर्ताओं को सरकारी स्वामित्व के निगरानी वाले ऐप की ओर धकेलने' के उद्देश्य से की गई है। यह रूसी सरकारी समर्थित 'मैक्स' मैसेजिंग एप की ओर इशारा है, जिसे आलोचक एक निगरानी उपकरण मानते हैं। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने बताया, "यह 10 करोड़ से अधिक लोगों को निजी और सुरक्षित संचार से अलग करने का प्रयास है और इससे रूस में लोगों की सुरक्षा में ही कमी आएगी। हम लोगों को आपस में जोड़े रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

नेतन्याहू के साथ बैठक में ट्रंप का ईरान से वार्ता जारी रखने पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और ईरान के साथ वार्ता जारी रखने पर जोर दिया। अमेरिका ईरान के साथ परमाणु समझौते को आगे बढ़ाना चाहता है। ट्रंप और नेतन्याहू के बीच यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, यह मुलाकात बहुत अच्छी रही और दोनों देशों के बीच शानदार रिश्ते जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, कुछ भी निश्चित नहीं हुआ है, सिवाय इसके कि मैंने ईरान के साथ बातचीत पर यह देखने के लिए जोर दिया कि यह समझौता हो सकता है या नहीं।

भारतीय छात्रा की मौत के मामले में 2.9 करोड़ डॉलर में समझौता

सिएटल, एजेंसी

- **सिएटल में तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आकर हुई थी मौत, आरोपी पुलिस अधिकारी बर्खास्त**

अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर लगने से जान गंवाने वाली भारत की 23 वर्षीय छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 2.9 करोड़ डॉलर (262.65 रुपये) के समझौते पर सहमति जताई है। कंदुला को अधिकारी केविन डेव की गाड़ी ने उस समय टक्कर मारी थी, जब वह 40 किमी घंटे की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किमी की रफ्तार से जा रहे थे।

कंदुला सिएटल स्थित नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स में मास्टर डिग्री के लिए पढ़ाई कर रही थीं। कंदुला के परिवार के वकीलों ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। दोनों पक्षों ने पिछले शुक्रवार को किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट में समझौते की सूचना दाखिल की। कंदुला की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन हुए थे।

लोगों का आक्रोश इस बात पर भड़का जब एक अन्य अधिकारी के बॉडी कैमरा की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वह हंसते हुए कंदुला के जीवन को मामूली बताते और यह कहते सुनाई दिया कि शहर को सिर्फ एक चेक लिख देना चाहिए। डेनियल ऑडरर नाम के इस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस विभाग ने वाहन चला रहे अधिकारी को भी बर्खास्त कर दिया और उसे 5,000 डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया।

यौन अपराधी खादी कहीं संत के चोले में

जेफ्री एप्स्टीन की फाइल्स सार्वजनिक होने के साथ उसके घिनौने अपराधों पर दुनिया में नए सिरे से एक बहस छेड़ी है लेकिन एप्स्टीन को छोड़ भी दिया जाए तो दुनिया का इतिहास क्रूर यौन अपराधों से भरा हुआ है। अपनी संस्कृति और संस्कारों की वजह से जाने जाने वाले भारत में भी ऐसे अपराधों की कमी नहीं है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की अगस्त 2024 में जारी रिपोर्ट ऐसे ही घिनौने सच का पर्दाफाश करती है जिसके मुताबिक देश के 151 से ज्यादा मौजूदा सांसदों और विधायकों पर यौन अपराधों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। संत के चोले में भी तमाम यौन अपराधियों के क्रूर कारनामे जगजाहिर हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि समाज में दबदबा रखने वाले कई यौन अपराधियों के खिलाफ पुलिस के भ्रष्टाचार या राजनीतिक दबाव की वजह से पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया।

भारत के 'एप्स्टीन'

सफेदपोश यौन अपराधी

- देश के 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों की घोषणा की है।
- एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार इनमें 16 सांसद और 135 विधायक शामिल हैं। दो सांसद, 14 विधायकों पर बलात्कार के आरोप दर्ज हैं।
- भाजपा के सबसे अधिक 54 सांसदों और विधायकों पर ऐसे मामले दर्ज हैं। 23 के साथ कांग्रेस दूसरे 17 के साथ टीडीपी तीसरे स्थान पर है।
- पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधि, आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 जनप्रतिनिधियों पर यौन अपराधों के मामले दर्ज हैं।

सर्वाधिक चर्चित मामले

- पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के यौन शोषण के हजारों वीडियो वायरल हुए थे। उसे अगस्त 2025 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।
- उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 2017 में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाया गया। उसे उम्रकैद की सजा दी गई।
- हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा पर एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा के यौन उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा, सुसाइड नोट में नाम आया।
- मध्य प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री पर उनके घरेलू पुरुष सहायक ने कुकर्म के आरोप लगाए थे, मामला सुर्खियों में आने के बाद उन्हें इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा था।

दुनिया के सबसे क्रूर

- जापान के जुंको फुरुता में 1988 में 17 वर्षीय छात्रा को अगवा कर 44 दिनों में 400 से अधिक बार बलात्कार किया गया, उसकी मृत्यु हो गई।
- ऑस्ट्रेलिया में नर्स अनीता कोबी का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर होश में रहते बेरहमी से उनकी गर्दन काट दी गई।
- दिल्ली में 2012 में चलती बस में छात्रा से हुई दरिंदगी ने दुनिया को झकझोरा जिसकी मृत्यु हो गई। ये मामला निर्भया कांड के नाम से मशहूर हुआ।

खौफनाक आंकड़ा | यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 37 करोड़ से अधिक लड़कियां और महिलाएं बलात्कार या यौन हमले का शिकार हुई हैं।

संतों के चोले में यौन अपराधी

- आसाराम बापू नाबालिग लड़कियों से बलात्कार पर जोधपुर और गांधीनगर की अदालत से उम्रकैद।
- डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को दो महिला अनुयायियों से बलात्कार पर 20 साल जेल।
- आसाराम के बेटे नारायण साई को भी शिष्या से बलात्कार के जुर्म में सूरत की अदालत से उम्रकैद।
- तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित आश्रम संचालक प्रेमानंद ने 13 महिलाओं से बलात्कार किया।
- केरल का स्वयंभू संत अमृता चैतन्य नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के मामले में दोषी पाया गया।

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान

भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद मतदान केंद्रों पर धमाके, देर शाम मतगणना शुरू

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए लोगों ने बृहस्पतिवार को हिंसा की घटनाओं के बीच मतदान किया। जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ हुए 13वें आम चुनाव में देश भर में 300 में से 299 संसदीय सीट के लिए सुबह साढ़े सात बजे मतदान शुरू हुआ जो शाम साढ़े चार बजे तक जारी रहा। मतदान पूरा होने के बाद ज्यादातर जगहों पर मतगणना भी शुरू कर दी गई। एक उम्मीदवार की मृत्यु होने के कारण एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया गया है।

हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की गैरमौजूदगी में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसकी पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद के मुताबिक दोपहर दो बजे तक 48 प्रतिशत मतदान हुआ। देश भर में 299 निर्वाचन क्षेत्रों में 42,779 मतदान केंद्रों पर लगभग 12.7 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। बांग्लादेश की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के साथ मुख्य सलाहकार यूनुस ने शुरूआत में ही मतदान किया।

ढाका के एक मतदान केंद्र पर बृहस्पतिवार को अपना वोट डालकर लौटतीं महिलाएं।

कुल 50 राजनीतिक दलों के 1,755 उम्मीदवार और 273 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। बीएनपी के सर्वाधिक 291 उम्मीदवार हैं, चुनाव में 83 महिला उम्मीदवार हैं।

एक के बाद एक मतदान केंद्रों पर होते रहे बम के धमाके

मतदान के बीच कई जगहों से चुनावी हिंसा की खबरें आती रहीं। गोपालगंज में बम हमले में 13 वर्षीय लड़की सहित तीन लोग घायल हो गए। बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे निचुपाड़ा स्थित रेशमा इंटरनेशनल स्कूल में बने मतदान केंद्र में विस्फोट हुआ। इस घटना में चुनाव सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अर्द्धसैनिक सहायक बल 'अंसार' के दो सदस्य भी घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी जहिरुल इस्लाम ने बताया कि घायलों को मामूली चोट आई थी और मतदान थोड़ी देर बाद फिर शुरू हो गया। एक अन्य घटना में मुंशीगंज-3 निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र के बाहर सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए, जिससे मतदान अस्थाई रूप से बाधित हो गया। सुबह करीब 10 बजकर 15 मिनट पर मखाती गुरुचरण हाई स्कूल में बने मतदान केंद्र के सामने विस्फोट हुए। अधिकारियों ने बताया कि 10 से 12 देसी बमों में धमाका हुआ। केंद्र पर मतदान कुछ देर के लिए रोक दिया गया। पीठासीन अधिकारी मोहम्मद तितुमिर ने कहा कि विस्फोटों से मतदाताओं में दहशत फैल गई लेकिन कुछ देर बाद मतदान फिर से शुरू हो गया। इसके अलावा, खुलना में एक मतदान केंद्र के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के दौरान एक बीएनपी नेता की मौत हो गई। बीएनपी का कहना है कि जमात के एक नेता के धक्का देने की वजह से पेड़ से टकराकर वह घायल हो गए थे, जिससे उनकी मौत हुई।

ऐतिहासिक: हिंसा रोकने के लिए 10 लाख सुरक्षा कर्मी

निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर लगभग 10 लाख सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जो देश के चुनावी इतिहास में सुरक्षाकर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा प्रशासन ने राजधानी के प्रमुख इलाकों में बख्तरबंद वाहन और त्वरित कार्यबल (आरएटी) तैनात किए हैं। पहली बार चुनाव सुरक्षा के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। करीब 81 स्थानीय संगठनों के 55,454 पर्यवेक्षकों ने चुनाव की निगरानी की, जबकि विदेशी चुनाव पर्यवेक्षकों की संख्या 394 रही। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों में से 80 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से हैं, जबकि बाकी अलग-अलग देशों से हैं, जिनमें स्वतंत्र यूरोपीय पर्यवेक्षक भी शामिल हैं।

धांधली और फर्जी मतदान की भी तमाम खबरें

उत्तर पश्चिमी जॉयपुरहाट के कलाई इलाके में एक पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच मतपत्रों की फोटोकॉपी वितरित करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, उत्तर पूर्व सिलहट के बालागंज उप-जिले में मतपत्रों की हेराफेरी के आरोपों में जमात और बीएनपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई, जहां एक स्थानीय जमात नेता और कई अन्य लोग आधी रात के आसपास एक मतदान केंद्र में घुस गए तभी बीएनपी कार्यकर्ताओं ने उन पर धावा बोला, जिसके परिणामस्वरूप हाथापाई हुई जिस पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

मतदान से पहले हिंदू मजदूर की हत्या

ढाका। पूर्वोत्तर बांग्लादेश के मौलवी बाजार इलाके में एक युवा हिंदू चाय बागान मजदूर का खून से लथपथ शव मिला जिसके हाथ-पैर रस्सियों से बंधे हुए थे। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान से पहले यह लगातार दूसरे दिन किसी हिंदू व्यक्ति की हत्या का मामला है।

- **चाय बागान में मिला खून से लथपथ शव, रस्सी से बंधे थे हाथ-पैर**

पुलिस ने बुधवार को ढाका से लगभग 200 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित मौलवी बाजार के कमलगांज उपजिले के एक चाय बागान से 28 वर्षीय रतन शुवो कार का शव बरामद किया। 'द डेली स्टार' ने कमलगांज पुलिस थाने के प्रभारी अब्दुल अवाल के हवाले से खबर दी कि मृतक रतन शुवो कार इस्लामपुर यूनियन के अंतर्गत चंपारा चाय बागान में बतौर मजदूर काम करता था। लोगों ने बुधवार पूर्वाह्न करीब 10:00 बजे बागान में शव को देखा और अधिकारियों को सूचना दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव पर चोट के स्पष्ट निशान थे और वह खून से लथपथ था। रतन के बड़े भाई लक्ष्मण कार ने बताया कि परिवार मंगलवार रात से ही उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने बताया, बुधवार सुबह हमें सूचना मिली कि उसका शव बागान में पड़ा है। हम वहां गए और उसकी पहचान की। हमें नहीं पता कि उसकी हत्या क्यों की गई।

इतालवी तटों पर कड़ी नौसैनिक नाकाबंदी का विधेयक पारित

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी सरकार ने अवैध आव्रजन से निपटने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दी है जिसके तहत इतालवी तटों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासी पोतों के लिए नौसैनिक नाकाबंदी करने का प्रावधान भी शामिल है।

विधेयक को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में चर्चा और मंजूरी के बाद प्रभावी होगा। इसमें सीमाओं पर कड़ी निगरानी और यूरोपीय एजेंसियों के साथ सहयोग का प्रावधान शामिल है। विधेयक प्रवासन और शरण संबंधी नए यूरोपीय संघ समझौते को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद पारित किया गया है।

भारत के साथ समझौता ऐतिहासिक, विशाल ऊर्जा निर्यातक बनेंगे हम : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अमेरिका भारत और उन देशों को कोयले का निर्यात बढ़ाएगा जिनके साथ उसने व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने 'चैंपियन ऑफ कोल' शीर्षक वाले एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमारे नेतृत्व में हम एक विशाल ऊर्जा निर्यातक बन रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ही हमने जापान, कोरिया, भारत और अन्य के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते किए हैं ताकि हमारे कोयला निर्यात को बढ़ाया जा सके। अमेरिका और भारत ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे व्यापार पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं जिसके तहत नई दिल्ली सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक शृंखला पर शुल्क समाप्त करेगी या घटाएगी और अगले पांच साल में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करेगी।

- **अमेरिका के कोयला निर्यात में भारी वृद्धि होने का किया दावा**

ऊर्जा अवसंरचना पर रूस के हवाई हमले, यूक्रेन में बिजली-पानी ठप

कीव। रूसी हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई इलाकों में ऊर्जा अवसंरचनाओं को निशाना बनाया जिससे बिजली और पानी की आपूर्ति में बड़े पैमाने पर रुकावट आई है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रात भर में 24 बैलिस्टिक मिसाइल, एक निर्देशित एयर-लॉन्च मिसाइल और 219 हमला करने वाले ड्रोन लॉन्च किए। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 213 निशानों को रोक लिया, लेकिन नौ मिसाइल और 19 ड्रोन 13 जगहों पर हमला करने में कामयाब रहे जिससे अवसंरचना को नुकसान हुआ।

ब्रिटिश शाही सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देगी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना पहली बार ब्रिटेन की शाही वायुसेना के पायलटों को प्रशिक्षण देने जा रही है। यह निर्णय बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में आयोजित 19वीं ब्रिटेन-भारत वायुसेना वार्ता में लिया गया। ब्रिटेन के मुताबिक, नवीनतम समझौते के तहत, भारतीय वायुसेना तीन योग्य उड़ान प्रशिक्षकों को ब्रिटेन में शाही वायुसेना ली में तैनात करेगी जो ब्रिटिश लड़ाकू विमानों के पायलटों के लिए प्रशिक्षण केंद्र है। यह पहली बार है कि भारतीय योग्य उड़ान प्रशिक्षक आरएएफ वैली में ब्रिटिश पायलटों को लड़ाकू विमानों का प्रशिक्षण देंगे। यह घटनाक्रम जनवरी में भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की शाही वायुसेना महाविद्यालय क्रैनवेल में प्रशिक्षक के रूप में पहली बार तैनाती के ठीक बाद हुआ है।

- **ब्रिटेन-भारत वायुसेना की वार्ता में लिया गया निर्णय**

कनाडा पर टैरिफः पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा राष्ट्रपति के विरोध में

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा पर लगाए गए टैरिफ को पलटने के लिए मतदान किया जो व्हाइट हाउस के एजेंडे की एक दुर्लभ आलोचना है। बुधवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 219 और इसके खिलाफ 211 मत पड़े। ऐसा संभवतः पहली बार है जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा ने किसी महत्वपूर्ण नीति को लेकर राष्ट्रपति का विरोध किया है।

प्रस्ताव का उद्देश्य उस राष्ट्रीय आपात स्थिति को समाप्त करना है, जिसे ट्रंप ने टैरिफ लगाने के लिए घोषित किया है लेकिन इस नीति को पलटने के लिए वास्तव में ट्रंप के भी समर्थन की जरूरत होगी जो असंभव प्रतीत होता है। यह प्रस्ताव अब सीनेट के पास जाएगा। ट्रंप का मानना है कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए असरदार हैं लेकिन सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापार युद्धों के कारण जूझ रहे कारोबारियों एवं इनके जेब पर पड़ने वाले असर एवं ऊंची कीमतों से परेशान मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेता एवं न्यूयॉर्क से सांसद ग्रेगरी मीक्स ने यह प्रस्ताव पेश किया।

कई वैश्विक हस्तियां आएंगी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के पूर्वावलोकन कार्यक्रम (कर्टेन रेजर) 'एआई फॉर ऑलः रीइमेजिनिंग ग्लोबल कोऑपरेशन' में वक्तव्य देंगे। सार्वजनिक नीति शोध संस्था कार्नेगी इंडिया ने यह घोषणा की। इस आयोजन के लिए अब तक 100 से अधिक देशों के 35,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 500 से अधिक स्टार्टअप सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे और इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों मोदी के साथ 'होराइजन 2047 रोडमैप' के अंतर्गत द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक चर्चा करेंगे। वे मुंबई में संयुक्त रूप से 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' का भी उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नीति, अनुसंधान, उद्योग और सार्वजनिक सहभागिता पर केंद्रित है। 'जनमानस, पृथ्वी और प्रगति' के तीन आधारभूत स्तंभों पर आधारित यह शिखर सम्मेलन वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं, नवाचारियों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाएगा, ताकि शासन, नवाचार और सतत विकास में एआई की भूमिका पर विचार किया जा सके।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

- **सौ देशों के 35,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण**
- **मैक्रो और सुनक भी आएंगे, भारत मंडपम में 16 से पांच दिनी कार्यक्रम**

एआई यानी अमेरिका-इंडिया, मोदी का यह कथन सटीक

इस सम्मेलन में यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएएसआईएसपीएफ) की भागीदारी होगी। सम्मेलन से पूर्व यूएएसआईएसपीएफ ने '' बोर्ड एआई टास्क फोर्स'' के गठन की घोषणा की है जिसका नेतृत्व जॉन चैंबर्स करेंगे। कार्यबल के शुभारंभ पर जॉन चैंबर्स ने कहा, जैसा कि मोदी ने कहा है, एआई का अर्थ '' अमेरिका और इंडिया'' है। सिलिकॉन वैली के अपने अनुभव से मैं देख सकता हूं कि एआई हमारे समय की निर्णायक तकनीक बनेगी, ठीक वैसे ही जैसे भारत-अमेरिका संबंध इस युग की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी है।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 13 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 14.25 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

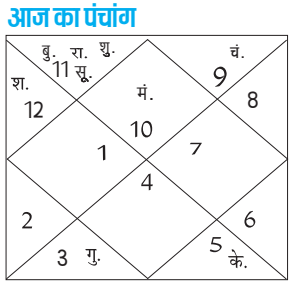

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 16.12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष - आज मन में असंतोष का भाव रह सकता है। धार्मिक लोगों से सलाह लेना उत्तम होगा। प्रेम संबंधों को लेकर भावुक हो सकते हैं। आर्थिक निवेश को लेकर सावधान रहें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। सर्दी-खांसी से आपको परेशानी हो सकती है।

वृष - आज ऊंचाई वाली जगहों से दूरी बनाकर रखें। जीवनसाथी के प्रति आसक्ति का भाव बढ़ेगा। संतान से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने मित्रों की काफी सहायता करेंगे। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मिथुन - आज आपका दिन विशेष उन्नतिकारक रहेगा। आय की दृष्टि से भी दिन बहुत ही अच्छा है। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके स्वभाव में विनम्रता बढ़ेगी। आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अधूरे पड़े कार्य आप प्रारंभ कर सकते हैं।

कर्क - आज पुराने लोन को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके भीतर स्नेह और वात्सल्य की भावना रहेगी। पाचन तंत्र की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है। आप काफी अच्छा महसूस करेंगे।

सिंह - आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। घर के सदस्यों को महत्व दें। वाणी में संयम रखें। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या - आज जीवन की सच्चाइयों का सामना करना पड़ेगा। आपको कारोबार में अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। अपने स्वभाव में लचीलापन बनाकर रखें।

तुला - आज प्रतियोगिता और परीक्षा में आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपको पिछले अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा। उच्च-अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक - आज आप अपनी आय बढ़ाने के लिए अत्यधिक प्रयत्नशील रहेंगे। परिवार में छोटों की चिंता रहेगी। प्रियजनों के व्यवहार को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। लोगों पर आपका प्रभाव काफी अच्छा पड़ेगा।

धनु - आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहना वाला है। प्रेमीजन से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करेंगे। नए कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

मकर - आज के दिन आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन में कड़वाहट हो सकती है। कुछ लोग आपकी तरक्की से ईर्ष्या कर सकते हैं। मेडिकल सेवा से जुड़े लोगों को परेशानी हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करें।

कुंभ - आज दार्शनिक लोगों के विचारों से आप प्रभावित रहेंगे। लोगों की बातों को अधिक महत्व न दें। जीवनसाथी की सलाह का अनुसरण करें, इससे आपको लाभ होगा। नया वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। पुराने लोन को चुकाने में आसानी होगी।

मीन - आज आपको शारीरिक श्रम अधिक करना पड़ सकता है। सरकारी कार्यों में ध्यान देने का प्रयास करें। गंभीरता से परिस्थितियों का अवलोकन करें। घर के वास्तु में कुछ परिवर्तन करने का विचार बना सकते हैं। पिता की सलाह से काम करना हितकर होगा।

सुडोकू-60

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 59 का हल

5	3	1	2	8	4	9	7	6
8	9	4	6	3	7	2	1	5
2	6	7	5	1	9	8	3	4
6	5	2	9	7	3	4	8	1
4	7	9	1	2	8	6	5	3
3	1	8	4	6	5	7	9	2
1	4	3	7	9	6	5	2	8
9	2	5	8	4	1	3	6	7
7	8	6	3	5	2	1	4	9

स्टेडियम
कानपुर नगर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026
अमृत विचार
www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-जिम्बाब्वे	पूर्वाह्न 11 बजे
कनाडा-यूएई	दोपहर 3 बजे
नीदरलैंड्स-अमेरिका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चोटिल लियोनेल मेसी का खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेसी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।

फेडरर के समारोह के टिकट दो मिनट में बिके

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ़ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली। फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं।

भारतीय घुड़सवारी महासंघ को नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 156 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) को पहली बार 4.62 करोड़ रुपये का मांग नोटिस जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई है। ईएफआई को नौ फरवरी, 2026 के नोटिस में कहा गया है कि इस खेल महासंघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4,62,18,102 रुपये की राशि भुगतान करनी होगी। इस नोटिस की एक प्रति पीटीआई के पास भी है जिसमें कहा गया है कि निर्धारित की गई राशि नोटिस मिलने के 30 दिनों के भीतर किसी अधिकृत बैंक में जमा करनी होगी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने सड़क पर बिताया समय

कराची। पाकिस्तान हॉकी टीम के सदस्यों को कैनबरा पहुंचने पर कई घंटे सड़क पर बिताने पड़े क्योंकि धन के अभाव में पाकिस्तान हॉकी महासंघ होटल के बिल का भुगतान नहीं कर सका जिससे होटल बुकिंग रद्द हो गई। पाकिस्तानी टीम होबर्ट में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के मैच खेलने आस्ट्रेलिया में है। टीम के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को घंटों तक सड़क पर रहना पड़ा। एक सूत्र ने बताया खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिये कैनबरा में एक चार सितारा होटल में कमरे बुक किये गए थे। उन्हें बताया गया था कि पाकिस्तान खेल बोर्ड और पीएचएफ ने कैनबरा में उनके रहने के लिये सारे भुगतान कर दिए हैं।

अर्जेंटीना ने हॉकी प्रो लीग में भारत को रौंदा

राउरकेला। भारत को बृहस्पतिवार को यहां एफआईएच पुरुष प्रो लीग के राउरकेला चरण में अर्जेंटीना से 0-8 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के लिए टॉमस डोमेने ने चार गोल दागे। डोमेन (15, 20, 26, 60वें मिनट) के अलावा टॉमस रुइज (14वें मिनट), लुसियो मेंडेज (22वें मिनट), इग्नासियो इबारा (25वें मिनट) और निकोलस डेला टोरे (30वें मिनट) ने भी गोल किए। भारत ने शुरुआत में बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर तक दबदबे के बाद उन्होंने पहले क्वार्टर के अंत में पेनल्टी स्ट्रोक मिलने पर बढ़त लेने का सुनहरा मौका गंवा दिया। हरमनप्रीत सिंह के प्रयास को अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक दिया। अर्जेंटीना ने तुरंत गोल दाग दिया।

ईशान और हार्दिक की तूफानी पारियों से भारत की बड़ी जीत

टी-20 विश्व कप : नामीबिया को 93 रनों से हराया

ईशान किशन

हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज ईशान किशन और हार्दिक पंड्या के तूफानी अर्धशतक के बाद वरुण चक्रवर्ती के फिरकी के जादू से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया को 93 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।
ईशान (61 रन, 24 गेंद, पांच छक्के, छह चौके) और पंड्या (52 रन, 28 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक से भारत ने नौ विकेट पर 209 रन बनाए जिसके जवाब में नामीबिया की टीम चक्रवर्ती (सात रन पर तीन विकेट), (21 रन पर दो विकेट) और अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। नामीबिया की ओर से सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप (29) और जेन फ्राइलिंक (22) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया। टीम ने अपने अंतिम आठ विकेट सिर्फ 30 रन जोड़कर गंवाए। भारतीय टीम अब अपना

भारत

209/9 (20 ओवर)

ईशान का शिकोंगो बो इरास्मस	61
सैमसन का स्टीनकैंप बो शिकोंगो	22
तिलक वर्मा का स्मिट बो इरास्मस	25
सूर्यकुमार स्टं ग्रीन बो स्कोल्ट्ज	12
हार्दिक का स्थानापन्न बो इरास्मस	52
शिवम दुबे रन आउट	23
रिंकू सिंह का इरास्मस बो स्मिट	01
अक्षर पटेल बो इरास्मस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01
अर्शदीप सिंह रन आउट	02

गेंदबाजी : ट्रंपलमैन 4-0-38-0, शिकोंगो 3-0-41-1, स्मिट 4-0-50-1, हेइंगो 1-0-18-0, गेरहार्ड इरास्मस 4-0-20-4, स्कोल्ट्ज 4-0-41-1

नामीबिया

116/10 (18.2 ओवर)

लॉरेन स्टीनकैंप बो चक्रवर्ती	29
जेन फ्राइलिंक का दुबे बो अर्शदीप	22
जेन निकोल का अक्षर को चक्रवर्ती	13
गेरहार्ड का तिलक बो अक्षर	18
जेजे स्मिट बो चक्रवर्ती	00
जेन ग्रीन हिट विकेट दुबे	11
मलान क्रूगर का बुमराह बो अक्षर	05
रूबेन ट्रंपलमैन बो बुमराह	06
स्कोल्ट्ज का अक्षर बो पंड्या	04
बेन शिकोंगो पगबधा बो पंड्या	00
मैक्स हेइंगो नाबाद	00

गेंदबाजी : पंड्या 4-0-21-2, अर्शदीप 3-0-36-1, दुबे 2.2-0-11-1, बुमराह 4-0-20-1, चक्रवर्ती 2-0-7-3, अक्षर 3-1-20-2

अगला मैच 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी जिस पर सभी की नजरें टिकी होंगी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नामीबिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 57 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। फ्राइलिंक ने पंड्या पर चौका और छक्का मारने के बाद अर्शदीप सिंह पर भी लगातार दो चौके जड़े लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर डीप मिडविकेट पर दुबे को कैच दे बैठे। स्टीनकैंप ने छठे ओवर में अर्शदीप पर दो चौके और एक छक्के से 17 रन बटोरे। चक्रवर्ती ने पहली ही गेंद पर स्टीनकैंप को बोल्ड करके नामीबिया को दूसरा झटका दिया। कप्तान इरास्मस ने अक्षर पटेल का स्वागत मिडविकेट पर दो छक्कों के साथ किया लेकिन जेन निकोल लॉफ्टी ईटन (13) चक्रवर्ती की गेंद को हवा में लहराकर लॉन्ग ऑफ पर अक्षर के हाथों लपके गए। चक्रवर्ती ने एक गेंद बाद जेजे स्मिट (00) को भी बोल्ड किया।

भारतीय टीम के लिए ईशान किशान और संजू सैमसन की जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए महज दो ओवर में 25 रन बना डाले। इसी दौरान दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बेन शिकोंगो ने संजू सैमसन को अपना शिकार बना लिया। संजू सैमसन ने आठ गेंदों में तीन छक्के और एक चौका उड़ाते हुए 22 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए तिलक वर्मा ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। ईशान किशन ने 24 गेंदों में छह चौके ओर पांच छक्के लगाते हुए 61 रनों की पारी खेली। उन्होंने महज 20 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुये। तिलक वर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 25 रन बनाए। एक समय महज 20 रन जोड़कर भारत ने तीन विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की जोड़ी ने एक बार फिर भारतीय पारी को संभाला और तेजी के साथ रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की उपयोगी साझेदारी हुई।

इटली ने नेपाल को रौंद आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला

मुंबई, एजेंसी

इटली के बल्लेबाज एंथनी मोस्का और जस्टिन मोस्का। एजेंसी

- **एंथनी और जस्टिन मोस्का ने नाबाद पारियां खेल आसानी से हासिल किया लक्ष्य**

इटली ने टी20 विश्व कप पदार्पण में अपने दूसरे ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया और बृहस्पतिवार को यहां के ग्रुप सी मैच में नेपाल को 44 गेंद रहते 10 विकेट से रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए नेपाल की पूरी टीम को 19.3 ओवर में महज 123 रन पर समेट दिया। इसके बाद उसने एंथनी मोस्का (नाबाद 62 रन) और जस्टिन मोस्का (नाबाद 60 रन) के बीच अटूट साझेदारी से 12.4 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत हासिल की। मोस्का बंधुओं में से बड़े भाई एंथोनी ने 32 गेंद की नाबाद पारी में छह छक्के और तीन चौके जड़े जबकि छोटे भाई जस्टिन ने 44 गेंद की नाबाद पारी के दौरान तीन छक्के और पांच चौके जमाए। यह इटली के लिए टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा ही मैच था। पिछले मैच में उसे कोलकाता में स्कॉटलैंड से 73 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में नेपाल को जीत का दावेदार माना जा रहा था जिसने इसी स्थल पर इंग्लैंड को कड़ी चुनौती दी थी। लेकिन उनका कोई भी बल्लेबाज इटली की सटीक स्पिन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने नहीं टिक सका। नेपाल ने अपने सर्वश्रेष्ठ स्पिनर संदीप लामिचाने को इस्तेमाल में भी बहुत बाद में किया। इंडियन प्रीमियर लीग सहित कई टी20 टूर्नामेंट खेल चुके लामिचाने को तब गेंदबाजी के लिए लगाया गया जब इटली के सलामी बल्लेबाज 58 रन बना चुके थे।

इटली के सलामी बल्लेबाजों ने प्रति ओवर करीब 10 रन बनाए और नेपाल किसी भी मौके का फायदा नहीं उठा सका जिससे वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद बड़ी संख्या में उसके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। इससे पहले यहां स्पिनरों का दबदबा जारी रहा जिसमें इटली के लिए बेन मानेंटी ने नौ रन दकर दो जबकि कृशन कालुगामागे ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके। सटीक लाइन एवं लेंथ के साथ इटली के क्षेत्ररक्षकों ने भी शानदार प्रदर्शन किया जिससे नेपाल के खिलाड़ी दबाव में रहे। नेपाल के लिए आरिफ शेख ने सर्वाधिक 27 रन और कप्तान रोहित पौडेल ने 23 रन बनाए।

भारत-पाकिस्तान का मैच देखने जाएंगे बीसीबी प्रमुख

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप मैच देखने के लिए कोलंबो में जाएंगे। उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ उनके संबंध सुधरेंगे। इस्लाम ने बांग्लादेश के अखबार 'प्रथम आलो' से कहा कि इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ से निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा आईसीसी ने एक फैसला लिया है। आईसीसी के प्रमुख हितधारक ये पांच एशियाई देश हैं तथा वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा, आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।

मेंडिस, रत्नायके व शनाका की पारी से श्रीलंका की बड़ी जीत

पल्लीकल, एजेंसी

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते श्रीलंका के बल्लेबाज पवन रत्नायके। एजेंसी

- **ओमान को 105 रनों से हराकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें मजबूत कीं**

कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीलंका ने इनके शानदार प्रदर्शन की मदद से पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पांच विकेट पर 225 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

ओमान के बल्लेबाजों के पास श्रीलंका के तेज और स्पिन आक्रमण का कोई जवाब नहीं था और उसकी टीम नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से केवल मोहम्मद नदीम ही संघर्ष कर पाए जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से दुष्मंत चामीरा और महीश तीक्षणा ने दो दो विकेट लिए। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले श्रीलंका के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाकर बड़ी जीत की नींव रखी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें ओवर में तेज गेंदबाज रामानंदी पर पारी का पहला छक्का लगाया और सुफयान महमूद को लगातार तीन चौके लगाकर यह अपना अर्धशतक पूरा किया। रत्नायके और मेंडिस ने केवल 52 गेंद पर 94 रन की साझेदारी की। इस बीच उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया।

उम्मीद जीवंत रखने की कोशिश करेगा नीदरलैंड्स

चेन्नई, एजेंसी

- **अमेरिका को करनी होगी वापसी बल्लेबाज नहीं दिखा पाए जलवा**

नीदरलैंड्स के बल्लेबाज मैक्स ओडॉउड।

पिछले मैच में जीत हासिल करके वापसी करने वाले नीदरलैंड्स को शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए आक्रामक बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी जो सुपर आठ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जरूरी है। नीदरलैंड को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने अपने अगले मैच में नामीबिया को हराकर शानदार वापसी की। नीदरलैंड ने 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल की। नीदरलैंड्स की टीम के पास शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन उसके मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

अमेरिका ने गेंदबाजी में तो अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बल्लेबाजी में वे लड़खड़ा गए और खराब फील्डिंग ने भी उन्हें नुकसान पहुंचाया। अमेरिका के गेंदबाजों में शैडली वैन शालविक ने पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया है।

हमारे बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी खेलने में सक्षम : हैरी ब्रूक

मुंबई। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रुक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया।

टी20 विश्व कप

ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला आज, मार्श की फिटनेस पर होगी निगाह

बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श।

कई प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम जब शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा तो कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस पर निगाह टिकी रहेगी।

मार्श बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार इस ऑलराउंडर को मैदान पर वापसी करने से पहले काफी आराम की जरूरत होगी। मार्श के कवर के रूप में स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिया गया है। उनकी टीम को हालांकि आयरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में मार्श की कमी नहीं खली। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके 67 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 180 से अधिक रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद तेज गेंदबाज नाथन एलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मिलकर आठ विकेट लिए और अपनी टीम को पूरे दो अंक दिलाए। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। उसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। मार्श अगर टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल पाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि स्मिथ ने हाल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है।

जिम्बाब्वे ने अपनी पिछले मैच में ओमान को आसानी से हराया था। उसके पास ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अपने दिन में सबसे मजबूत बल्लेबाजों को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं। सिकंदर रजा की ऑफ और लेग ब्रेक गेंदों का मिलाजुला रूप उनकी गेंदबाजी को एक नया आयाम देता है। टी20 के बेहद अनुभवी खिलाड़ी रजा को ब्रायन बेनेट, डियोन मायर्स और 40 वर्षीय ब्रेंडन टेलर के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देना होगा।

कनाडा-यूएई की निगाह पहली जीत पर

नई दिल्ली। अपने शुरुआती मैच में करारी हार झेलने वाले कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शुक्रवार को यहां जब टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मुकाबले में आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल करना होगा। तीन शीर्ष 10 टीमों न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ 'ग्रुप ऑफ डेथ' में शामिल होने के कारण यूएई और कनाडा दोनों को सुपर आठ चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी और असंभव चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। दोनों टीमों के अभियान की शुरुआत निराशाजनक रही। जहां कनाडा को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा, वहीं यूएई को न्यूजीलैंड ने करारी शिकस्त दी।